जनजाति गौरव दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़ रहे नक्सली - 14

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार - 14

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन - 15

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी - 16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 91, पृष्ठ 16 ▪ मूल्य 5 रुपये

बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो भारतीय संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। हमें इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुसरण नहीं करने का कोई कारण नहीं मिलता है...हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक और आरोप पत्र

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ब्रिटेन स्थित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन की शिकायत यहां विशेष धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) अदालत में दायर की गई है। वाड्रा के खिलाफ धनशोधन के मामले में यह दूसरा आरोप पत्र है।

दो आईएएस व आठ पीसीएस अधिकारियों का स्थानांतरण

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने कई अफसरों व अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विशेष सचिव शीलधर सिंह यादव को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के विशेष सचिव रमेश कुमार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में भेजा गया है। पीसीएस अधिकारियों के तबादलों में प्रतीक्षारत अरविंद कुमार मिश्रा को नोएडा का एसडीएम, इटावा के एसडीएम रहे हरी प्रताप सिंह को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, विशाल सारस्वत को अंबेडकरनगर में ट्रेनी एसडीएम, स्वाति शुक्ला को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में उपनिदेशक, प्रतीत त्रिपाठी को एसडीएम रामपुर, संतोष कुमार ओझा को एसडीएम मिर्जापुर, बदायूं में सेवारत रहीं प्रियंका को नोएडा में एसडीएम (न्यायिक) व विवेक राजपूत को रायबरेली भेजा गया है।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की मौत

अमित बर्नवाल, राहुल सिंह, संजू सिंह, दाऊद अंसारी।

- ऑयल सीड्स कंपनी में काम करते थे, सुबह काम के लिए जगाने पर मौतों का पता चला
- कमरे में वेंटीलेशन न होने से दम घुटने से मौत होने की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: पनकी औद्योगिक क्षेत्र डी-58 में निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में बुधवार रात कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की दम घुटने से नींद में ही मौत हो गई। सुबह मौत का पता चलने पर हड़कंप मच गया। दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाले गए।

पुलिस कमिश्नर, जेसीपी, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल कर साक्ष्य एकत्र किए। चारों एक ही कमरे में सोये थे, जिसके एक कोने में अंगीठी में कोयला जलता मिला। फॉरेंसिक के अनुसार अंगीठी से निकली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। सभी युवक एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर के रहने वाले थे।

गोविंदनगर इलाके के रहने वाले वरुण कटारिया की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड दो स्थित डी-58 में निर्माणाधीन कटारिया एडिबल्स एलएलपी ऑयल सीड्स कंपनी है। जिसके निर्माण का जिम्मा इंदौर की आदित्य एंटरप्राइजेज कंपनी को सौंपा गया है। कंपनी में ज्यादातर फैब्रिकेटर (कुशल पेशेवर) देवरिया के रहने वाले हैं। जिसमें चारों दोस्त संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), अमित वर्मा (32) और दाऊद अंसारी (25) एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर मुसहती तरकुलवा के थे। ये चारों एक कमरे में सोये थे। उनके तीन साथी दूसरे कमरे में सोये थे। गांव का ही नागेंद्र गुरुवार सुबह करीब छह बजे चारों को काम के लिए जगाने पहुंचा तब उसे घटना का पता चला। इस पर ठेकेदार के साथ पनकी पुलिस को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़कर लोग अंदर पहुंचे तो चारों को मृत पाया।

उनके मुंह से सफेद झाग निकला था। सूचना पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, जेसीपी लॉ एंड आर्डर आशुतोष कुमार और एसडीएम सदर, फील्ड यूनिट, पनकी का फोर्स और फॉरेंसिक टीम पहुंची।

अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

- आजमगढ़ का रहने वाला है बेग, 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए कई विस्फोट, जांच में सामने आया सच

दिल्ली कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुजम्मिल शकील विश्वविद्यालय में काम करता था।

दिल्ली धमाके के 4 आरोपी 10 दिन की एनआईए हिरासत में

- डॉ. मुजम्मिल, डॉ. अदील, मुफ्ती इरफान और डॉ. शाहीन सईद को दिल्ली कोर्ट में किया गया पेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले दिन में एनआईए ने उन्हें श्रीनगर में हिरासत में लिया और पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

पुलिस ने कश्मीर टाइम्स के जम्मू कार्यालय पर छापा मारा

जम्मू। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में गुरुवार को यहां कश्मीर टाइम्स के कार्यालय पर छापा मारा। अखबार के खिलाफ देश के हितों के प्रतिकूल गतिविधियों का महिमामंडन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एसआईए के अधिकारियों ने अखबार के परिसरों और कंप्यूटरों की गहन जांच की। प्रकाशन और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनसे पूछताछ किए जाने की संभावना है।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे।

सिंह के बेटे सुजीत सिंह ने बताया, वह (सुधाकर सिंह) मंगलवार को दिल्ली से विमान से वाराणसी आए थे। दिल्ली हवाई अड्डे पर वह ठीक थे लेकिन वाराणसी हवाई अड्डे पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें इलाज के लिए वाराणसी में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए उन्हें लखनऊ ले जाया गया। पिता को देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार सुबह करीब सात बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने चिकित्सकों के हवाले से बताया कि उनके पिता को हृदय संबंधी समस्याएं थीं। तीन बार विधायक रहे सुधाकर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

- ईडी ने गुरुवार को रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत की कार्रवाई

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं।

एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटीऔर मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये संपत्तियां 1,452.51 करोड़ रुपये मूल्य की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं। एजेंसी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से संबंधितप मामले में इससे पहले 7,500 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की थीं। रिलायंस ग्रुप समूह के सूत्रों ने पहले कहा था कि डीएकेसी आरकॉम की परिसंपत्ति है जो पिछले छह वर्ष से दिवालियापन का सामना कर रही है।

भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है यह मिसाइल
- नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

अमेरिका ने भारत के लिए 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल', 'जेवलिन मिसाइल सिस्टम' और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग एजेंसी ने संसद को बिक्री की जानकारी देते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण प्रदान किया। एजेंसी ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारतीय सामरिक संबंधों को मजबूत करने और एक ऐसे प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो हिंद-प्रशांत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। एजेंसी ने कहा, सटीक क्षमता वाले उपकरणों की उपलब्धता से वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा।

चिंतनीय देश में पिछले पांच साल में रोगियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, 2020 में जहां 18,05, 670 थी वहीं 2024 में 26,17, 923 हो गई

डेढ़ गुना बढ़े टीबी रोगी, 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा

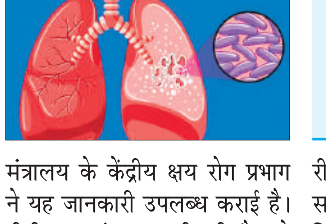

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल' के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प
नये उत्तराखण्ड का

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

मनरेगा घोटाले में 15 दोषी, प्रधान सचिव और टीए पर होगा मुकदमा

लगभग 20 लाख रुपये के हुए मनरेगा वित्तीय गबन का मामला

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। सैंबसू गांव के ग्रामीण राहुल तिवारी पुत्र राजेन्द्र प्रसाद, की शिकायत पर मनरेगा लोकपाल के तहत की जा रही जांच के मामले में गुरुवार को कमेटी ने अपनी जांच सौंप दी। इसमें परियोजना निदेशक डीआरडीए आलोक कुमार सिंह की अगुवाई में तीन सदस्यीय टीम ने 15 लोगों को लगभग 20 लाख के हुए मनरेगा वित्तीय गबन मामले में दोषी ठहराया है।

सभी दोषियों को वसूली जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। तथा राष्ट्रीय महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना अधिनियम के अंतर्गत वित्तीय अनियमित अनियमितताओं के लिए ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव और तकनीकी सहायक पर रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बीते 3 वर्षों के कार्यकाल में मनरेगा के पक्के कामों और कच्चे काम की मजदूरी में जमकर बंदर बांट हुआ है जिसके बाद मामले की जानकारी ग्रामीण राहुल तिवारी ने मुख्य विकास अधिकारी को दी थी, जिसके बाद पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाई गई और लगभग 3 महीने चली जांच प्रक्रिया में कुल 15 लोग दोषी पाए गए।

पूरे रुपयों की होगी वसूली

- समिति की जांच के आदेशों के अनुसार 20,58,614 रुपये की धनराशि के गबन और दुरुपयोग की पुष्टि हुई है। इस मामले में ग्राम प्रधानों एवं तत्कालीन ग्राम सचिवों और तकनीकी सहायक के विरुद्ध प्राथमिकियां दर्ज कराई जाएगी।
- **वसूली :** गबन की गई कुल धनराशि 20,58,614 रुपये में से 20,58,614 रुपये की वसूली के आदेश दिए गए हैं।

शिकायत के अनुसार वर्ष 2024-25 और 2025-26 में ग्राम पंचायत में मनरेगा के अंतर्गत 17 विकास काम दिखाए गए थे। इनमें चक रोड, नाला और इंटरलाकिंग के काम कराए गए थे। जांच में पता चला कि काम सिर्फ कागजों पर हुए हैं। मजदूरों से पूछताछ की गई तो पता चला कि प्रधान और उनके सहयोगी आधार कार्ड और बैंकपास बुक लेकर जाते थे। उनके खाते में कोई धनराशि नहीं भेजी गई। 98 मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर मस्टररोल तैयार करके पैसा निकाला गया, जबकि किसी भी मजदूर ने काम नहीं किया। लाखों का घोटाला होने पर मामला दिशा की बैठक में उठाया गया। परियोजना अधिकारी आलोक कुमार, अधिशासी अभियंता आरईडी और सहायक अभियंता लघु सिंचाई ने जांच करके प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायक को दोषी माना था। मामले की जांचकी जा रही है।

नाम	पद	रिकवरी की रकम
विमलेश कुमार	ग्राम प्रधान, सैसबू, बिल्हौर	6,86,205.00
संदीप ज्ञानवीर	तत्कालीन ग्राम सचिव	69,596.00
शिवपाल,	तत्कालीन ग्राम सचिव	4,99,385.00
रोहन कनौजिया	तत्कालीन ग्राम सचिव	1,78,824.00
इन्द्र कुमार	तत्कालीन तकनीकी सहायक	69,596.00
प्रमोद कुमार	तकनीकी सहायक	6,78,209.00
शिवनारायण कश्यप	तत्कालीन खण्ड विकास अधिकारी	37,000.00
आशीष मिश्र	तत्कालीन खण्ड विकास अधिकारी	14,600.00
बनाराम	तत्कालीन खण्ड विकास अधिकारी	13,000.00
शिशिर कुमार	तत्कालीन अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी,	9,000.00
दीप सिंह	तत्कालीन अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी	34,400.00
प्रीति अग्निहोत्री	तत्कालीन अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी,	20,200.00
देवेन्द्र शर्मा,	लेखाकार ग्राम्य विकास विख बिल्हौर	62,600.00
प्रदीप तिवारी	लेखा सहायक, मनरेगा, विख बिल्हौर	1,000.00
ललित कुमार	कम्प्यूटर आपरेटर मनरेगा, विख बिल्हौर	1,000.00

इन गांवों में चल रही है जांच

- बिल्हौर ब्लॉक के रहीमपुर करीमपुर, बरण्डा, ककवन ब्लॉक के रहीमपुर विषधन गांव में जांच चल रही है, जिसकी रिपोर्ट आना अभी बाकी है। बिल्हौर ब्लॉक में बीते तीन-चार वर्षो में लगातार परमानेंट वीडीओ ना होने के चलते मनरेगा में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए हैं जिसमें कई ग्राम पंचायत शामिल हैं। बिल्हौर ब्लॉक में ठेकेदारी प्रथा में मनरेगा के काम कराए जाते हैं, जिसमें किसी प्रकार के धरातल पर अधिकारियों की विजिट नहीं होती है। ऐसे में अगर जांच होती है तो और कई ग्राम पंचायतें भ्रष्टाचार की जद में आएंगी।

न्यूज ब्रीफ

अब 6 फरवरी को होगा अंतिम प्रकाशन

बिल्हौर। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियों के बीच, राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश ने निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण अभियान की समय-सारिणी में एक बड़ा बदलाव किया है। कानपुर नगर के सभी विकास खंडों बिल्हौर, ककवन, शिवराजपुर, चौबेपुर, कल्याणपुर, बिठूर, सरसौल, घाटमपुर, पतारा तथा भीतरगांव क्षेत्र के लिए यह संशोधित कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह संशोधन राज्य स्तर पर की गई विस्तृत समीक्षा और प्रक्रियागत तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनाना है। जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने संशोधित कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 6 फरवरी को किया जाएगा। ऐसे में माना जा रहा है की पंचायत चुनाव अप्रैल से लेकर मई के बीच होंगे।

दो वर्षीय मासूम आग से झुलसी, भर्ती

हमीरपुर। क्षेत्र के भौली गांव में दो वर्षीय मासूम खेलते समय अचानक आग से झुलसने से गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे परिजन उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी लेकर आए। जहां उसका उपचार जारी है। क्षेत्र के भौली गांव निवासी पवन सिंह की दो वर्षीय पुत्री आराध्या घर मे खेल रही थी। तभी अचानक आग के पास पहुंच गई। जिससे वह बुरी तरह झुलस गई, जिसे परिजन आनन फ़ानन उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी ले आए, जहां उसका प्राथमिक उपचार जारी है।

संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

चौबेपुर। कस्बे में गुरुवार शाम थाने के निकट स्थित एक खाली प्लाट में बने कमरे में युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। आशंका है कि युवक की मौत अत्यधिक शराब के सेवन व ठंड लगने से हुई है।

क्षेत्र के जोरावरपुर गांव निवासी सौरभ सिंह कस्बे में थाने के निकट स्थित गांव के ही जितेंद्र सिंह के खाली पड़े प्लाट में एक छोटे से बने कमरे में विगत दो हफ्ते से रह रहा था। वह घर न जाकर कस्बे में इधर उधर घूमता रहता था। गुरुवार शाम युवक को मृत अवस्था मे पड़ा देख ग्रामीणों ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना से अवगत कराया। जांच पड़ताल के पश्चात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि ग्रामीणों से की गई पूछताछ में जानकारी हुई है कि युवक शराब का लती था। प्रथम दृष्टया युवक की मौत अत्यधिक शराब पीने व ठंड लगने से हो सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व का किया बखान

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के श्री शक्ति डिग्री कॉलेज साखाहारी घाटमपुर में महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी लोकनायक बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर स शुरू हुए 6 दिवसीय कार्यक्रम का गुरुवार को समाप्त हुए।

इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधक विनय त्रिवेदी ने बताया कि भारत को आजादी दिलाने में आदिवासियों का भी बहुत बड़ा योगदान है। इस अवसर पर महाविद्यालय में डीएलएड प्रवक्ता राव नंदन विद्यार्थी के मार्गदर्शन में छात्राओं ने बिरसा मुंडा पर आधारित रंगोली बनाई तथा निबंध लेखन और व्याख्यान माला आदि का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन ईशा यादव ने किया। छात्राओं काजल, पारुल, नैंसी, शिवानी, दिव्या सना, अंबुजा, एकता साहू, लक्ष्मी, खुशी सचान आदि ने महत्वपूर्ण सहभागिता की।

अनूपुर मोड़ पर 10 डंपर सीज, 50 के चालान

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर तहसील प्रशासन और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने बुधवार रात सजेती क्षेत्र के अनूपुर मोड़ पर ओवरलोडिंग के विरुद्ध अभियान चलाया। उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, एसीपी घाटमपुर कृष्णकांत और परिवहन विभाग से एआरटीओ प्रवर्तन कहकशा के नेतृत्व में चले इस अभियान में 10 डंपर सीज किए गए, जबकि 50 डंपरों का चालान किया गया। टीम ने बिना नंबर प्लेट के वाहन, नंबर प्लेट छिपाकर चलाना, ओवरलोडिंग, टैक्स जमा न करना, बिना तिरपाल मिनरल्स का परिवहन और प्रदूषण प्रमाणपत्र न प्रस्तुत करने पर कार्रवाई की।

ट्रक और डंपरों की जांच करते अधिकारी। अमृत विचार

अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा और अनुशासित परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाना बताया गया। अधिकारियों के अनुसार, बिना नंबर प्लेट या धुंधले/ढके हुए नंबर प्लेट वाले वाहन दुर्घटना के बाद पहचान से बच जाते थे, जिससे 'हिट एंड रन' की घटनाएं बढ़ रही हैं। ओवरलोडिंग से सड़कें भी तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही हैं और दुर्घटना का जोखिम बढ़ रहा है। इस अभियान से ऐसे वाहनों पर प्रभावी रोक लगेगी। उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा और अनुशासित परिवहन प्रणाली बनाने के लिए प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं।

इटर्रा गांव के मेले में दिवारी नृत्य देख रोमांचित हुए ग्रामीण

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के पतारा विकासखंड के इटर्रा गांव में आठ दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में प्रथम दिन दिवारी नृत्य का आयोजन मां काली के दरबार में किया गया। वहीं रात्रि में भव्य रामलीला का आयोजन किया गया।

इटर्रा गांव में चल रहे आठ दिवसीय मेले में सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। मेले में पहुंच कर ग्रामीणों व क्षेत्र वासियों ने जमकर खरीददारी की और मेले में लगे झूलों का आनंद लिया। मेले में पहुंचे लोक कलाकारों ने दिवारी नृत्य का जोरदार प्रदर्शन किया, जिसे देखकर मौजूद लोग दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो गये। वहीं रात में रामलीला का भी आयोजन किया गया। रामलीला में मुख्य पात्रों में राम की भूमिका में आशीष पांडे पिपरौंदा हमीरपुर, लक्ष्मण आदर्श पांडे पिपरौंधा हमीरपुर, जनक वीतराग तिवारी इटर्रा कानपुर नगर, परशुराम पंडित सर्वेश जी झलोखर हमीरपुर, रावण हरिवंश तिवारी कानपुर, बाणासुर विनय सचान कानपुर, व्यास अखिलेश कानपुर नगर रहे। सीता स्वयंवर, रावण -बाणासुर संवाद, जनक विलाप, परशुरामी को देखने के लिए राम भक्त सुबह तक डटे रहे। ग्राम प्रधान राधेश्याम तिवारी ने बताया कि 21 नवंबर को विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा।

दिवारी नृत्य का प्रदर्शन करते ग्रामीण। अमृत विचार

वीडीओ से की मारपीट

शिवराजपुर। क्षेत्र के एक गांव में पुराने भुगतान को लेकर ग्राम पंचायत कीरतपुर के ग्राम विकास अधिकारी राजकमल कटियार से एक नामजद सहित दो अज्ञात लोगो ने गाली गलौज कर जबरन पुराने भुगतान को लेकर मारपीट कर दी।

थाने में दी तहरीर में ग्राम पंचायत अधिकारी सचिव राजकमल ने बताया कि वे गुरुवार शाम लगभग 4 बजे सरकारी कार्य के लिये बीडीओ कार्यालय, शिवराजपुर आए थे। उसी समय पिपौरी के आशीष कुमार फर्म प्रो. राम एण्ड सन्स अपने दो सहयोगियों के साथ कार्यालय के बाहर पहुंचे और पुराने अवैध भुगतान की मांग करते हुए मारपीट कर दी। वहीं पुलिस ने कहा जांच के बाद कार्रवाई की जायेगी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपना नाम बलविन्दर सिंह सचदेवा से बदलकर बलविन्दर सिंह रख लिया है आज से मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए। पता : नई बस्ती, लखीमपुर

सूचना
मैंने अपने पुत्र रविन्द्रर सिंह को इनके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल – अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किये किसी भी कृत्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी – **गुरुदीप कौर पत्नी स्व. जगजीत पाल सिंह नि– म. नं. 112 दुर्गापुरी कालोनी, फ़ैजुल्ला गंज, लखनऊ**

सूचना
मैंने अपना नाम SHABIL AHMAD से बदल कर SABEEL AHMAD रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: ABDUL RAUF R/O:551K/405, NIKAT DIXIT ATA CHAKKI AZAD NAGAR ALAMBAG LUCKNOW UTTAR PRADESH 226005

सूचना
मैंने अपना नाम MUKESH KUMAR KHARWAR से बदल कर MUKESH KHARAVAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: NARAYAN KHARWAR R/O:90 BHARVALIYA NAIKA CHHAPRA KASYA KUSHINAGAR UTTAR PRADESH 274206

सूचना
मेरा पासपोर्ट पर नाम AQILA BEGUM है जो कि गलत छप गया है जबकि मेरा सही नाम AQLA BEGAM है जो कि मेरे सभी अभिलेख में दर्ज है इसी नाम से जाना जाये। **आकला बेगम पत्नी फ़करे आलम वारसी 126/B आस्ताना रोड चौधरियान कस्बा देवा बाराबंकी**

NOTICE
SIDDH GOPAL s/o SHIVDAYAL R/o Sikandarpura, Rath, Hamirpur, Uttar Pradesh. 210431. Have changed the name of my minor son Anshu Aged 6 yeres and he shall here after be known as Ansh Singh.

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **विनोद कुमार यादव पुत्र स्व. सदाशिव यादव ग्राम पूरे दुर्जन भैरोंपुर मजरे रघुनाथपुर कटैली थाना भदोखर तहसील सदर ज़िला रायबरेली** का निवासी हूँ। मेरा पुत्र ऋषि यादव एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल अनुरुद्धपुर में कक्षा 8 में अध्ययनरत है। मेरे पुत्र की जन्मतिथि विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश 23/12/2011 अंकित हो गई है जबकि जन्म प्रमाण पत्र और आधार पर जन्मतिथि 23/12/2012 दर्ज है जो वास्तविक रूप से सही है और उसे ही माना जाए।

सूचना
सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट जिसका नं0 एल0 2763898 में मेरा नाम त्रुटिवश शमीमा खातून दर्ज हो गया है। जबकि मेरे समस्त कागजातों में मेरा नाम सैय्यदा शमीमा खातून है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं और मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। **सैय्यदा शमीमा खातून पत्नी सैय्यद सफीर अशरफ निवासी– 160 आजाद नगर अशरफपुर किछौछा तहसील टांडा, जिला अम्बेडकर नगर।**

सूचना
सूचित हो मेरी पुत्री **मनीषा** 16.05.2025 को घर से बिना बताये विकास कश्यप पुत्र विनोद कुमार निवासी– शिवलर, पो0 व थाना गोसाईगंज, लखनऊ के साथ कहीं चली गई है और तब से घर वापस नहीं आई है। मैं अपनी पुत्री मनीषा से अब कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मनीषा व विकास कश्यप और उसके घर वाले मुझे धमकाते हैं यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो हम तुम लोगों को जान से मार देंगे। मनीषा द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक चाल–चलन, कार्य या लेन–देन के लिए मैं भविष्य में जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगी। **—मनोज कुमार पुत्र श्री मेवा लाल** निवासी–कंजेहरा, पो0 हसनपुर खेवली, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

सूचना
सूचित हो मेरा कनिष्ठ पुत्र **शिवांश दुबे** शराब पीने का आदी है और रोज शराब पीकर गाली गलौज व झगड़ा करता रहता है और धमकाता है कि यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो मैं तुम लोगों को जान से मार दूंगा। मैं व मेरे परिवार वालों के साथ कोई हादसा शिवांश दुबे कारित कर सकता है। मैं अपने पुत्र शिवांश दुबे से कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। शिवांश दुबे द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य या लेन–देन के लिए अब मैं जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। **—राजपाल दुबे पुत्र स्व0 रामनरेश दुबे** निवासी– सरसवां, पो0 अर्जुनगंज, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

आक्रोश भुगतान व अन्य मांगों को लेकर चिकित्सा अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

आशा कर्मियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। अपनी सेवाएं दे रहीं आशा कर्मियों ने लंबित भुगतान को लेकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इसके बाद उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान तमाम आशाकर्मी मौजूद रहीं।

उत्तर प्रदेश में अपनी सेवाएं दे रहीं आशा कर्मियों का वर्ष 2025 के कई माह का भुगतान, राज्य प्रदत्त अनुतोष राशि, प्रोत्साहन राशि और राष्ट्रीय अभियानों के प्रतिफल बकाया है। आशा कर्मियों का कहना है कि वे कई उच्चाधिकारियों को बकाया भुगतान के सम्बन्ध में अवगत करा चुकी हैं।

लेकिन उनकी मांगों को अनसुना कर दिया गया। प्रदेश में आशाकर्मी वर्षों से राज्य और केंद्र के अनेक कार्यों की घोषित प्रोत्साहन राशियों से वंचित हैं। वर्ष 2019 से लम्बित भुगतानों की अदायगी के सम्बन्ध में पिछले तीन वर्ष से अधिक समय से प्रदेश की आशा और आशा संगिनी लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रही हैं। किंतु उनकी आवाज को अनसुना कर दिया जाता है।

आशा कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर सीएचसी में चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि उनके लंबित भुगतान व मांगों के पूरा न होने पर वे अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगी।

अधिकारी को ज्ञापन सौंपतीं आशाकर्मी। अमृत विचार

आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता
नारायना हॉस्पिटल
सुपर स्पेशियालिटी - 1050 बेड सुसज्जित अस्पताल
(इकाई नारायना मेडिकल कॉलेज)
गंगागंज, पनकी कानपुर
द्वारा आयोजित
फ्री हेल्थ चेकअप कैंप
18 नवम्बर से 22 नवम्बर 2025 तक
स्थानः नारायना हॉस्पिटल परिसर
समयः प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक
सभी विभागों द्वारा निःशुल्क परामर्श
नारायना हॉस्पिटल में उपलब्ध सेवाएँ एवं उपचार

मेडिसिन विभाग: • शुगर (Diabetes) • हाई/लो बीपी (Hypertension) • थायरॉयड विकार • हार्ट फेल्योर की शुरुआती समस्याएँ • डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड • जोड़ों का दर्द, गठिया • एनीमिया • गैस, एसिडिटी, पेट दर्द, कब्ज • लिवर रोग (जॉन्डिस, फैटी लिवर) • किडनी इंफेक्शन
जनरल सर्जरी: • पथरी (गॉलब्लैडर/किडनी) • अपेंडिक्स ऑपरेशन • हर्निया • वरिकोस वेन्स • पाइल्स, फिशर, फिस्टुला • लम्प/ट्यूमर हटाना • अब्डोमिनल सर्जरी
आर्थोपेडिक्स: • फ्रैक्चर प्रबंधन • घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण • गठिया • स्लिप डिस्क • स्पोर्ट्स इंजरी • पीठ/कमर दर्द, सर्वाइकल दर्द
गायनी एवं प्रसूति: • सामान्य एवं सिजेरियन डिलीवरी • पीसीओडी/पीसीओएस • मासिक धर्म की समस्याएँ • इन्फर्टिलिटी • गर्भावस्था देखभाल • बच्चेदानी की गांठ (Fibroid) • सफेद पानी की समस्या
कार्डियोलॉजी: • हार्ट अटैक • सीने में दर्द • हार्ट फेल्योर • ब्लड प्रेशर संबंधी समस्याएँ • ईसीजी/ईको
ई.एन.टी. (ENT): • कान से पानी बहना • सुनाई कम होना • टॉन्सिल • नाक बंद/साइनस • नाक का टेढ़ापन (DNS) • गले का इंफेक्शन
नेत्र विभाग: • मोतियाबिंद • आँखों का चश्मा नंबर • ग्लूकोमा • आँखों में एलर्जी • रेटिना से जुड़ी समस्याएँ
त्वचा रोग: • एलर्जी, खुजली • फंगल इंफेक्शन • मुंहासे, दाग-धब्बे • सोरायसिस • बाल झड़ना • स्किन रीजुवनेशन • कॉर्न, मस्सा हटाना
मानसिक स्वास्थ्य: • डिप्रेशन • एंग्जाइटी • तनाव • नींद न आना • नशा मुक्ति • बिहेवियरल डिसऑर्डर
न्यूरो सर्जरी: • ब्रेन ट्यूमर • ब्रेन स्ट्रोक • स्पाइन सर्जरी • हेड इंजरी • नसों का दबना
यूरोलॉजी: • किडनी स्टोन • यूरिन रुकना/कम आना • प्रोस्टेट की समस्या • यूरिनरी इंफेक्शन (UTI) • ब्लैडर स्टोन
शिशु रोग विभाग: • नवजात देखभाल • बच्चों का बुखार, खांसी-जुकाम • न्यूमोनिया • डायरिया/उल्टी • एलर्जी • पोषण संबंधी समस्याएँ
डेंटल विभाग: • दाँत निकालना • रूट कैनाल • ब्रेसेस • मसूड़ों की बीमारी • दाँत सफाई (Scaling) • इम्प्लांट
फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन: • जोड़ों का दर्द • स्पोर्ट्स इंजरी • पोस्ट-ऑपरेटिव रिहैब • स्ट्रोक रिहैब • बैक और नेक पेन
रेस्पिरेटरी मेडिसिन: • दमा (Asthma) • ब्रोंकाइटिस • सीओपीडी • टी.बी. • एलर्जिक कफ
24×7 इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर: • एक्सीडेंट और चोट • ब्लीडिंग • हार्ट अटैक • स्ट्रोक • साँस रुकना • पॉइजनिंग • हाई फीवर/ सीवियर डिहाइड्रेशन
SUNDAY OPEN
अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी सर्जनों के साथ सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध
सरकारी दरों पर सफल इलाज
आयुष्मान कार्ड धारक एवं अन्य ECHS / CGHS / TPA कार्ड धारकों का निःशुल्क इलाज
24X7 सुविधायें: आई.सी.यू. • एन.आई.सी.यू. • पी.आई.सी.यू. • एम.आर.आई • सी.टी.स्कैन • डिजिटल एक्स-रे • ब्लड बैंक • पैथोलॉजी एवं बायोप्सी • डायलेसिस • ऑक्सीजन प्लांट • वेंटिलेटर एम्बुलेंस • एम्बुलेन्स • मेडिकल स्टोर • ई.सी.जी. • एन.सी.वी. • ई.एम.जी. • ई.सी.टी.
24 घंटे इमरजेन्सी सुविधा एवं नारायना अस्पताल से 3 किमी. तक एम्बुलेन्स की सुविधा बिल्कुल मुफ्त
फोन करके अपना रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कर लें
Mob.:7800007704, 7800007705
पंजीकरण के समय आधार कार्ड और रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर अवश्य लाएं
www.narainamedicalcollege.com | Email: nhrc@narainagroup.net

न्यूज ब्रीफ

नाला निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

रसूलाबाद। बिरहुन निवासी लंबे समय से जलभराव की समस्या से जूझ रहे थे। गांव की सड़कों पर पानी भर जाने से न केवल सड़कें खराब हो जाती थीं वरन कई लोग गिरकर चुटहिल भी हो चुके थे। ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या से उनको निजात दिलाने के लिए बिरहुन जिला पंचायत ने इस पर ध्यान दिया और लगभग 350 मीटर लंबे आरसीसी नाले के निर्माण का कार्य शुरू करवाया। लगभग 15 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस कार्य के लिए कानपुर देहात की जिला पंचायत द्वारा 15वें वित्त आयोग के तहत धन खर्च किया जाएगा। गुरुवार को विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया। इस परियोजना से हजारों ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

4 डंपरों का चालान

रसूलाबाद। थाना रसूलाबाद क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान फाल्टी नंबर प्लेटें लगाकर चल रहे चार डंपरों का चालान किया गया है। इस संबंध में थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि डंफर (गुड्स कैरियर) नंबर यूपी 93 सीटी 9550 व यूपी 93 सीटी 6442 का 19 नवंबर को फाल्टी नंबर प्लेट के कारण चालान किया गया है। जबकि 20 नवंबर को डंफर नंबर यूपी 93 सीटी 8863 व यूपी 93 सीटी 9624 का चालान किया गया है।

वृद्ध की अचानक मौत

शिवली। साइकिल से जा रहे एक वृद्ध की एकाएक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की है। शिवली कोतवाली के गांव जुगराजपुर के रहने वाले श्रीराम पाल उम्र 67 वर्ष अपने घर से साइकिल से सत्संग में जा रहे थे। गुरुवार की शाम भुजपुरा नदी के पास अचानक साइकिल रोक कर सड़क किनारे बैठ गए। और कुछ देर बाद उनकी अचानक मृत्यु हो गई। चौकी इंचार्ज नरेंद्र सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

तबादले पर अपराध निरीक्षक को दी विदाई

रसूलाबाद। थाना रसूलाबाद में करीब एक वर्ष से तैनात अपराध निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर यादव का स्थानांतरण पुलिस अधीक्षक कार्यालय एएचटी कानपुर देहात के पद पर बुधवार को हो गया था। गुरुवार को थाना रसूलाबाद में अपराध निरीक्षक पद पर कार्यरत रहे वीरेंद्र बहादुर यादव को सहकर्मियों समेत समाजसेवियों ने माल्यार्पण कर विदा किया। अपराध निरीक्षक ने बताया कि उन्होंने करीब एक वर्ष से अधिक समय तक रसूलाबाद में दिए गए दायित्व का निर्वहन किया। इस दौरान रसूलाबाद क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बहुत प्यार दिया जिसे वह कभी नहीं भूल पाएंगे।

वाहन चेकिंग अभियान में चार वाहन सीज 22 का चालान

रनियां। बुधवार की रात रनियां थाने की पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना नंबर प्लेट के चार वाहनों को सीज किया गया। 22 वाहनों का चालान किया गया। अभियान में वाहन चालकों को यातायात के नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। प्रभारी निरीक्षक शिवनारायण सिंह कहा कि दोबारा लापरवाही पर माफी नहीं मिलेगी। सख्त अभियान को देख लापरवाह वाहन चालकों में हड़कंप मची रही।

आज होने वाली पद यात्रा के लिए किया जनसंपर्क

कानपुर देहात। रूरा झींझक सड़क चौड़ीकरण पद यात्रा 21 नवंबर के लिए आंदोलनकारियों ने आज जुरिया ग्राम, झींझक, और खमैला ग्राम समाज के लोगों से आंदोलन में ज्यादा से ज्यादा जुड़ने के लिए जनसंपर्क किया। मौके पर मौजूद चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री, अजय शर्मा, कौशल मिश्रा, बहन प्रमोद पांडे, गौरव त्रिपाठी, विनय सिकरवार ने घर घर जा कर भारी से भरी मात्रा में इस पद यात्रा में शामिल होने का निवेदन किया। इस मार्ग के निर्माण को लेकर प्रशासन द्वारा लगातार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर काम शुरू न होने से क्षेत्र के नागरिकों में गहरा आक्रोश है।

ट्रेन से टकराकर सांड़ की मौत, रुकी ट्रेन

अछल्दा। बुधवार रात 11:30 बजे डाउन ट्रैक पर एक सांड वलीन एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। इसके बाद ट्रेन को रोक दिया गया। बाद में पटरी और ट्रेन के इंजन और ट्रैक की जांच कर ट्रेन को रवाना किया गया।

1 दिसंबर से 28 फरवरी तक चलेगी बिजली राहत योजना

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के बकाया चुकाने में बड़ी राहत देते हुए पॉवर कारपोरेशन एक दिसंबर से तीन माह की बिजली राहत योजना शुरू करने जा रहा है। इस अवधि में उपभोक्ताओं को बकाया बिल जमा करते समय ब्याज पूरी तरह माफ रहेगा। सिर्फ मूल धन जमा करना होगा।

मुख्य अभियंता रामनरेश सरोज ने बताया कि योजना 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक चलेगी। इसमें उपभोक्ताओं पर 31 नवंबर तक लगाया गया ब्याज माफ रहेगा। उपभोक्ता केवल मूल बिल जमा करेंगे। योजना के तहत लगभग 2.75 लाख विद्युत उपभोक्ता शामिल हैं, जिनमें ग्रामीण उपभोक्ता भी बड़ी संख्या में हैं। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को छोड़कर 6716 उपभोक्ता भी इस योजना का लाभ ले सकेंगे। इस बारे में चीफ इंजीनियर ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं पर सबसे अधिक बकाया है, उन्हें इसका फायदा मिलेगा। ऐसे 2,06,960हैं। 41043 ऐसे उपभोक्ता हैं जिन पर कम बकाया है। उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि तीन चरणों में छूट का लाभ दिया जाएगा। पहला चरण (31 दिसंबर तक) मूलधन पर 25 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। इसके बाद दूसरा चरण (31 जनवरी तक) में 20 फीसदी छूट और तीसरे चरण (28 फरवरी तक) में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। मुख्य अभियंता ने बताया कि बिल जमा करने के तीन विकल्प तय किए गए हैं। पहला एकमुश्त भुगतान। इसकी मासिक किश्त 750 रुपये होगी। दूसरा तरीका 500 रुपये की मासिक किश्त वाला है। झींझक, रनियां और पुखरायां के अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया है कि योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराएं। यह योजना बकाया उपभोक्ताओं को राहत देने के साथ-साथ विद्युत विभाग की वसूली बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- छूट के साथ जमा कराई जाएगी मूल बकाया राशि

शादी समारोह में दुल्हन पर की फायरिंग

संवाददाता, मंगलपुर

- मंगलपुर थाना क्षेत्र के कंचौसी कस्बे की घटना, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचारः मंगलपुर थाना क्षेत्र के कंचौसी कस्बा स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित शादी समारोह के दौरान एकतरफा प्यार में दुल्हन पर फायरिंग करने वाला आरोपी युवक पुलिस की गिरफ्त में आ गया। समय रहते परिजनों की सूझबूझ से दुल्हन बाल-बाल बच गई। घटना से समारोह में अफरा-तफरी मच गई। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

मंगलपुर थाना क्षेत्र के कंचौसी स्थित एक गेस्ट हाउस में औरैया निवासी युवती की शादी का कार्यक्रम बुधवार देर शाम चल रहा था। बराती-घराती भोजन कर रहे थे। इसी दौरान जनपद कासगंज के नगला बैरू थाना सिकंदरपुर वैश निवासी युवक परवेश वहां पहुंचा और एकतरफा प्यार की भावना में दुल्हन पर फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से हड़कंप मच गया। हालांकि दुल्हन सुरक्षित रही।

दुल्हन के परिजनों और मौजूद लोगों ने मौके पर ही आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उसे थाने ले गई और पूछताछ शुरू की। घटना की पुष्टि करते हुए डेरापुर क्षेत्राधिकारी राजीव सिरोही ने बताया कि आरोपी परवेश युवती से एकतरफा प्रेम करता था। दुल्हन की शादी की जानकारी मिलते ही वह गेस्ट हाउस पहुंचा और गुस्से में तमंचे से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आरोपी के पास से एक 315 बोर का तमंचा, जिंदा कारतूस तथा घटनास्थल से खोखा कारतूस बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

एसआईआर में लगे अफसरों और कर्मियों को दस दिन तक छुट्टी नहीं

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर डीएम ने संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः एसआईआर को लेकर गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी ईआरओ/उप जिलाधिकारियों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक के दौरान एसआईआर का शत-प्रतिशत कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। जिलाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट कहा कि यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

डीएम ने कहा कि आगामी 10 दिनों तक एसआईआर कार्यों से संबंधित किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। एसआईआर कार्य की निगरानी व जनसुविधा के लिए जिला कांटेक्ट सेंटर का नंबर 05111-297056 सभी को पुनः अवगत कराते हुए निर्देशित किया कि प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ की भूमिका इस कार्य में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी बीएलओ प्रतिदिन प्रातः 9 बजे तक अपने-अपने कार्य क्षेत्र में पहुंचकर 10 बजे हर हाल में कार्य प्रारंभ करें।

उनकी भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित कराने हेतु प्रतिदिन 10 बजे, 2 बजे तथा 6 बजे उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य किया है। उन्होंने कहा कि जनता तक एसआईआर से संबंधित प्रत्येक सूचना स्पष्ट, सटीक और समय पर पहुंची चाहिए। सभी अधिकारियों और कार्मिकों को निर्देशित किया कि लोगों से संवाद करते समय अपनी भाषा और व्यवहार में पूर्ण शालीनता बनाए रखें। डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत वार्ता कर निर्देश दिए। जिन्हें एसआईआर कार्य में लगाया गया है, उन्हें अन्य कार्यालयी कार्यों से पूर्णतः मुक्त रखा जाए, ताकि वे पूर्ण समय एवं ऊर्जा इस अत्यंत आवश्यक कार्य को दे सकें।

सत्यापन के कार्य में लगे अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम कपिल सिंह।

अफसरों को नहीं मिलेगी मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति

कानपुर देहात। विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य चल रहा है। कार्य को भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराए जाने हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बीएलओ, सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं। डीएम ने बताया कि ऐसे उन सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जो सीधे तौर पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में लगे हैं, उनको विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अवधि में कोई अवकाश देय न होने के साथ ही मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।

पुलिस कार्यालय में समीक्षा बैठक करतीं एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय। अमृत विचार

लंबित विवेचनाओं का करें त्वरित निस्तारण : एसपी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः थाना स्तर पर आने वाली जन शिकायतों के निस्तारण में कोताही न की जाए। इसके अलावा पंजीकृत मुकदमों की विवेचना त्वरित ढंग से की जानी चाहिए। काम-काज में ढिलाई या लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। यह बात एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने कही।

गुरुवार को पुलिस कार्यालय में सर्किल अकबरपुर के थाना अकबरपुर, रूरा, गजनेर, रनिया, महिला थाना, अपराध शाखा एवं थाना साइबर क्राइम के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष एवं विवेचकों की लंबित विवेचनाओं के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गई थी। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी विवेचकों को लंबित विवेचनाओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं न्यायोचित निस्तारण करने, चार्जशीट समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षिका द्वारा आवेदन-पत्र, शिकायती पत्र, अंतिम प्रतिवेदन आदि का नियमानुसार समयावधि के अंदर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

साथ ही, अकबरपुर सर्किल के समस्त थाना प्रभारियों/थानाध्यक्षों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु एवं स्थानों की संघन चेकिंग अभियान चलाने तथा नियमित रूप से पैदल गश्त बढ़ाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

3 उर्वरक विक्रेताओं को नोटिस

कानपुर देहात। जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश कुमार गुप्ता ने गुरुवार को उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। कुशवाहा खाद परसौली मैथा के निरीक्षण दुकान में डीएपी 100 बोरी, एनपीके 84 बोरी एवं यूरिया 260 बोरी मिली। डीएपी और एनपीके से एक-एक नमूना ग्रहीत किया गया।

इसी तरह, चंदेल खाद भंडार लालपुर मैथा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में डीएपी 98 बोरी एवं एसएसपी 150 बोरी मिली। स्टॉक बोर्ड एवं रेट बोर्ड नहीं पाया गया। जिस कारण इनको कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। श्री कामदगिरि खाद भंडार लालपुर शिवराजपुर का भी निरीक्षण किया गया। यहां डीएपी और एक सल्फर से एक-एक नमूना लिया गया। इनके यहां स्टाक बोर्ड, रेट बोर्ड एवं अभिलेख अद्यतन नहीं पाया गया, जिस पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। शुक्ला खाद भण्डार लालपुर शिवराजपुर में निरीक्षण के समय बंद पाया गया, बंद पाए जाने की नोटिस प्रतिष्ठान पर चस्पा नहीं थी। इस कारण इन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। सभी उर्वरक विक्रेता को निर्देश दिए कि अपने प्रतिष्ठान के स्टाक एवं वितरण रजिस्टर तथा रेट एवं स्टाक बोर्ड को अपडेट रखें।

रसूलाबाद में उर्स आज से, तैयारियां पूरी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः हजरत गुलपीर शाह बाबा की दरगाह पर आयोजित होने वाले सालाना उर्फ जलसे को लेकर निजामिया उर्स कमेटी ने तैयारियां पूरी कर ली। हर साल की तरह इस बार भी हजरत गुलपीर शाह बाबा के सालाना उर्स शरीफ का आयोजन 21 नवंबर से 24 नवंबर तक निजामिया उर्स कमेटी द्वारा किया जाएगा।

निजामिया उर्स कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद आजम खान, जनरल सेक्रेटरी वसीम अहमद खान नियाजी, उपाध्यक्ष हाजी फैजान खान, प्रचार मंत्री एवं सभासद हाशिम खान ने बताया कि 21 नवंबर की रात को जश्ने ईद मिलादुन्नबी होगी जिसमें गुलफाम रजा रामपुर उत्तर प्रदेश के द्वारा तकरीरे पेश की जाएंगी। 22 नवंबर को ऑल इंडिया नातिया मुशायरा होगा। इसमें मशहूर शायर हलचल शिवानी कलकत्ता, शब्बीर बरकाती गुजरात, मोहम्मद अली साहब चतुर्वेदी जयपुर अपने कलाम पेश करेंगे। 23 नवंबर की रात को हिंदुस्तान की मशहूर कव्वाल पार्टी रईस अनीस साबरी बिजनौर व शरीफ नाजा कव्वाल पार्टी रसूलाबाद अपनी कव्वाली पेश करेंगे। वहीं 24 नवंबर की रात को मुंबई के मशहूर कव्वाल अनीस नवाब कव्वाल पार्टी के साथ साथ कई और कव्वाल पार्टियां शिरकत फरमाएंगी। उर्फ शरीफ के दौरान मेला का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें आने वाले सभी दुकानदार व जायरीनों के लिए कमेटी द्वारा लंगर की भी व्यवस्था की गई है।

हजरत गुलपीर शाह बाबा के सालाना उर्स की लेकर चल रही तैयारी। अमृत विचार

- हजरत गुलपीर शाह बाबा की दरगाह पर हर साल होता आयोजन

बेकाबू बाइक से गिरकर युवक घायल

रसूलाबादः तिश्ती के पास बाइक अनियंत्रित हो जाने के कारण एक युवक गिरकर गंभीर घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस कर्मी सीएचसी ले गए। डॉक्टर ने हैलट रेफर कर दिया। भवन निवादा ककवन निवासी रामजी 19 पुत्र रामकिशोर बाइक से बुधवार रात तिस्ती से घर जा रहा था। गंगादीन निवादा के पास बाइक अनियंत्रित होकर खड्ड में गिर जाने के कारण वह घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने उसको इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। अस्पताल में राम जी के बेहोश होने पर डॉक्टर ने इलाज के बाद हैलट रेफर कर दिया। मोबाइल पर कॉल आने पर उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। घायल को अज्ञात के रूप में सीएचसी लाया गया था।

झींझक में निकाली रन फॉर यूनिटी दिया आत्मनिर्भर भारत का संदेश

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः नगर पालिका परिषद झींझक में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर यूनिटी मार्च एवं एक भारत आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया गया। रैली सैनिक पेट्रोल पंप से लेकर राजेश गुप्ता पेट्रोल पंप तक गई।

कार्यक्रम में विधायक विधानसभा रसूलाबाद पूनम संखवार, रैली प्रभारी पूर्व विधायक आरपी कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष विभुवेंद्र प्रताप राजपूत तथा छात्र-छात्राएं अवंती बाई इंटर कॉलेज, रामदास पाल इंटर कॉलेज, शांति विद्या निकेतन व भगवती प्रसाद इंटर कॉलेज झींझक के सभी छात्र-छात्राओं अध्यापकों ने भारी संख्या में भाग लिया।

रैली की सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस अधीक्षक देहात के निर्देशन में थाना डेरापुर का पुलिस बल रहा। साथ ही थाना मंगलपुर प्रभारी महेश कुमार एवं चौकी इंचार्ज झींझक सुधीर कुमार भारद्वाज के साथ हमराही संतोष कुमार, राहुल कुमार, लवेंद्र कुमार, सब इंस्पेक्टर उजियारे लाल दीवान, राजवीर सिंह आदि मुस्तैद रहे। नगर वासियों व छात्र-छात्राओं ने इस रैली में फूलों की वर्षा की।

झींझक में एकता पद यात्रा निकालते भाजपाई व अन्य। अमृत विचार

काम का बहिष्कार

स्टाफ के धरने पर बैठने की जानकारी पर पहुंचे डिप्टी सीएमओ

चिकित्सा अधीक्षक का तबादला रोकने को प्रदर्शन

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः कानपुर देहात के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षकों के स्थानांतरण को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों में घमासान है। झींझक चिकित्सा अधीक्षक का स्थानांतरण रोके जाने को लेकर धरने पर बैठे वहां के स्वास्थ्य कर्मियों के बाद अब रसूलाबाद में भी गुरुवार से चिकित्सा अधीक्षक को ट्रांसफर रद्द करने की मांग को लेकर स्वास्थ्यकर्मी कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठ गए हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजनीति का अखाड़ा बन गया है जहां कुछ स्थानांतरण के पक्ष में हैं वहीं कुछ ट्रांसफर रद्द करने की मांग कर रहे हैं। मरीजों को ओपीडी में देखने के लिए न तो डॉक्टर हैं और न ही मरीजों के पर्चे बन रहे हैं। डॉक्टर भी धरना प्रदर्शन में मशगूल हैं। मरीजों की सुनने वाला कोई नहीं है। दूर-दूर से आए मरीज निराश होकर झोलाछापों की शरण में जाने को विवश हैं। सीएमओ ने रसूलाबाद सीएचसी में तैनात डॉ. अमित कुमार सिंह का संदलपुर के लिए मंगलवार को ट्रांसफर किया था। बुधवार सुबह अस्पताल खुलते ही डॉक्टर व कर्मियों ने नाराजगी जताते हुए डीएम से ट्रांसफर रद्द करने की मांग की। डॉ. सौरभ शाक्य, डॉ. बृजेश कुमार सहित संदीप शुक्ला, राममोहन, अनिल कुमार, शिल्पी, अतुल कुमार, विवेक पांडेय, सुबोध कुमार आदि ने की।

इस बीच गुरुवार को रसूलाबाद सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह के ट्रांसफर को रद्द करने की मांग को लेकर अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य कर्मी एएनएम एवं आशा रानी देवी, पुजा बाजपेई, मनीषा, जयदेवी, मीरा देवी, मंजुला वर्मा, उमा पांडेय, अर्चना दीक्षित, अर्चना तिवारी, शीला आदि ने कार्य का बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। धरने पर बैठे लोगों ने दावा किया है कि ज्यादातर स्टाफ धरने पर हैं। इस स्थिति की सूचना पाकर डिप्टी सीएमओ डॉ आशीष बाजपेई व डॉ. आदित्य सचान आए। उन्होंने धरने पर बैठीं महिला स्वास्थ्य कर्मियों को समझाया और दो दिन का समय मांगा है। इस पर स्वास्थ्य कर्मी काम पर लौटे।

चिकित्सा अधीक्षक का तबादला रद्द करने की मांग को लेकर धरने पर बैठीं आशाएं।

प्रभु के नाम का स्मरण करते हुए पूर्ण करें जीवन यात्रा

रनियांः श्री सत्य सनातन धर्म प्रचार समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय कथा रनियां में गत दिवस शुरू हुई। कथा के द्वितीय दिवस कथा वाचक द्वारा कहा गया कि कलयुग में मानव को प्रभु के नाम का स्मरण करते हुए ही जीवन यात्रा पूर्ण करनी चाहिए। वहीं उर्ई से आईं अखिलेश्वरी जी ने भगवान श्री राम के जन्म की दिव्य एवं अलौकिक कथा को अमृत वर्षा से उपस्थित भक्तों को सराबोर कर दिया। कथावाचक द्वारा कहा गया कि देवताओं को इस बात की चिंता जब हुई कि कलयुग में प्रभु की आराधना करना बेहद ही कठिन होगा तो भगवान ने खुद अपनी दयालुता का परिचय देते हुए यह साफ कर दिया था कि कलयुग में भक्त यदि सच्चे मन से केवल नाम जप ही करता रहेगा तो उसे मोक्ष की प्राप्ति हो जाएगी।

तीन संदिग्ध हिरासत में पुलिस कर रही पूछताछ

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रसूलाबाद थाना क्षेत्र के गांव पहाड़पुर मजरा बर्रा ठर्रा निवासी एक व्यक्ति के घर से तीन लाख रुपये नकदी व लाखों के जेवरात की चोरी रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज कर ली है। उसमें उसने तीन लोगों के विरुद्ध चोरी का संदेह है। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

पहाड़पुर मजरा बर्रा ठर्रा निवासी श्यामसुन्दर पुत्र कालिकाप्रसाद ने पुलिस को दी गई करियर में बताया कि उसके घर से मंगलवार की रात 3 लाख रुपए व जेवरात में 2 जोड़ी झुमकी, तीन जोड़ी झाले, 6 जोड़ी तोड़िया, तीन जोड़ी पायल, तीन कमरबन्द, एक बिछुआ, दो जोड़ी टोप्स, दो जोड़ी बाला, दो मंगलसूत्र, दो चेनें, दो जोड़ी हथफूल, दो चांदी की चोटी, दो मांग बेंदी, एक जोड़ी चांदी की चप्पल व छह अंगूठी सोने की चोरी चरा ले गए थी। इसके संबन्ध में श्यामसुन्दर द्वारा दी गये तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तहरीर में उसने राजेश तिवारी निवासी पहाड़पुर, छोटे व रामू निवासी अज्ञात के विरुद्ध चोरी करने का संदेह जताया है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया की तहरीर के आधार पर उपरोक्त तीनों ही लोगों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में उनसे पूछताछ की जा रही है। गुण दोष के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

शिव की त्रिविध ज्योति का प्रतीक

नाथ परंपरा की दूसरी प्रमुख कड़ी है — त्रिवतीनाथ मंदिर। यह मंदिर भी शिव के त्रिवेणी रूप का प्रतीक माना जाता है — ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध ज्योति यहाँ एक साथ विराजमान है। मंदिर का स्थापत्य अद्भुत है — ऊँचे शिखर पर लगा स्वर्ण कलश दूर से ही श्रद्धा जगाता है। सावन के महीने में जब कांवड़िए यहाँ गंगाजल चढ़ाने आते हैं, तो पूरा बरेली शहर भक्ति में डूब जाता है।

यहाँ कोई एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब 'हर हर महादेव' की आवाज़ न गूंजे। भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध और जल चढ़ाने आते हैं। यह मंदिर बरेली का आध्यात्मिक नाड़ी बिंदु है।" त्रिवतीनाथ मंदिर का परिसर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भोजन, चिकित्सा शिविर और गौसेवा के कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। मंदिर के बगल में स्थित सरोवर में हर अमावस्या को हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। यह वही सरोवर है जहाँ कभी योगी अपने ध्यान की शुरुआत करते थे।

वनखंडीनाथ मंदिर

बरेली की प्राचीन धरती में अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थल बसे हैं, उन्हीं में से एक अत्यंत प्रतिष्ठित शिवधाम है,वनखंडीनाथ मंदिर यह मंदिर बरेली के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। वनखंडी क्षेत्र के हृदय में स्थित यह मंदिर स्थानीय लोकपरंपरा, पुरातन आस्था और सदियों से प्रवाहित शिवभक्ति का अद्भुत केंद्र है। कहा जाता है कि जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, वह क्षेत्र प्राचीन समय में घने वनों से आच्छादित था। तब यह स्थान निर्जन, शांत और वन्य क्षेत्र का हिस्सा था, इसलिए इस स्थान को नाम मिला—"वनखंडीनाथ", अर्थात् वनखंडों में विराजमान भगवान शिव ।वनखंडीनाथ जी का आध्यात्मिक महत्व वनखंडीनाथ मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि शिवभक्ति की जीवंत ऊर्जा का केंद्र है।

रामनगर जैन मंदिर

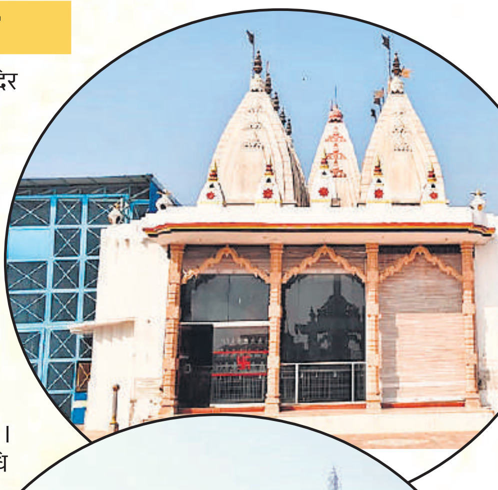

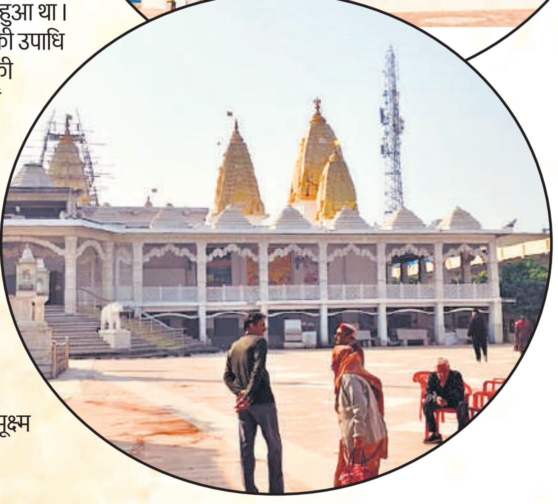

बरेली के आंवला में रामनगर में जैन मंदिर भी विश्व प्रसिद्ध है। रामनगर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के प्रसिद्ध जैन तीर्थों में से एक है। यह तीर्थ अपनी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता के कारण देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। भगवान पार्श्वनाथ की तपस्या स्थली रामनगर आंवला है। पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में लेकिन उन्हें ज्ञान रामनगर में प्राप्त हुआ। यही वह स्थल है जहां पार्श्वनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यही पर पार्श्वनाथ को भगवान की उपाधि मिली। यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा हरित पन्ने की है। विद्वानों का मत है कि यह प्रतिमा देव द्वारा स्थापित की गई है। रामनगर जैन मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य और पारंपरिक है। मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ हरितपन्ने की प्रतिमा विराजमान है, जिसकी मुद्रा अत्यंत शांत और ध्यानमग्न है। मंदिर की दीवारों पर जैन पुराणों के दृश्य, तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग और सूक्ष्म नक्काशी देखने योग्य हैं।

ईसाई धर्म की शांति — चर्च और उनके सामाजिक योगदान

बरेली का सीएनआई चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। 1838 में इटालियन डिजाइन से बना इस चर्च में अंग्रेज प्रार्थना करने आते थे। मुगल काल के समय जब रुहेलों और अंग्रेजों की लड़ाई हुई तब रुहेलों ने इसी चर्च पर आक्रमण कर इसे आग के हवाले कर कई अंग्रेजों को मौत के घाट उतारा था। उस समय लगभग 100 से ज्यादा अंग्रेज मारे गये थे। यहां के पुराने पादरियों की कब्र भी इसी चर्च के अंदर है। चर्च जलाने के बाद इसका फिर से पुनर्निर्माण किया गया। 1947 में देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों ने कुछ चर्च संस्थाएं भारतीयों के हाथ में दी गई। तब छह ग्रुपों को मिलाकर चर्च आफ नार्थ इंडिया संगठन बनाया गया और उसी के अधीन चलता रहा। फिर विवाद सामने आए तो 1960 से यहां प्रार्थना आराधना बंद हो गई। फिर एक बैपिस्ट चर्च ने सीएनआई चर्च को किराये पर लिया और 1989 से यहां फिर से अराधना और प्रार्थना होने लगी। इस चर्च के पहले पास्टर डा. विलियम सैमुअल बने। मौजूदा समय ऐतिहासिक चर्च के पादरी मेल्विन चार्ल्स हैं।

डा. सैमुअल बताते हैं कि यह चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। यह एतिहासिक है। इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। डा. विलियम ने बताया कि बरेली का जीरो प्वाइंट भी चर्च को ही माना गया है। कैंट में बिशप के पास स्टीफन चर्च है। बरेली का माइलेज यहीं से नापा जाता है। कुछ लोग कुतुबखाना को जीरो प्वाइंट मानते हैं लेकिन अंग्रेजों के समय का जीरो प्वाइंट सेंटस्टीफन चर्च है। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 19वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय के धार्मिक जीवन का केंद्र रहा है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विविधता का भी एक सुंदर प्रतीक है। अंग्रेजों द्वारा उत्तर भारत में मिशनरी गतिविधियों के विस्तार के साथ यह चर्च स्थापित हुआ।

इस चर्च की सबसे बड़ी विशेषता इसका वास्तुशिल्प है। गोथिक शैली में निर्मित यह भवन अपनी ऊँची मेहराबों, नुकीले आर्च, पत्थर की पारंपरिक दीवारों और रंगीन काँच की खिड़कियों के कारण दूर से ही पहचान में आ जाता है। चर्च के भीतर लगे स्टेन ग्लास पैनलों पर उत्कीर्ण बाइबिल की कथाएँ न केवल कलात्मक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभूति भी कराती हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह चर्च सदियों से ईसाई समाज का केंद्र रहा है, जहाँ क्रिसमस, गुड फ्राइडे और ईस्टर जैसे प्रमुख पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाए जाते हैं।

बरेली जैसे बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक शहर में सीएनआई चर्च सौहार्द और सह-अस्तित्व की खूबसूरत मिसाल है। अलखनाथ मंदिर, आला हज़रत दरगाह, जैन तीर्थ, प्राचीन गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह चर्च बरेली की विविध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। शहर के इतिहास, औपनिवेशिक वास्तुकला और धार्मिक सौहार्द का अध्ययन करने वाले पर्यटकों व शोधकर्ताओं के लिए यह चर्च विशेष आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ बरेली बदलता रहा, पर यह चर्च अपनी गरिमा, शांति और आध्यात्मिक महत्त्व के साथ आज भी उसी तरह खड़ा है। यह केवल ईसाई समुदाय का प्रतीक नहीं, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मृति का एक जीवंत अध्याय है।

धोपेश्वरनाथ

- पांडवकालीन यह मंदिर सिद्धपीठ मंदिर है। यहां द्रोपदी के गुरु धूम्र ऋषि ने तपस्या की। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव ने वरदान मांगने को कहा तो ऋषि ने जनता की मंगल कामना और कल्याण के लिए शिव से यहीं पर लिंग रूप में रहने का वरदान मांगा। वरदान स्वरूप शिव यहीं स्थापित हो गये। नाथ मंदिर में यह ऐसा मंदिर है जिसे अर्धनारीश्वर का रूप भी कहा जाता है। मंदिर के महंत घनश्याम जी बताते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में धोपा मंदिर को अर्धनारीश्वर का रूप भी माना जाता है। इसका प्रमाण आज भी प्रचलित है। इसी मंदिर में भादों माह में आखिरी के दो गुरुवार को मेला आज भी लगता है। यह मेला धोपा मइया के नाम से प्रचलित है। जब आवागमन के साधन नहीं थे तो लोग एक दिन पहले आकर रुकते थे लेकिन अब लोग गुरुवार को आकर धोपा के सरोवर में स्नान करते हैं इससे चर्म रोग ठीक होते हैं। इसके बाद यहां स्थित रायसती मठिया में प्रसाद चढ़ाते हैं। नाथ मंदिरों में यह धोपेश्वर नाथ भी प्रसिद्ध और सिद्ध मंदिर है। यह इशान कोण में स्थित है।

शहर में नाथ योगियों से लेकर सूफी संतों तक को एक साथ स्थान दिया। यही वजह है कि इसे आज भी नाथ नगरी कहा जाता है, तो वहीं "आला हजरत की नगरी" के रूप में भी इसकी पहचान है। दो नाम, दो परंपराएँ पर एक ही आत्मा, जो इंसानियत और आस्था को जोड़ती है। यहाँ की गलियाँ धर्मों के इतिहास की जीवंत गवाही देती हैं। अलखनाथ मंदिर के आसपास की गलियों में आज भी नागा साधुओं के डेरों की गंध आती है। त्रिवतीनाथ मंदिर की घंटियाँ उसी श्रद्धा से बजती हैं, जैसे सैकड़ों साल पहले बजती थीं। वहीं, नौमहला की पत्थर जड़ी गलियों से होकर गुजरने वाला हर शख्स आला हजरत की दरगाह की तरफ सिर झुकाए निकलता है। उस गली के कोनों पर बैठा कोई दुकानदार अगर "जय भोले" कह दे तो सामने वाला "सलाम वालेकुम" के साथ मुस्कुरा देता है यही है बरेली की पहचान। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1657 में मुगल शासन के दौरान बरेली को आधिकारिक रूप से बसाया गया। लेकिन इस नगर की आत्मा इससे भी पुरानी है। स्थानीय किंवदंतियाँ बताती हैं कि यह क्षेत्र "महा योगी गोरखनाथ" की तपोभूमि था, जहाँ से नाथ परंपरा का एक प्रमुख केंद्र विकसित हुआ। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायी आज भी बरेली को "उत्तर भारत की योग नगरी" कहते हैं। मुगल काल में जब सूफी संत हज़रत शाह शरीफ और फिर इमाम अहमद रज़ा खान आला हजरत इस भूमि पर आए, तो इस शहर में आध्यात्मिकता का एक नया स्वर जुड़ गया। उनके अदब, इल्म और इंसानियत ने न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि हर मजहब के लोगों के दिल में जगह बनाई। यही वह दौर था जब बरेली ने हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल पेश की, जो आज भी कायम है। बरेली के इतिहास की एक और खासियत है , यहाँ धर्म ने कभी राजनीति का रूप नहीं लिया। चाहे अंग्रेज़ों का दौर रहा हो या स्वतंत्रता संग्राम का समय, बरेली की धार्मिक संस्थाएँ हमेशा समाज के निर्माण में लगी रहीं। मंदिरों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाया, तो दरगाहों ने सामाजिक न्याय और बराबरी का संदेश दिया। यही कारण है कि यहाँ की मिट्टी हर इंसान को अपनाने का माद्दा रखती है।आज जब कोई यात्री बरेली जंक्शन पर उतरता है, तो उसके स्वागत में दो प्रतीक खड़े दिखाई देते हैं।

अल्लाह की याद और इंसानियत का पैग़ाम साथ

अगर कोई बरेली की आत्मा को महसूस करना चाहता है, तो उसे सिर्फ नाथ मंदिर ही नहीं, बल्कि नौमहला की गलियों तक भी जाना होगा। यह इलाका बरेली की तहज़ीब, आस्था और एकता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यहाँ हर दीवार सूफियों, मोहब्बत और इंसानियत की किसी कहानी को बयाँ करती है — बरेली में जैसे शिव के साधकों की परंपरा गहरी है, वैसे ही सूफी संतों की रूहानियत भी हर पत्थर में बसती है। और इसी रूहानियत की सबसे ऊँची चोटी पर है — आला हजरत की दरगाह।

आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान (1856–1921) न केवल बरेली के, बल्कि पूरे इस्लामी जगत के एक महान विद्वान और सूफी संत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, तर्क और करुणा से दुनिया को यह दिखाया कि धर्म का असली उद्देश्य नफरत नहीं, बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ना है। कहा जाता है कि आला हजरत ने बरेली की मिट्टी को अपनी कलम से अमर बना दिया। उन्होंने फतावा-ए-रज़विया जैसे ग्रंथों के माध्यम से इस्लामी दर्शन को एक नई दृष्टि दी। वे उस दौर में भी धार्मिक कट्टरता के विरोधी थे, जब समाज गुटों में बँट रहा था। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे धर्म के उपासक को तकलीफ़ देता है, तो वह खुद इस्लाम की शिक्षा के विरुद्ध जाता है। इसी सोच ने बरेली की पहचान धर्म से पहले इंसानियत की बनाई ।

उर्स-ए-रज़वी — आध्यात्मिक मेला और इंसानियत का उत्सव

हर साल रबी-उल-अव्वल महीने में मनाया जाने वाला "उर्स-ए-रज़वी" बरेली का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिनों तक दरगाह परिसर में आध्यात्मिक वातावरण रहता है। देश-विदेश से आए आलिम, मौलाना और सूफी यहाँ तकरीरें (विचार भाषण) देते हैं।

- दरगाह परिसर के बाहर लगने वाला मेला, जिसमें किताबें, इत्र, तस्बीह और सूफी संगीत की धुनें गूंजती हैं, वह श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं।
- हर साल लगभग दस लाख से अधिक लोग इस मौके पर बरेली पहुँचते हैं। रेलवे और नगर प्रशासन विशेष प्रबंध करते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान न सिर्फ मुस्लिम, बल्कि हिंदू, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी सेवा में शामिल होते हैं। नगर निगम की टीम से लेकर पुलिस कर्मियों तक सभी इसे "धार्मिक नहीं, मानवीय पर्व" की तरह मानते हैं। सूफी संगीत और रूहानी माहौल
- आला हजरत की दरगाह में शाम के वक्त जब कव्वाली शुरू होती है — "नज़र-ए-मदीना से मंज़र-ए-बरेली तक" तो लगता है जैसे आत्मा और संगीत एकाकार हो गए हों। सूफी गायकों की तान और दुआ की लय वातावरण को भक्ति में डूबो देती है।
- कई प्रसिद्ध कव्वालों जैसे मो. अफज़ल साबरी और शहनवाज़ खान — ने अपनी शुरुआत इसी दरगाह के उर्स मंच से की थी। आज भी दरगाह का कव्वाली मंच नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आला हजरत का संदेश "इंसानियत सबसे ऊपर"

आला हजरत का दर्शन यह था कि धर्म किसी दीवार का नहीं, बल्कि एक पुल का नाम है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सौ साल पहले थे। उन्होंने कहा था "जब तक किसी भूखे को खाना और किसी नंगे को कपड़ा नहीं मिलेगा, तब तक तुम्हारी नमाज़ें भी अधूरी हैं।" बरेली के लोग आज भी इस संदेश को जीते हैं। दरगाह के लंगर में रोज़ाना हज़ारों लोगों को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जाता है । यहाँ कोई यह नहीं पूछता कि कौन हिंदू है, कौन मुसलमान। सब एक ही कतार में बैठकर खाना खाते हैं, और यही इस शहर की असली ताकत है।

दरगाह आला हजरत : श्रद्धा और शांति का संगम

- दरगाह आला हजरत केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। हर साल उर्स-ए-रज़वी" के अवसर पर देश-विदेश से हजारों ज़ायरीन यहां आते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका तक से लोग चादर चढ़ाने आते हैं।
- दरगाह परिसर में प्रवेश करते ही जो सुकून महसूस होता है, वह शब्दों में नहीं बताया जा सकता। चारों ओर क़ुरआनी आयतें, गुलाब की खुशबू और या रज़ा की पुकार वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- यहाँ का मुख्य गुम्बद सफ़ेद संगमरमर का है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है —रज़ा का शहर बरेली, मुहब्बत की ज़मीन।
- आला हजरत की मज़ार के पास की जाने वाली "सलात-ओ-सलाम" (प्रार्थना) में जो विनम्रता दिखती है, वही इस दरगाह की आत्मा है।
- दरगाह के प्रमुख खादिम मौलाना फ़ैज़ान रज़ा बताते हैं —
- यहाँ हर आने वाला ज़ायरीन सबसे पहले 'सलाम' करता है और फिर दूसरों के लिए दुआ मांगता है। यही सूफियत का असली मतलब है — अपने लिए नहीं, सबके लिए भलाई मांगना।"
- नौमहला — तहज़ीब और एकता की गवाही देने वाला इलाका आला हजरत की दरगाह के आसपास का इलाका "नौमहला कहलाता है। यह नाम मुगलकालीन स्थापत्य से आया है। यहाँ नौ मंज़िलों वाले पुराने महलों के अवशेष कभी मौजूद थे। आज यह इलाका धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बरेली का हृदय बन चुका है।
- नौमहला की गलियाँ संकरी हैं, लेकिन दिल बहुत बड़े हैं। यहाँ दरगाह के ठीक सामने एक प्राचीन शिव मंदिर भी है, जिसके पुजारी हर साल उर्स के दौरान मुसलमानों को जल पिलाने का "सेवा स्टॉल लगाते हैं। वहीं, दरगाह की ओर से भी सावन में कांवड़ियों को पानी और नींबू-शरबत बाँटा जाता है। यह दृश्य बरेली की "गंगा-जमनी तहज़ीब" का जीवंत उदाहरण है।
- स्थानीय निवासी सलीम बताते हैं , हमारे यहाँ कोई दीवार नहीं जो बांट सके। उर्स में पंडितजी भी आते हैं, और सावन में मौलवी साहब भी कांवड़ियों को आशीर्वाद देते हैं।
- इसी सौहार्द की वजह से नौमहला सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतीक बन चुका है।

आध्यात्मिक व एकता की भूमि

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

बरेली: नाथ नगरी

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है

- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परपंरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवतीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर — जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है — नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं — जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन — सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरी, धर्मगिरी, बालकगिरी की समाधि भी मंदिर में ही है।

अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा–साधना का केंद्र रही है।मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है।इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

पशुपति नाथ मंदिर

- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित हैं। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं। परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है।यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621.33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध-नाथों, ऋषि-मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6.21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर-8.2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3.0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7.0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2.5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5.8 किलोमीटर

"त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरावाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरावाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। नाथ नगरी सर्किट की पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रत्येक नाथ मंदिर में इतनी सुविधाएं होंगी – प्रवेश मार्ग, आंतरिक सड़क विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट लाइटिंग, साइनेज, कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूनिर्माण, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।

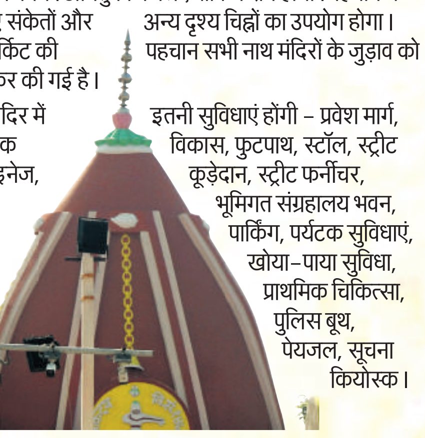

"अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

सिख धर्म की सेवा और भक्ति

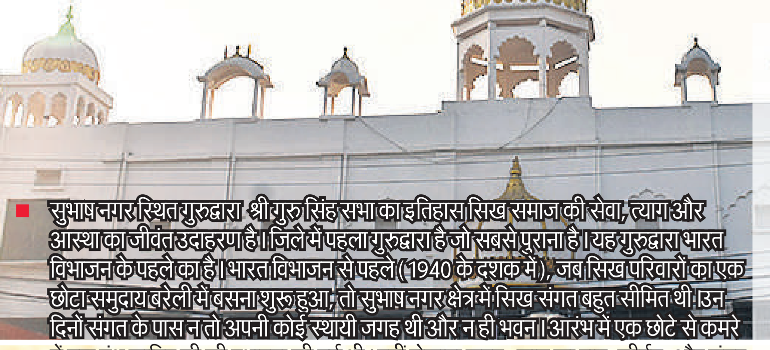

- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी। उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950–60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।

गुरूद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरूविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरूद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरूद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरूद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरूद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरूद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरूनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरूद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरूद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

www.amritvichar.com

अमृत विचार

कानपुर महानगर

कानपुर, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

सुविचार

जब कभी भी आप एक कदम आगे बढ़ाते हैं, आप किसी न किसी को डिस्टर्ब करते हैं।

-इंदिरा गांधी पूर्व प्रधानमंत्री

कानपुर के प्रमुख समाचार

- ब्रह्मनगर के पास तीसरा बड़ा गड्ढा, आफत में जनता II
- सीबिल की तर्ज पर उद्यमियों ने मांगी ग्रेडिंग प्रणाली III
- साइंस रैंकिंग में सीएसजेएमयू की एंट्री IV

आज का मौसम

आने वाले दिनों में ऊंचे बादलों के साथ धुंध होने की संभावना है।

28.4°	10.4°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 34	सूर्यास्त 05 : 18

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

बहन की शादी को एकलौता राहुल रहता था घर से दूर

मेहनत कर चारों युवाओं ने सुधारी थी परिवार की दशा, कमरे में अंगीठी जलाकर सोने से मौत, गांव में मचा कोहराम

मौत की अंगीठी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में जल्द काम खत्म होने की बात कह चारों दोस्तों ने जल्द घर आने की बात कही थी। एक-दो दिन में ही परिजनों को उनके लौटने का इंतजार था। गुरुवार सुबह जब चार की मौत की खबर गांव पहुंची तो देवरिया के तवकलपुर गांव में कोहराम मच गया। घर-परिवार की दशा सुधारने के लिए गांव छोड़ने वाले युवाओं की मौत से चीख-पुकार मच गई। किसी ने एकलौता चिराग खोया तो किसी ने परिवार ने अपना होनहार।

तवकलपुर गांव निवासी रवींद्र कुमार किसी काम के सिलसिले में बुधवार को कानपुर आए थे। पनकी में गांव के चार युवाओं की मौत की खबर पाकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। रवींद्र ने बताया कि 23 वर्षीय राहुल सिंह अपने परिवार का एकलौता था। पिता लल्लन खेती के साथ मजदूरी करते हैं। एक बहन शादीशुदा है, दूसरी को अच्छा परिवार मिले इसके लिए वह मेहनत कर रहा था। उसने मां नर्बदा से कहा था कि कंपनी का काम जल्द होने पर गांव आएगा। गुरुवार को जब गांव में चार मौतों की खबर पहुंची तो कोहराम मच गया। पूरे गांव में मातम ऐसा माहौल है। वहीं 22 वर्षीय संजू सिंह के पिता फतेह बहादुर खेती करते हैं। परिवार में छोटा भाई सूरज और मां गुड्डी हैं। घर की आर्थिक हालत सुधारने के लिए संजू दिनरात मेहनत कर रहा था। किसान असीम का 25 वर्षीय बेटा दाऊद भी करीब एक साल से घर से दूर था। दो बहनों की शादी, भाई को कोई कारोबार कराने के लिए पसीना बहा रहा था। चारों दोस्तों में अकेला अमित बर्नवाल ही शादीशुदा था। परिवार में पिता अयोध्या, मां कुसुमलता, पत्नी काजत और दो बच्चे हैं। जिसमें तीन साल का बेटा अंश व छह माह की बेटी है। चार भाइयों में वह तीसरे नंबर का था। परिवार के लोग शहर के लिए निकल चुके हैं।

कमरे में रखी अंगीठी में बची राख और कोयले के टुकड़े। अमृत विचार

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर। अमृत विचार

इसी कमरे में सोये थे चारों दोस्त।

अमित की शुक्रवार को जिम्बाब्वे के लिए थी फ्लाइट

■ **कानपुर।** अमित परिजनों को अच्छा जीवन देने के लिए काफी संघर्ष कर रहा था। अकेला घर से दूर रहकर दिन-रात काम करता, अब विदेश जाकर अपनों का जीवन संवारना चाहता था। गुरुवार सुबह उसके दिल्ली के लिए निकलना था, जहां से उसकी जिम्बाब्वे के लिए फ्लाईट थी। लेकिन उसे पहले होनी को कुछ और ही बदा था। सफर से पहले ही उसकी सांसे थम गईं। देवरिया के तवकलपुर निवासी मजदूर अयोध्या बर्नवाल का 30 वर्षीय बेटा अमित बेल्डिंग कारीगर था। मौसेरे भाई प्रवीन ने बताया कि अमित बड़े भाई अरुण ने पनकी स्थित कंपनी में ठेका लिया था। बीते 13 माह से सभी काम कर रहे थे। अब फैक्ट्री का काम लगभग पूरा था। जल्द ही कंपनी की शुरूआत होने वाली थी। शुक्रवार को काम के सिलसिले में अमित को दिल्ली से जिम्बाब्वे के लिए निकलना था। गुरुवार सुबह ही उसे दिल्ली के लिए निकलना था। जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला था तो दूसरे कमरे में सोए साथी उसे जगाने गए। इसी बीच घटना का पता चला। प्रवीन के अनुसार इससे पहले भी अमित केन्या, साउथ अफ्रीका आदि देशों में अपने भाई के साथ जा चुका था। काम के सिलसिले में वह कई देशों में गया। कुशल कारीगर होने के कारण उसकी डिमांड ज्यादा थी।

दम घुटने से हुई मौत, साथी गांव ले गए शव

■ **कानपुर।** हादसे में मृत चारों दोस्तों का गुरुवार शाम को पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम प्रक्रिया में दम घुटने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। फिलहाल बिसरा सुरक्षित किया गया है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सभी मृतक एक ही गांव के थे। जिसकी वजह से उनके साथी चारों शवों को पोस्टमार्टम के बाद गांव ले गए।

वेंटीलेशन के अभाव में मौत होने की आशंका

■ फैक्ट्री के गेट बाई ओर लगभग 6/6 के लगातार कोठरी नुमा चार अस्थाई कमरे बने हैं। इन कमरों में फिक्स ग्लास रोशनदान तो है, लेकिन वेंटीलेशन के लिए खिड़की आदि की कोई व्यवस्था नहीं है। इसी के चलते जलते कोयले से निकलने वाली जहरीली कार्बन मोनो डाइऑक्साइड गैस दरवाजा बंद होने के बाद कमरे में भर गई। जिसके चलते चारों की दम घुटने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है।

बॉयलर टेस्टिंग के लिए आया था कोयला

■ प्लांट में वर्तमान समय में लगभग 20 से 22 कर्मचारी काम कर रहे थे। जिसमें ज्यादातर जनपद बलिया के ही रहने वाले हैं। नाम गुप्त रखने की बात पर एक कर्मचारी ने बताया कि बॉयलर टेस्टिंग के लिए प्लांट में आया कोयला केमिकल युक्त अत्यंत ज्वलनशील है। ज्यादातर कर्मचारी अधिक ठंड महसूस होने पर आज तपने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। लेकिन चारों युवकों ने जलता हुआ इस कमरे में रख लिया। जो उनके लिए जानलेवा साबित हुआ।

गांव के लड़कों को काम के लिए लाया था ठेकेदार

■ इंदौर की फर्म आदित्य इंटरप्राइजेज का ठेकेदार अरुण बर्नवाल मृतक युवकों के गांव का ही निवासी है। जिसने निर्माणाधीन प्लांट के लिए जरूरतमंद कर्मचारियों को अपने ही गांव से लाकर काम पर लगाया था।

फोरेंसिक की टीम ने जुटाए साक्ष्य

■ मौके पर पहुंची फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल वाले कमरे का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने मृतकों के मोबाइल की जांच, कमरे में रखें समान, दरवाजे की टूटी शटकनी व ग्लास फिक्स रोशनदान की तस्वीरें ली। साथ ही टीम ने आग वाले तसले में पड़े अधजले कोयले के टुकड़े का सैंपल एकत्रित किया है।

युवक की दिनदहाड़े हत्या में आजीवन कारावास

कानपुर। चकेरी में युवक की ईंट से कुचलकर हत्या वाले को एडीजे-14 की कोर्ट ने दोषी करार देते हुए आजीवन कैद की सजा सुनाई है। दोषी ने गाली देने पर चकेरी के बांकेलाल पुरम मैदान में दिनदहाड़े वारदात की थी। उसे भागता देखकर लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा था।

कोयलानगर निवासी देशचंद्र ने 30 अक्टूबर 2016 को चकेरी में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया था कि शाम करीब पौने पांच बजे अपने घर से निकले तो देखा कि एक युवक हाथ में ईंट लेकर किसी के चेहरे पर ईंट से वार कर रहा था। इस पर उन्होंने शोर मचाया तो लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। शोर सुनकर युवक भागने लगा, इस पर उसे दौड़ा कर पकड़ लिया। घायल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रतापगढ़ पड़वसी के अजगरा गांव निवासी सूरज शुक्ला बताया। मृतक की तलाशी के दौरान उसके जेब से एक आधार कार्ड मिला, जिसमें उसका नाम भदोही, अतरौली निवासी पुतान सिंह लिखा था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दोनों बांकेलालपुरम मैदान में बैठे थे। जहां पुतान सिंह गाली-गलौज कर रहा था। जिससे नाराज होकर उसने हत्या की। मामला एडीजे-14 की कोर्ट में ट्रायल पर था। एडीजीसी शिव भगवान गोस्वामी ने बताया कि अभियोजन की ओर से नौ गवाह कोर्ट में पेश किए गए। घटना के प्रत्यक्षदर्शी वादी देशचंद्र की गवाही अहम साबित हुई। कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास व 25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

सिटी ब्रीफ

मतदाता सघन पुनरीक्षण अभियान की बैठक

कानपुर। नवीन मार्केट में गुरुवार को मतदाता सघन पुनरीक्षण अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने की। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल भी बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रकाश पाल ने कहसा कि आगामी चुनाव की दृष्टि से प्रत्येक बूथ पर नियमित रूप से सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि "मतदाता सूची में एक भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए। इसके लिए बूथ स्तर पर निरंतर प्रवास और समीक्षा अत्यंत आवश्यक है।

तान्या व भाव्या को मिला पहला स्थान

कानपुर। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की कानपुर स्थित सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल द्वारा बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (बीओएस), ऑपरेशनस, आईसीएआई की ओर से प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय परिषद सदस्य, सीआईआरसी सीए अंकुर गोयल ने प्रतिभागियों को इस मंच को आत्मविकास के लिए एक सुनहरा अवसर बताया। पोइट्री प्रतियोगता में प्रथम स्थान तान्या ललवानी व दूसरा स्थान स्पर्श गुप्ता को प्राप्त हुआ। एक्सटेंपोर प्रतियोगिता (भाषण) में प्रथम स्थान पर भव्या मिश्रा एवं दूसरे स्थान पर ऐशानी त्रिपाठी रही। प्रतियोगिता का मूल्यांकन चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सीए भूमिका शास्त्री, सीए आकाश फरसैया व सीए मानसी दुबे ने किया।

1500 परीक्षार्थी रहे गैरहाजिर

कानपुर। सीएसजेएमयू की सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में कुल 56,897 परीक्षार्थी उपस्थित रहें। जिसमें 30,197 छात्र व 26,700 छात्रायें थीं। 1500 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। जिसमें 791 छात्र व 2291 छात्रायें थीं। विश्वविद्यालय परीक्षा सातों जनपदों में हुईं। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए पर्यवेक्षक की भी नियुक्ति की गई थी। जिनके द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित रहकर परीक्षायें सम्पन्न कराई गई।

स्टोर में लपटें उठती रहीं। अमृत विचार

दमकल कर्मियों ने आग बुझाई। अमृत विचार

फजलगंज में कंस्ट्रक्शन स्टोर में भीषण आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फजलगंज स्थित कंस्ट्रक्शन स्टोर में गुरुवार को शार्ट सर्किट से आग लग गई। स्टोर में रखे सामान में लपटें पकड़ते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने ठेकेदार, पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियों को जानकारी दी। मौके पर पहुंची 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि तिलक नगर, एमराल्ड गार्डन निवासी विकास अग्रवाल कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। उनका फजलगंज इंड्रस्ट्रियल एरिया में स्टोर है, जिसमें कंस्ट्रक्शन की सामग्री रखी जाती है। बुधवार दोपहर करीब एक बजे स्टोर में शार्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही देर में स्टोर में रखे ऑयल, प्लाई को आग ने अपनी जद में ले लिया। जिससे स्टोर से कुछ ही देर में ऊंची-ऊंची आग की लपटें निकलने लगीं। लपटें आसपास की दुकानों में पहुंचने से हड़कंप मच गया। इलाकाई दुकानदारों ने आग की विकास अग्रवाल व फजलगंज पुलिस को जानकारी दी। सूचना फजलगंज, लाटूश रोड, कर्नलगंज फायर स्टेशन से 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट से आग लगने की जानकारी हुई है। जांच की जा रही है।

पूरा स्टोर जलकर राख हो गया। अमृत विचार

सड़क पर लटकते तार ने छात्र को मारा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्कूटी के पहिए में फंसा इंटरनेट का लटकता तार दसवीं के छात्र की मौत
- स्कूटी से उछलकर सड़क पर गिरा छात्र, सिर पर आई थीं गंभीर चोटें

अमृत विचार। रतनलालनगर में गुरुवार देर शाम कोचिंग से लौटते दसवीं के छात्र की स्कूटी में सड़क पर लटकीं इंटरनेट की टूटी केबिल उलझ गईं। जिससे अनियंत्रित स्कूटी घिसट गई। बिना हेलमेट छात्र भी उछलकर सड़क पर जा गिरा। सिर पर गंभीर चोटें आईं। पीछे आए दोस्तों ने कोचिंग शिक्षक को हादसे की खबर दी। मौके पर पहुंचे शिक्षकों ने परिजनों और पुलिस को जानकारी दी। परिजन उसे समीप के अस्पताल फिर हैलट ले गए। जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया।

साकार।

इसी तार ने ली जान। अमृत विचार

गोविंदनगर के 11 ब्लॉक निवासी जतिन उर्फ चौधरी की दादानगर में कचरी और चिप्स की फैक्ट्री है। परिवार में पत्नी सोनम, बड़ा बेटा सार्थक और छोटा साकार था। सार्थक रतनलाल नगर स्थित द चिंटल्स स्कूल में दसवीं का छात्र था। वहीं साकार उसी स्कूल में कक्षा चार में पढ़ता है। परिजनों के अनुसार सार्थक रतनलाल नगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने अमन इंद्रा क्लासेज में स्कूटी से शाम चार से छह बजे तक कोचिंग पढ़ने जाता था। गुरुवार शाम को कोचिंग में छुट्टी होने पर लौटते समय हादसा हो गया। कोचिंग में छुट्टी के बाद बर्रा की ओर गया था। वह स्कूटी से था, जबकि अन्य दोस्त अपनी बाइक से उसके पीछे चल रहे थे। दोस्तों के अनुसार जैना पैलेस के पीछे वाली में सड़क पर एक पेड़ में टूटी हुई इंटरनेट की केबिल लटक रही थी। वहां से गुजरने के दौरान केबिल से स्कूटी का पहिया फंस गया और सार्थक ने स्कूट से नियंत्रण खो दिया। वह उछल कर सिर के बल सड़क पर जा गिरा, स्कूटी भी घिसट गई। गिरते ही उसके सिर में कंकरीट के टुकड़े धंस गए। लहुलुहान हालत में देखकर दोस्तों के होश उड़ गए। राहगीरों से उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए मदद मांगी। इस बीच एक छात्र ने कोचिंग शिक्षक अमन खट्टर को हादसे की सूचना दी। वह मौके पर पहुंचे और छात्र की मां सोनम को घटना की जानकारी दी। अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन सिर पर आई गंभीर चोटों के कारण बचाया नहीं जा सका।

23 को आएंगे बीएल संतोष अभियानों की करेंगे समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दोपहर 2 बजे, भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय, नौबस्ता में होगी बैठक

अमृत विचार। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल. संतोष अब 23 नवंबर को शहर में रहेंगे। उनके कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रवास के दौरान वह क्षेत्र के सभी 17 जिलों के जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, जिला प्रवासियों, सांसदों, विधायकों एवं अन्य प्रमुख पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक करेंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने गुरुवार को क्षेत्रीय कार्यालय नौबस्ता में तैयारी बैठक की। जिसमें बीएल. संतोष के प्रस्तावित आगमन व बैठक की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई।

बीएल संतोष।

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बताया कि बैठक में यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी 17 जिलों से अपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहें, ताकि अभियान समीक्षा और आगामी रणनीतियों पर प्रभावी मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। प्रकाश पाल ने कहा कि बीएल संतोष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती पर चल रहा विशेष अभियान, वंदे मातरम गान के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जारी जन-जागरण अभियान, मतदाता सघन पुनरीक्षण अभियान की विस्तृत समीक्षा करेंगे। भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि यह महत्वपूर्ण बैठक दोपहर 2 बजे, भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय, नौबस्ता में होगी। बैठक के लिए क्षेत्रीय कार्यालय एवं आस-पास का पूरा परिसर में विशेष साज-सज्जा की जाएगी। भाजपा के झंडों, बैनरों और स्वागत संदेशों से परिसर को सजाया जा रहा है।

बैठक को सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न विभागों एवं पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

मुंह में नवजात का शव दबाए दौड़ा कुत्ता

कानपुर। हनुमंत विहार में गुरुवार को कुत्तों को नवजात का शव लेकर भागते देखा तो हड़कंप मच गया। लोगों ने डंडे व पत्थर चलाकर कुत्तों को भगाया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस शव फेंकने वाले की तलाश में सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

बसंत विहार निवासी सपा युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अर्पित त्रिवेदी ने बताया कि गुरुवार सुबह वह क्षेत्रीय लोगों के साथ घर के बाहर खड़े थे। तभी एक कुत्ता नवजात का शव मुंह में दबाकर आता दिखा। उन लोगों ने उसे भगाने के लिए दौड़ाया तो वह फ्रेंडस पार्क में घुस गया शोर मचाने पर वह शव छोड़कर भाग निकला। पत्थर चलाने पर कुत्ता भागा। नवजात के पैरों में ऊनी मोजे थे और वह डायपर पहने था। पार्क में ही नवजात के हाथ का पंजा भी मिला है।

अभियान | नगर निगम ने साउथ एक्स मॉल स्थित 48 क्वार्टर में चलाया अतिक्रमण अभियान

जोन 3 के नए कार्यालय के लिए हटाया अतिक्रमण

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। किदवई नगर में प्रस्तावित जोनल कार्यालय के निर्माण को आखिरकार गति मिलने लगी है। लंबे समय से अटका काम अतिक्रमण हटने के बाद अब आगे बढ़ सकेगा। गुरुवार को नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर पक्के और अस्थायी दोनों तरह के अतिक्रमण को हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी मौजूद रहा।

किदवई नगर स्थित जलकल जोन तीन कार्यालय परिसर में 11.16 करोड़ रुपये की लागत से चार मंजिला आधुनिक भवन बनाया जाना है। इस भवन में नगर निगम, जलकल और स्वास्थ्य विभाग के दफ्तर एक ही छत के नीचे संचालित होंगे, ताकि दक्षिण क्षेत्र के लोगों को सभी सुविधाएं एक स्थान पर मिल सकें। निर्माण कार्य शुरू करने के लिए बैराज से जलकल कार्यालय तक आने वाली मुख्य पानी की लाइन को स्थानांतरित किया जाना जरूरी है, लेकिन परिसर के बाहर फैला अतिक्रमण इस कार्य में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ था। गुरुवार को दोपहर में बुलडोजर ने एक दर्जन से अधिक पक्के और कच्चे निर्माण तोड़ दिए। अब अतिक्रमण हटने के बाद पानी की लाइन शिफ्टिंग का कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि भवन निर्माण शुरू होते ही दक्षिणी क्षेत्र की प्रशासनिक सुविधाओं में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

बारा सिरोही में केडीए ने कब्जा हटाया। अमृत विचार

बारासिरोही में अवैध निर्माण गिराया

■ **कानपुर।** बारासिरोही में गुरुवार को केडीए ने करीब 5 हजार वर्गमीटर जमीन पर हुए निर्माण को गिरा दिया। आराजी संख्या 1134, 1135, 1741 के अंश भाग पर बाउंड्रीवाल का अवैध निर्माणकर्ताओं ने कर लिया था। यह भूमि ग्राम समाज की थी। विशेष कार्याधिकारी भूमि बैंक जोन 2 ने बताया कि खाली कराई गई भूमि का बाजारी मूल्य लगभग 10 .40 करोड़ रुपये है।

सिटी ब्रीफ

ट्रेन की चपेट में आकर फैक्ट्री कर्मी की मौत

कानपुर। महाराजपुर में क्रासिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर फैक्ट्री कर्मी की मौत हो गई। हादसे की खबर पाकर परिवार में कोहराम मच गया। चकेरी के घाऊखेड़ा निवासी 45 वर्षीय राजू कठेरिया महाराजपुर स्थित बिस्किट फैक्ट्री में काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी रजनी, दो बेटे सोनू व मोनू है। भांजे शनि ने बताया कि कई माह से परिवार के साथ अपनी ससुराल महाराजपुर के गंगागंज में रह रहे थे। बुधवार रात को वह फैक्ट्री से घर लौट रहे थे। शार्टकट के चक्कर में गंगागंज क्रासिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर उनकी मौत हो गई।

रेस्टोरेंट संचालक के नाम लिया 10 हजार लोन

कानपुर। साइबर ठग ने फर्जी दस्तावेज से रेस्टोरेंट संचालक के नाम पर 10 हजार का लोन ले लिया। क्रेडिट सिबिल स्कोर देखते समय पीड़ित को घटना की जानकारी हुई तो मामले की शिकायत नवाबगंज पुलिस से की। विकासनगर मार्केट स्थित रेस्टोरेंट संचालक पंकज सिंह के अनुसार बीती सात अगस्त को वह अपना क्रेडिट सिबिल स्कोर देख रहे थे। इस दौरान उन्हें जानकारी हुई कि उनके नाम पर हाइवलूप कैपिटल प्रालि कंपनी से 10 हजार रुपये का लोन लिया गया है। जब उन्होंने कंपनी को ईमेल भेजकर जानकारी की। तब पता चला कि लोन रिवॉल्विंग क्रेडिट फैसलिटी के तहत 21 जुलाई 2022 को स्वीकृत हुआ था। लोन के दौरान उनके पैन नंबर और केवाईसी के दस्तावेजों को दुरुपयोग कर लोन लिया गया है। आरोपी ने जिस मोबाइल नंबर को लोन में दर्शाया है। वह उनका नहीं है। नवाबगंज थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध हालात में पल्लेदार की मौत

कानपुर। गोविंदनगर में पल्लेदार की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मूलरूप से बिहार के जिला शिवहर निवासी 40 वर्षीय लक्ष्मण शाह चादर फैक्ट्री में पल्लेदार थे। परिवार में पत्नी सीता, बेटा राज और बेटी रोशनी व प्राची हैं। चचेरे भाई सुरेंद्र शाह ने बताया कि वह गोविंदनगर कच्ची बस्ती में शांति देवी के मकान में रहता था। छट पूजा पर उसकी पत्नी बच्चों के साथ गांव गई थी। तबसे वह अकेले था। शांति देवी ने बताया कि लक्ष्मण शराब के लती था। सोमवार को लक्ष्मण की तबीयत खराब थी। मंगलवार दोपहर वह पेट में दर्द होने और उल्टी होने की बात कह रहा था। जिस पर उन्होंने दवा दिलाई। मंगलवार शाम को उसकी मौत हो चुकी थी।

पर्स लेकर भागने वाला ऑटो चालक गिरफ्तार

कानपुर। गोविंदनगर पुलिस ने शनिवार को ऑटो में बैठी युवतियों का मोबाइल और पर्स लेकर भागने वाले चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बाबूपुरवा के मुंशीपुरवा का रहने वाला अंकित साहू है। आरोपी की निशानदेही पर ऑटो और मोबाइल व 2180 रुपये पुलिस ने बरामद किए हैं। चौबेपुर के कजरिया गांव निवासी अनुष्का ने बताया कि वह मार्केटिंग कंपनी में नौकरी करतीं हैं। शनिवार रात कायमगंज से लौटने पर देर हो जाने पर नौबस्ता के मछरिया निवासी सहकर्मी युवती के घर पर जाने का प्लान बनाया था। 250 रुपये में ऑटो बुक कराया।

ईदगाह से पहले सड़क धंस गई। अमृत विचार

ब्रह्म नगर में सड़क 5 महीने से धंसी हुई है। अमृत विचार

ब्रह्मनगर के पास तीसरा बड़ा गड्ढा, आफत में जनता

ब्रह्म नगर चौराहे से लेकर ईदगाह तक तीन बड़े गड्ढे बने राहगीरों के लिए नासूर, चौराहे और नवयुग ढाल पर पहले से गड्ढे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अब ईदगाह से पहले बड़े एरिया में सड़क बैठ गई

अमृत विचार। 80 फीट रोड पर राहगीरों की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। ब्रह्मनगर चौराहा के पास और इसके आगे नवयुग हास्पिटल के सामने हुआ गड्ढा अभी ठीक नहीं हो पाया है कि गुरुवार को ब्रह्मनगर चौराहा से ईदगाह जाने वाला रास्ता सुबह गहरा गड्ढा हो गया। यहां आधी सड़क बैठ गयी है। रास्ता बंद हो गया। जलकल और नगर निगम की टीम ने पहुंचकर देखा तो पाया कि चार इंच की पाइप लाइन में लीकेज के कारण सड़क धंस गयी है।

ईदगाह से और ब्रह्मनगर जाने वाले लोगों को रोकने के लिए दोनों तरफ बेरिकेड्स लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया। इसके चलते हर्षनगर और ब्रह्मनगर की तरफ जाम लग गया।

जलकल की टीम ने लीकेज ठीक करना शुरू कर दिया। देर रात तक लीकेज ठीक करके गड्ढा भर दिया जाएगा। क्षेत्र में पानी का संकट रहा। क्षेत्रीय पार्षद आलोक पांडेय ने बताया कि सुबह आधी सड़क धंस गयी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर जलकल व नगर निगम के दोनों विभागों के अभियंताओं को बुलाया।

जलकल के अवर अभियंता राकेश सिंह ने बताया कि चार इंच लाइन में लीकेज हो गयी है। कई दिनों से लीकेज होगा अंदर-अंदर जमीन धंसती रही। गुरुवार को सड़क धंस गयी और गड्ढा हो गया। लीकेज ठीक करने का कार्य सुबह से ही शुरू कर दिया गया है। देर रात तक लीकेज ठीक करने के साथ ही रास्ता भी मोटरेबल कर दिया जाएगा। नगर निगम द्वारा मलबा भेजा जा रहा है।

बता दें कि पिछले 6 महीने से स्थानीय लोग खोदाई का दर्द झेल रहे हैं। पहले नवयुक के पास गड्ढा हुआ और फिर पूरा ब्रह्मनगर चौराहा की डॉट नाला धंसने से बैठ गया और अब एक और जगह सड़क धंसने से स्थानीय लोगों के साथ राहगीर परेशान हो गए। यहां गड्ढों में ही लोकर एरिया का सीवर भी भर रहा है।

नवयुग अस्पताल के सामने गड्ढा। अमृत विचार

ननिहाल जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

कानपुर। महाराजपुर में तेज गति वाहन ने बाइक सवार युवक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। युवक बाइक समेत करीब 20 मीटर तक घिसटा और डिवाइडर से टकराकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक फतेहपुर ननिहाल जा रहा था। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस वाहन और चालक का पता लगा रही है।

सुशील।

कानपुर देहात के शिवली औगी निवासी मनोज कुमार केवट खेती-किसानी करते हैं। उनका 20 वर्षीय बेटा सुशील बुधवार शाम बाइक से फतेहपुर ननिहाल जाने के लिए घर से निकला था। पिता ने बताया कि रात करीब 10 बजे वह महाराजपुर क्षेत्र स्थित कुलगांव मोड़ पर पहुंचा था, तभी पीछे से आए तेज गति किसी वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। वाहन की टक्कर से सुशील करीब 20 मीटर दूर तक घिसटता गया और डिवाइडर से टकराकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों से हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को खबर दी। पिता के अनुसार छह भाइयों में सुशील पांचवें नंबर पर था। हादसे की खबर पर मां राजकुमारी, भाइयों विनोद, कल्लू भूरा, महेश व रोहित में कोहराम मच गया। पुलिस के अनुसार वाहन के बारे में पता किया जा रहा है।

सड़क पर लगा जाम। अमृत विचार

सड़क तक लगीं दुकानें। अमृत विचार

ऑनलाइन हुई शिकायत तो बनाया प्लान

- अतिक्रमण को लेकर लगातार लोग शिकायत कर रहे हैं। आईजीआरएस पोर्टल पर तेजी से शिकायतें बढ़ी हैं। जिसके बाद नगर निगम ने शिकायतों के आधार पर अतिक्रमण हटाने का प्लान बनाया है। इसके लिए संबंधित थानाक्षेत्रों को पत्र भेजकर फोर्स भी मांगी गई है।

सावधान! आ रहा बुलडोजर, हटा लो अतिक्रमण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर निगम ने शहर के एक दर्जन स्थानों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को किया चिह्नित
- अभियान को चलाने की डेट और समय भी तय, अब थाने की होगी अहम भूमिका

अमृत विचार। शहर में अतिक्रमणकारियों से जनता के साथ नगर निगम के आला अधिकारी भी परेशान हैं। नगर निगम एक तरफ अतिक्रमण हटाकर जाता है, दूसरी ओर फिर से अवैध रूप से सड़क, फुटपाथ और चौराहों पर दुकानें सज जाती हैं। शहर के घने इलाकों के साथ ही अब अतिक्रमणकारियों का दायरा नए क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ रहा है। नगर निगम ने ऐसे ही एक दर्जन से अधिक स्थानों को चयनित कर अतिक्रमण ढहाने का रोड मैप तैयार कर लिया है। इसके लिए पुलिस से भी मदद मांगी गई है। तय दिन और समय पर बुलडोजर अतिक्रमण हटाएगा।

शहर के मुख्य बाजार गुमटी नं 5, गोविंद नगर चावला मार्केट, करही, शिवाला के साथ ही नए स्थानों पनकी, शताब्दी नगर, रतनपुर समेत आउटर क्षेत्रों में भी अतिक्रमण बढ़ रहा है। यहां पक्की दुकानों के सामने फुटपाथ को बेचा जा रहा है। मुख्य सड़कों, बाजारों, फुटपाथ के साथ ही पार्कों के पास भी तेजी से कब्जे बढ़े हैं। पनकी गंगागंज रामलीला मैदान के पास कबाड़ियों ने कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही रतनपुर केसा चौराहे के पास सड़क पूरी तरह से कब्जे हैं। कारगिल पेट्रोल पंप के पीछे, भन्नापुरवा, अंबेडकर नगर गुजैनी और फजलगंज चौराहे के पास भी अतिक्रमण बढ़ा है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार कई दुकानदार तो इसलिए अभियान से नहीं डरते क्योंकि उन्हें मालूम रहता है कि पुलिस के सहयोग से फिर से दुकानें संचालित होने लगेंगी।

सड़क तक लगीं फर्नीचर की दुकानें। अमृत विचार

नगर निगम ने अभियान का रुट मैप किया तैयार

अतिक्रमण का स्थान	इन दिन चलेगा अभियान	फोर्स मांगी
भन्नानापुरवा	22 नवंबर	फजलगंज
कारगिल पेट्रोल पंप के पीछे	24 नवंबर	बर्रा
फजलगंज चौराहे के पास	27 नवंबर	फजलगंज
अंबेडकर नगर मेन रोड	28 नवंबर	गुजैनी
पनकी गंगागंज रामलीला मैदान	29 नवंबर	पनकी
रतनपुर केसा चौराहे के पास	26 नवंबर	पनकी

"शहर में अतिक्रमण बड़ी समस्या है। नगर निगम अतिक्रमण हटाता है। लेकिन वहां फिर से अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी संबंधित थाने की है। पुलिस को अपनी जिम्मेदारी भी निभानी पड़ेगी।

–प्रमिला पांडेय, महापौर

दामाद की पिटाई से ससुर की गई जान, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ससुर पर पांच बार कर चुका था हमला, लोहे की राड मारकर तोड़ दिया था हाथ
- पत्नी को भगा दिया था मायके अचानक ससुराल पहुंचकर उसकी भी करता पिटाई

अमृत विचार। चकेरी में सिरफिरे दामाद ने घात लगाकर बुजुर्ग ससुर पर लोहे की राड से हमला कर मरणासन्न कर दिया। चीख-पुकार पर दौड़े लोगों को आता देखकर भाग निकला। परिजनों ने बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी दामाद, उसके भाई और मां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दामाद को गिरफ्तार कर लिया है।

राकेश अवस्थी।

सनिगवां स्थित कांशीराम कालोनी निवासी 65 वर्षीय राकेश अवस्थी की पान-मसाला की गुमटी है। परिवार में पत्नी शीला, बेटा राहुल हैं। शादीशुद बेटी नेहा में भी मायके में ही रहती है। राहुल ने बताया कि 2017 में नेहा की शादी चिश्तीनगर के मोनू पांडेय से हुई थी। शादी के एक माह बाद पता चला कि वह नशेबाज हैं। शराब पीकर बहन से आएदिन मारपीट करता था।

शादी के बाद एक साल भी बहन ससुराल में नहीं रही, उसने प्रताड़ित कर मायके भगा दिया था। उसकी हरकतों से परेशान होकर पिता ने उसके खिलाफ दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी, जिससे पिता से खुन्नस मानने लगा था। मोनू ने 2018 से अब तक पिता पर करीब पांच बार जानलेवा हमला किया। दो बार राह चलते सिर पर ईंट मारी। बीच-बीच में अचानक घर पहुंचकर बहन को पीटकर भाग जाता था। बीती 17 नवंबर को पिता गुमटी पर बैठे थे, तभी घात लगाकर लोहे की राड से हमला किया। राड से पीटकर पिता का हाथ तोड़ दिया। लोगों दौड़ाया तो जान की धमकी देकर भाग निकला। सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को खबर दी और पिता को कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उर्सला फिर कार्डियोलॉजी रेफर किया गया। राहुल के अनुसार पिता के सीने पर लात मारने से आंतरिक चोटें आई थी। कार्डियोलॉजी में इलाज के दौरान 19 नवंबर को उनकी मौत हो गई। राहुल ने बताया कि मोनू, उसका भाई आशू और मां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी पुलिस के अनुसार तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

जैना पैलेस में इमारत तोड़ दी गई। अमृत विचार

जैना पैलेस में बुलडोजर लगाकर तोड़-फोड़ की

कानपुर। पॉश एरिया रतनलाल नगर में 1995 में बने मल्टी स्टोरी बिल्डिंग जैना पैलेस में गुरुवार को बुलडोजर लगाकर तोड़-फोड़ की गई। जैना पैलेस और केडीए के बीच दशकों से मुकदमेबाजी चल रही है और मामला अब भी कोर्ट में है। ऐसे में यहां फ्लैट-दुकानें लेने वालों ने तोड़-फोड़ की कार्रवाई को कब्जे की साजिश बताया है। मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के फ्लैट मालिकों को बिना बताए उनके फ्लैटों पर बुलडोजर चला दिया गया और फ्लैट मालिकों को कोई जानकारी नहीं दी गई है। फ्लैट मालिकों का कहना है कि केडीए द्वारा भी कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। 1995 से जमा उनके पैसों का कोई हिसाब नहीं बताया जा रहा। उन्होंने बिल्डर और भूमाफिया पर कब्जे की कोशिश का आरोप लगाकर पुलिस से शिकायत की है।

समस्या | शहर में 400 से अधिक पार्कों का बुरा हाल, गंदगी, मलबा, आवारा पशु बढ़ा रहे मुसीबत

अपने पार्क बदहाल, गोद दिए वापस लेंगे तो कैसे संभालेंगे

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम के 60 फीसदी से अधिक पार्क बदहाल हैं। कुछ पार्कों में विकास हुए लेकिन देखभाल न होने की वजह से फिर से खस्ताहाल हो गए। अब गोद दिए 100 पार्कों को भी वापस लेने की तैयारी है, लेकिन ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि जब विभाग के पास जो पार्क है वह संभल नहीं रहे तो गोद दिए पार्कों को वापस लिया गया तो उनकी देखभाल विभाग कैसे करेगा। अभी शहर के कई पार्कों में गंदगी, मलबा, आवारा पशु मुसीबत बढ़ा रहे हैं। यहां तक कई पार्कों में तो कूड़ा तक जमा किया जा रहा है।

इसी वर्ष के पांचवे महीने मई में नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में फैसला हुआ है कि शहर में विभिन्न संस्थाओं को गोद दिये गये पार्कों को नगर निगम वापस लेगा। सदन से प्रस्ताव पास होने के बाद से ही वापस लेने की प्रक्रिया नगर निगम के अधिकारियों ने जोनवार शुरू कर दी है। गोद लेने के नाम पर कुछ लोग पार्कों में गेस्ट हाउस चला रहे हैं, वहीं कुछ स्कूल वालों ने पाठशाला व पार्किंग खोल दी। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। नगर निगम ने लगभग 100 पार्क अलग-अलग संस्थाओं को गोद दिये हैं। शहर में अलग-अलग क्षेत्रों में छोटे-बड़े 790 पार्क है।

जुही गढ़ा स्थित शहीद श्रमिक पार्क में पड़ी गंदगी व मलबा। अमृत विचार

"नगर निगम अपने पार्कों को संभाल रहा है। जो खराब पार्कों की जानकारी मेरे पास आ रही है, यदि वह पार्क नगर निगम के हैं तो वहां नियमानुसार विकास किया जायेगा।

–अर्पित उपाध्याय, नगर आयुक्त

790 लगभग पार्क हैं पूरे शहर में | **316** पार्क पूरी तरह से किए विकसित | **474** से ज्यादा पार्क पड़े हैं बदहाल

ये पार्क बढ़ा रहे खूबसूरती

- नानाराव पार्क
- तुलसी उपवन पार्क
- कारगिल पार्क
- कमला नेहरू पार्क
- केशव वाटिका पार्क
- लेनिन पार्क
- राजीव वाटिका
- निराला नगर रामजानकी मंदिर पार्क
- साकेत नगर पार्क
- साकेत नगर डंप के पीछे पार्क
- शास्त्री नगर बड़ा सेंटर पार्क

नगर निगम व श्रम विभाग के ये पार्क भी बदहाल

जूही लाल कॉलोनी का शैलक माता पार्क, सेंटर पार्क, सफेद कॉलोनी का लोहे वाला पार्क, काकादेव में अंबेडकर पार्क आदि।

श्रमिकों की शहादत का गवाह पार्क बदहाल

- जुही गढ़ा स्थित शहीद श्रमिक पार्क का इतिहास श्रमिकों की शहादत से जुड़ा है। यहां 13 श्रमिकों का शहीद स्तंभ है। मौजूदा समय में नगर निगम का यह पार्क अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है, पूरे पार्क में जगह जगह मलबा और कूड़े के ढ़ेर महामारी को दस्तक देती गंदगी मुंह चिढ़ा रही। अवैध पशुशाला और अवैध वाहन स्टैंड ने पार्क का स्वरूप ही नहीं रहने दिया है। लोगों ने अपने घरों के दरवाजे पार्क के अंदर खोल दिए हैं। पार्क में गेट तक नहीं है। यहां की पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने बताया कि नगर निगम को सारी जानकारी दी लेकिन कोई सुनवाई नहीं है।

नगर निगम स्कूल के पार्क की हालत खराब

- पार्षद नवीन पंडित ने बताया कि गोविंद नगर में नगर निगम का गांधी स्मारक इंटर कॉलेज है। यहां पीछे बड़ा पार्क है। लेकिन, ध्यान न देने की वजह से पार्क की हालत खराब है। पार्क में गंदगी के साथ ही रात होते ही आराजक तत्वों का जमावड़ा लगता है। आवारा पशु पार्क में गंदगी बढ़ा रहे हैं। यह पार्क न ही स्कूली बच्चों के काम आ रहा है और न ही क्षेत्र के काम आ रहा है। पार्षद ने बताया कि नये नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय को समस्या से अवगत कराया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि पार्क में हरियाली के साथ ही ओपेन जिम व अन्य सुविधाएं कराएंगे। पार्षद नीरज कुरील ने बताया कि क्षेत्र में एक मात्र तिकुनिया पार्क है जिसकी हालत खराब है। पार्क में न लाइट है, बाउंड्रीवाल टूटी है। कोई ग्रीनरी नहीं है। रावतपुर, काकादेव, मसवानपुर समेत दूर दूर से लोग आते हैं। नगर निगम कोई सुनवाई नहीं कर रहा है।

सिटी ब्रीफ

ग्रो म्यूचुअल फंड का नया सेंटर

कानपुर। ग्रो म्यूचुअल फंड ने कानपुर में अपने नए व्यावसायिक केंद्र की शुरुआत की है। जिससे फंड हाउस की उत्तर प्रदेश और व्यापक स्तर पर उत्तर भारत क्षेत्र में निवेशकों और वितरण भागीदारों के प्रति प्रतिबद्धता और दृढ़ होगी। यह शाखा छठी मंजिल, कान चेंबर्स सिविल लाइंस में शुरू हुई है। कंपनी के सीईओ वरुण गुप्ता ने बताया कि शहर का देश के कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में लगभग 0.6 फीसदी का योगदान है और कुल एयूएम में योगदान देने वाले शहरों में लगभग 14वें स्थान पर है। नया व्यावसायिक केंद्र स्थानीय सेवा, समय पर परिचालन सहायता और वितरकों एवं निवेशकों के साथ गहरा जुड़ाव प्रदान कर ग्रो म्यूचुअल फंड को इस भारी संभावना वाले बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में मदद करेगा।

पेयजल लाइनों का कनेक्शन जुड़ना शुरू

कानपुर। जुही बंबुरहिया में जलकल ने खोदाई कर पेयजल लाइन को जोड़ने का कार्य गुरुवार को शुरू कर दिया। इससे पहले बुधवार को महाप्रबंधक जलकल एके त्रिपाठी ने क्षेत्र का निरीक्षण कर पार्षद को आश्वासन दिया था कि अधूरी पड़ी पेयजल लाइनों को जोड़कर जल्द पाइप लाइन द्वारा पानी की सप्लाई शुरू की जाएगी। पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने बताया कि पाइप लाइन शुरू हुई तो पानी की समस्या कुछ कम होगी।

चुनाव प्रचार की समय सीमा समाप्त

कानपुर। आयुध उपस्कर निर्माणी फूलबाग कानपुर में 22 नवम्बर होने कार्यसमिति और कैंटीन प्रबंधन समिति चुनाव को लेकर गुरुवार को चुनाव प्रचार की समयसीमा समाप्त हो गई। अंतिम दिन किला मजदूर यूनियन ने अपनी सहयोगी द्रविड़ डिफेंस वर्कर्स यूनियन के साथ निर्माणी के पूर्वी द्वार पर गेट मीटिंग आयोजित की। किला मजदूर यूनियन के पूर्व अध्यक्ष अरविंद ने 22 नवम्बर को गुलाब के फूल पर मोहर लगाने की अपील की। अनिल कुमार, उपाध्यक्ष नरेश तिवारी, महामंत्री समीर बाजपेई, नीरज सिंह, सियाराम आदि रहे।

बीच चौराहे मारपीट

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र रामगोपाल चौराहे में बनी बर्रा 8 पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर बीच चौराहे पर दो गुटों में मार पीट हुई। दो गुटों में पांच रुपये को लेकर बीच चौराहे मारपीट से हंगामा मच गया। दोनों गुटों में जमकर लात-घूंसे चले।

समाजसेवी संस्था ने वस्त्र बांटे। अमृत विचार

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बांटे वस्त्र

कानपुर। वूमेन एम्पावरमेंट वेलफेयर सोसायटी द्वारा वालहीपुर चौबेपुर में वस्त्र वितरण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को वस्त्र वितरित किए गए। संस्थान की संस्थापिका डॉ. प्रतिभा मिश्रा ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल वस्त्र वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। जब समाज के लोग एक-दूसरे की मदद करने में आगे आते हैं, तभी वास्तविक सशक्तिकरण संभव होता है। हम भविष्य में भी ऐसे कार्यों को और बड़े स्तर पर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम में सरला, रानू, विनिता, रुचि, ज्योति, अपर्णा, तान्या, ज़ैद, अभय और साधना ने सहयोग दिया।

सीबिल की तर्ज पर उद्यमियों ने मांगी ग्रेडिंग प्रणाली

कानपुर। एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्यमियों ने जीएसटी विभाग से 'ग्रेडिंग सेस्टम' लागू किए जाने की मांग की है। उद्यमियों का मानना है कि इससे खरीदारों को राहत मिल सकेगी। इस तरह की कोई व्यवस्था न होने से उन लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। जीएसटी ग्रेडिंग लागू होने से उद्यमियों को जीएसटी से संबंधित काफी मामलों से राहत भी मिल सकेगी। इसके अलावा विभाग को भी इससे लाभ हासिल होगा।

उद्यमियों का कहना है कि कई बार लेनदेन के बाद खरीदार जीएसटी की देय की जद में आ जाता है। ऐसे में यदि डीलर की ग्रेडिंग शुरू हो जाए तो खरीदार भी ग्रेडिंग को देखकर अच्छे डीलर से ही खरीदारी कर सकेगा। इससे विभाग के पास भी जीएसटी का भुगतान न करने वाले डीलरों को पहचानना आसान हो सकेगा। उद्यमियों ने कहा कि इस एक सिस्टम को लागू करने से जीएसटी संबंधी काफी मामलों का हल आसानी से हो सकेगा।

" कारोबार में पारदर्शिता का होना बहुत जरूरी है। जिस तरह से सीबिल लोन लेने वालों की पहचान करता है ठीक उसी तरह से जीएसटी के लिए भी एक सिस्टम होना चाहिए। इससे खरीदार को काफी सहूलियत होगी। विभाग को भी इस सिस्टम का लाभ होगा। कई तरह के मामले पनपने ही बंद हो जाएंगे।

-हरेंद्र मूरजानी, प्रदेश उपाध्यक्ष लघु उद्योग भारती

" जीएसटी को ही नहीं ग्रेडिंग सिस्टम आम खरीदार को भी राहत दिलाने के काम आएगा। सबसे अधिक परेशानी नए राज्य में डीलर की पहचान करनी होती है। यदि इस तरह का कोई सिस्टम शुरू हो जाए तो पूरे देश में खरीदारी करने वाले भ्रम की स्थिति से दूर होंगे। उन्हें जल्द गुडविल का पता चल जाएगा।

-अमन घई, प्रदेश सचिव, लघु उद्योग भारती

" डीलर की ओर से कई बार जीएसटी का भुगतान न करने से उसका भार खरीदार पर आने लगता है। इस पर खरीदार की ओर से जीएसटी अधिकारियों के साथ लंबी जद्दोजहद करनी होती है। ग्रेडिंग से इन सब मुसीबतों से उद्यमियों को लाभ होगा। वह अपना ध्यान कारोबार पर लगा सकेगा।

-संदीप अवस्थी, अध्यक्ष, कानपुर इकाई

" उद्यमियों को राहत देने के लिए जीएसटी विभाग की ओर से कई सहूलियत उद्यमयों को देनी होंगी। उनमें एक ग्रेडिंग सिस्टम भी है। यदि यह सिस्टम विभाग की ओर से शुरू हो जाता है तो जीएसटी के अधिकारियों और उद्यमियों दोनो को ही राहत मिल सकेगी। काफी हद तक जीएसटी की परेशानियों से छुटकारा मिलेगा।

-लाडली प्रसाद, संरक्षक

" ग्रेडिंग सिस्टम से कई तरह की पेंचीदिगियां कारोबार से दूर हो सकेंगी। कारोबार करना थोड़ा आसान हो जाएगा। हाईटेक दुनिया में कुछ ही समय में यह पता चलेगा कि किससे माल खरीदना है और किससे माल नहीं खरीदना है। जीएसटी इन सबका आधार बनेगा तो भरोसा भी बढ़ेगा। ग्रेडिंग गिरने के डर की वजह से लोग ईमानदारी से टैक्स देंगे।

-अनुराग मालवीय, मंडल अध्यक्ष लघु उद्योग भारती

18 थाना क्षेत्रों में क्रिटिकल कॉरिडोर टीम

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, इंजीनियरिंग सुधार और प्रवर्तन सख्ती पर जोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में हुई। इसमें दुर्घटनाओं को रोकने एवं हादसों में होने वाली मृत्यु को कम करने के संबंध में चर्चा की गई। डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने बताया कि अधिक सड़क दुर्घटना वाले 18 थाना क्षेत्रों में क्रिटिकल कॉरिडोर टीम का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में एक एसआई और चार सिपाही रहेंगे।

जनपद में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में 60 प्रतिशत इन्हीं 18 थाना क्षेत्र अंतर्गत होती हैं। इन टीमों का प्रशिक्षण कराया जा चुका है। ये टीमें फर्स्ट एड चिकित्सा, दुर्घटना से संबंधित जांच, फोरेंसिक सबूत एकत्र करने एवं विवेचना संबंधी कार्य करेगी तथा दोषी को सजा दिलाएंगी।

सेव लाइफ फाउंडेशन और मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे द्वारा वर्ष 2023 में जनपद के सड़क हादसों का व्यापक अध्ययन किया गया। उस रिपोर्ट में जनपद के 264 क्रिटिकल क्रैश लोकेशंस चिन्हित किए गए, जहां 500 मीटर के दायरे में दो से अधिक मृत्यु हुई। ये क्रैश लोकेशंस सड़क हादसों में होने वाली 72 प्रतिशत मृत्यु के जिम्मेदार हैं।

इनमें से अधिकांश लोकेशंस एनएच-19, एनएच-34, स्टेट हाईवे-46 और स्टेट हाईवे-68 पर स्थित हैं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने एनएच के परियोजना निदेशक तथा पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि इन मार्गों पर व्यापक स्तर पर इंजीनियरिंग कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा कि चिन्हित स्थलों पर आवश्यकतानुसार क्रिटिकल कॉरिडोर की रोड मार्किंग, अनधिकृत कट बंद करना, स्पीड ब्रेकर, रोड की बनावट में सुधार, रंबल स्ट्रिप्स, चेतावनी बोर्ड, सीसीटीवी कैमरे, साइन एज, क्रैश बैरियर से संबंधित कार्य कराए जाएं। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार, अधिशाषी अभियंता अनूप मिश्रा, एआरटीओ उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

हेल्पलाइन नंबर पर करें फोन

- राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता के लिए नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया का हेल्पलाइन नंबर 1033 या 108 डायल कर मदद पहुंचाई जा सकती है। 1033 नंबर डायल करते ही हाईवे पर एंबुलेंस, क्रेन और वाहन तीनों पहुंचते हैं और आवश्यकतानुसार घायल का सहयोग करते हैं।

60 प्रतिशत हादसे इन्हीं 18 थाना क्षेत्रों में होते

264 क्रैश लोकेशन चिन्हित किए गए हैं

72 प्रतिशत मृत्यु के जिम्मेदार क्रैश लोकेशन

सड़क किनारे न खड़े हों हैवी वाहन

- जिलाधिकारी ने कहा कि मौसम में बदलाव के साथ शीत ऋतु का प्रारंभ हो गया है। कोहरे के दृष्टिगत यातायात में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी हैवी व्हीकल कोहरे की स्थिति में बीच सड़क पर खड़ा न हो। ट्रक-ट्रैक्टर व अन्य हैवी व्हीकल पर रिफ्लेक्टर टेप प्रत्येक दशा में लगना सुनिश्चित किया जाए।

घायलों की मदद कर बनें राहवीर, पाएं इनाम

- डीएम ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को राहवीर योजनान्तर्गत 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। डीएम ने नागरिकों से सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाने की अपील की, जिससे उनकी जान बचाई जा सके। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति किसी घायल को अस्पताल में पहुंचाएगा उसे किसी प्रकार से परेशान नहीं किया जाएगा। उसे अस्पताल द्वारा अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर इत्यादि बताने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। न ही उससे इलाज के संबंध में किसी प्रकार की धनराशि की मांग की जाएगी। घायल व्यक्ति का संबंधित अस्पताल में ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर द्वारा तत्काल इलाज शुरू किया जाएगा।

प्रगति रिपोर्ट देखते भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह। अमृत विचार

अपने प्रभार वाले बूथों पर नियमित प्रवास करें

अमृत विचार। भाजपा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के माध्यम से बूथ स्तर पर अपने जनाधार को और अधिक मजबूत बनाने तथा बूथों पर सक्रियता एवं संगठनात्मक संरचना को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए अपने सभी बूथों पर प्रदेश, क्षेत्रीय, जिला पदाधिकारियों के अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को बूथ प्रवासी बनाकर बूथों पर उतार दिया है। सभी नेताओं को एक एक बूथ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन नेताओं को अपने निवास वाले शक्तिकेंद्र के अलावा किसी दूसरे शक्तिकेंद्र के बूथ पर प्रवासी बनाया गया है। गुरुवार को भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने छावनी विधानसभा के श्यामनगर मंडल के कई बूथों पर प्रवास कर स्थलीय प्रगति रिपोर्ट देखी। शिवराम सिंह ने कहा कि बीएलए वन, बीएलए टू और बूथ प्रवासी तीनों आपसी तालमेल बनाकर बूथ अध्यक्ष के साथ घर घर पहुंचने की रणनीति तैयार करें। संपर्क, संवाद, सत्यापन कर जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। पार्टी कार्यकर्ता मतदाता पुनरीक्षण अभियान एसआईआर में गणना प्रपत्र भरने में लोगों के मददगार बने। कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रह जाए। किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी ने जूही मंडल के कई बूथों पर प्रवास कर एसआईआर अभियान की समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

कल्याणपुर और आर्यनगर में निकली एकता यात्रा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर और आर्यनगर विधानसभा की ओर से गुरुवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती पर एकता यात्रा निकली। भाजपा विधायक नीलिमा कटियार और एमएलसी सलिल विश्नोई की ओर से अपने-अपने क्षेत्रों में पदयात्रा निकाली गई जिसका जगह-जगह स्वागत हुआ। यात्रा में बच्चों और भाजपा नेताओं ने हिस्सा लिया इसके बाद सभा का भी आयोजन हुआ।

आर्य नगर विधान में एमएलसी सलिल विश्नोई के नेतृत्व में निकली एकता यात्रा सरस्वती शिशु मन्दिर, जीएनके इण्टर कालेज से प्रारम्भ होकर शिवाला, कमला टावर, नयागंज, भूसाटोली, घण्टाघर होते हुए धनकुट्टी में समाप्त हुई। यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में कन्नौज के पूर्व भाजपा सांसद सुब्रत पाठक, उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित साथ चल रहे थे। यात्रा में मण्डल अध्यक्षों, पार्षदों सहित भारी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। यात्रा के संयोजक नवाब सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा रहे। मार्ग में जगह-जगह लोगों द्वारा यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया गया। इसी तरह कल्याणपुर की यात्रा में, विधायक नीलिमा कटियार, उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित और व्यापारी नेता मुकुंद मिश्रा, अशोक सिंह दद्दा के साथ बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा लेकर चलते रहे। यहां एनसीसी के छात्रों ने ड्रम की प्रस्तुति देकर लोगों का अभिवादन किया।

एकता यात्रा में तिरंगा लेकर चले भाजपाई। अमृत विचार

हर नारी लक्ष्मीबाई की महानता समझे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विश्व हिन्दू परिषद मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी ने गुरुवार को बाल भवन में वीरांगना लक्ष्मीबाई की जयंती मनाई। अध्यक्षता करते हुए वंदना निगम ने कहा कि आज भी वीरांगना लक्ष्मीबाई का नाम आते ही महिलाओ में एक अलग शक्ति की अनुभूति होती है। महिलाओं को रानी लक्ष्मीबाई ही नहीं अपने सभी वीरांगनाओं के विषय में सीखना चाहिए। डॉ. साधना यादव ने लक्ष्मीबाई, मनु और छबीली के जीवन के बारे में बताया, कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता और उनका विजन और उनके साहस को पूरे देश में माना जाता है। कानपुर में बिठूर में आज भी उसकी गूंजे आप जा के महशूस कर सकते है। कहा कि हर नारी को अपने अंदर के लक्ष्मीबाई को समझना होगा। तापसी चक्रवर्ती ने कहा कि लक्ष्मीबाई कैसे बने इसकी जानकारी के लिए किताबों तक पहुंचना होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत सत्संग प्रमुख अर्चना, जिला संयोजिका मातृशक्ति शीलू शुक्ला, जिला संयोजिका दुर्गा वाहिनी आयुषी, सह संयोजिकाएं माधुरी, रजनी, शशि, शिखा, जिला अध्यक्ष सुशील गुप्ता, जिला मंत्री युवराज द्विवेदी, हर्षित, अनुराग श्रीवास्तव आदि रहे।

गोष्ठी को संबोधित करतीं वक्ता। अमृत विचार

जरा ध्यान दें जापान के बॉन्ड मार्केट में जारी उथल-पुथल के बीच आई चेतावनी

सेबी की चेतावनी : बॉन्ड में निवेश को लेकर सतर्क रहें निवेशक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बॉन्ड में बढ़ती दिलचस्पी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के तेज विस्तार के बीच बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को अनरजिस्टर्ड ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स से सावधान रहने की सलाह दी है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शहर के निवेशकों का बॉन्ड में करीब 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश होने का अनुमान है। बैंक एफडी के मुकाबले बेहतर ब्याज दरों के कारण आकर्षित होते हैं निवेशक।

बॉन्ड मार्केट में पिछले कई वर्षों में कानपुर समेत उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, नोएडा गाज़ियाबाद, प्रयागराज, आगरा, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, झांसी, मुरादाबाद, अलीगढ़ में रिटेल निवेश तेजी से बढ़ा है। बावजूद इसी के साथ गैर-पंजीकृत प्लेटफॉर्म्स की संख्या भी बढ़ रही है, जो निवेशकों के लिए बड़ा जोखिम बनते जा रहे हैं। शेयर बाजार विशेषज्ञ राजीव सिंह ने बताया कि बॉन्ड एक तरह का ऋण या कर्ज होता है, जिसमें जारीकर्ता (सरकार या कंपनी) निवेशकों से एक निश्चित अवधि के लिए पैसा उधार लेती है। निवेशकों को इसके बदले में एक निश्चित ब्याज दर (कूपन) और परिपक्वता तिथि पर रकम वापस मिलता है। यह शेयर और म्यूच्यूअल फण्ड के विपरीत एक सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि यह एक निश्चित आय प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि बाज़ार नियामक सेबी ने निवेशकों को सतर्क करते हुए उन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ चेतावनी जारी की है, जो बिना पंजीकरण के बॉन्ड ट्रेडिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। सर्कुलर में कहा गया है कि कई फिनटेक कंपनियां और कुछ स्टॉक ब्रोकर ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफ़ॉर्म प्रदता की तरह काम कर रहे हैं, जबकि इनके पास स्टॉक एक्सचेंज से अनिवार्य पंजीकरण नहीं है।

226.3 ट्रिलियन रुपये था भारत का बॉन्ड मार्केट

250 लाख करोड़ हो सकता मौजूदा समय में यह आंकड़ा

05 हजार करोड़ रुपये निवेश शहर के निवेशकों का

10 वर्षों में 25 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़ा

- **शहर के निवेशकों के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष 5 हजार करोड़ रुपये निवेश**

देश में बॉन्ड का बाजार

- भारत का बॉन्ड मार्केट, जिसमें सरकारी सिक्योरिटीज, स्टेट डेवलपमेंट लोन और कॉर्पोरेट बॉन्ड शामिल हैं, दिसंबर 2024 तक लगभग 226.3 ट्रिलियन रुपये था। मौजूदा समय में यह आंकड़ा करीब 250 लाख करोड़ का हो सकता है। भारत का बॉन्ड बाजार 10 वर्षों में 25 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़ा है। निजी क्षेत्र के बॉन्ड जारी करने में भी तेज़ी आई है।

बढ़ सकता जोखिम

- निवेशकों को सर्कुलर में बताया गया है कि ऐसे अनरजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म किसी भी नियामक निगरानी में नहीं आते, न ही इनके पास निवेशक सुरक्षा या शिकायत निवारण का कोई तंत्र मौजूद है। इससे निवेशकों के धन पर जोखिम बढ़ जाता है और विवाद की स्थिति में उन्हें कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती। सेबी ने यह भी कहा है कि इन प्लेटफॉर्म्स की गतिविधियां कंपनीज़ ऐक्ट 2013, सेबी ऐक्ट 1992 और संबंधित विनियमों का उल्लंघन कर सकती हैं। नियामक इससे पहले 18 नवंबर 2024 को कुछ संस्थाओं के खिलाफ अंतरिम आदेश भी जारी कर चुका है।

पंजीकरण होना जरूरी

- एनएसई पर 28 वहीं बीएसई पर 33 कंपनियां के ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफ़ॉर्म प्रदाता रूप में रजिस्टर्ड हैं। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी प्लेटफॉर्म पर बॉन्ड निवेश करने से पहले उसकी पंजीकरण स्थिति की पुष्टि करें और सिर्फ सेबी रजिस्टर्ड ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफ़ॉर्म प्रदाता (ओबीपीपी) पर ही लेनदेन करें। इसके लिए सेबी ने अपने सर्कुलर में तीन लिंक भी साझा किए हैं।
- सेबी वेबसाइट : https://www.sebi.gov.in/online-bond-platform-providers.html
- एनएसई वेबसाइट : https://www.nseindia.com/trade/members-compliance
- बीएसई वेबसाइट : https://www.bseindia.com/downloads1/OBP_MEMBER_LIST.zip

तेजी से बढ़ी संख्या

- बढ़ती लोकप्रियता के बीच अनरजिस्टर्ड संस्थाओं की संख्या भी बढ़ी, जिससे निवेशक जोखिम अधिक गहरा हुआ। बॉन्ड बाजार में डिजिटल ट्रांजैक्शन बढ़ने के साथ ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफ़ॉर्म प्रदाता की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, लेकिन सेबी की यह सख्ती निवेशकों की सुरक्षा और बाजार की पारदर्शिता के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफ़ॉर्म प्रदाता चुनते समय सेबी पंजीकरण की जांच करना अब अनिवार्य होना चाहिए यह वैसा ही है जैसे बैंकिंग में आरबीआई लाइसेंस की पुष्टि।

प्रतिभागियों को भी चेतावनी

- सर्कुलर में बाजार के सभी प्रतिभागियों को निर्देश दिए गए हैं कि ओबीपीपी जैसी कोई भी सेवा शुरू करने से पहले वे लागू नियमों का पूर्ण अनुपालन करें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

सिटी ब्रीफ

सीएसजेएमयू में पैनल टॉक का आयोजन

कानपुर। सीएसजेएमयू में गुरुवार को पूर्व छात्रों ने पैनल टॉक की। इस दौरान संयोजक एवं निदेशक एलुमनाई डॉ सिधांशु राय ने कहा कि एक नए स्वरूप के तहत एलुमनाई एसोसिएशन का गठन हुआ है। जिसमें विश्वविद्यालय के विजन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कमेटी बनी है। जो डिस्टिंग्विश एलुमनाई अवार्ड, मैगजीन, जॉब फेयर, सामाजिक कार्य, प्लेसमेंट, काउंसलिंग, इंटरनेशनल रिलेशंस, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर खोलने के तहत कार्य करेंगी।

युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। सीएसजेएमयू में गुरुवार को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में विश्व टेलीविजन दिवस के उपलब्छ में प्रश्नोत्तरी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन विभाग के लेक्चर हॉल में किया गया । जिसमें क्विज प्रतियोगिता में अविगत रामाभ और पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता में कौशल किशोर त्रिपाठी ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में स्नातक और परास्नातक के 60 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग किया। विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी ने कहा कि पोस्टर मेकिंग व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से छात्र छात्राओं की कौशल व रचनात्मकता की वृद्धि होती है। इसके साथ ही मनोबल भी बड़ता है। विभाग सदैव ऐसी प्रतियोगिता के लिए तत्पर है। प्रतियोगिता में शिक्षक डॉ. जितेंद्र डबराल, डॉ. योगेंद्र पांडे, डॉ. रश्मि गौतम, डॉ. ओम शंकर गुप्ता, डॉ. हरिओम कुमार, सागर कनौजिया तथा प्रेम किशोर शुक्ला मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता हुई

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी विभाग में गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान हुई क्विज प्रतियोगिता में एमबीबीएस पैरा एस 2 के छात्रों ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध जागरूकता पर सवालों के उत्तर दिए। इस मौके पर बताया गया कि साफ-सफाई रखकर और उचित खानपान से कई रोगों से बचा जा सकता है। क्विज का मुख्य उद्देश्य छात्रों को एएमआर के बारे में शिक्षित करना और उन्हे इस 'मूक महामारी' से निपटने के लिए कारवाई करने के लिए प्रेरित करना रहा। यह कार्यकम पेट्रन डीन एवं प्रधानाचार्य डॉ. संजय काला ने नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस दौरान उप-प्रधानाचार्य डॉ. रिचा गिरि व प्रमुख अधीक्षक डॉ. आरके सिंह लाला लाजपत राय का भी सहयोग रहा। कार्यक्रम का संवालन डॉ. मधु यादव ने किया।

टीएचई इंटरडिसिप्लिनरी साइंस रैंकिंग में सीएसजेएमयू की एंट्री

501-600 वैश्विक बैंड में हासिल किया स्थान, पहली बार मौजूदगी दर्ज कराई विवि ने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय ने टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) इंटरडिसिप्लिनरी साइंस रैंकिंग्स-2026 में पहली बार स्थान प्राप्त किया है। पहली एंट्री में ही विश्वविद्यालय ने 501-600 वैश्विक बैंड में अपनी जगह बनाकर अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला सीएसजेएमयू प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान पर रहा है।

टीएचई और श्मिट साइंस फेलोज की ओर से विकसित आईएसआर रैंकिंग विश्वभर के विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करती है। यह मूल्यांकन इस आधार पर होता है कि वे बहु-विषयक वैज्ञानिक अनुसंधान में किस स्तर की उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हैं। यह रैंकिंग उन संस्थानों को विशेष महत्त्व देती है जो विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों की अवधारणाओं, तकनीकों और दृष्टिकोणों को एकीकृत कर जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी शोध कार्य करते हैं। कठोर मूल्यांकन मानदंडों के कारण आईएसआर को विश्व की सबसे प्रतिष्ठित और भरोसेमंद रैंकिंग्स में गिना जाता है। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि इंटरडिसिप्लिनरी शोध नवाचार को गति देने के साथ-साथ वैश्विक चुनौतियों के समाधान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने और एक सक्षम वैज्ञानिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही वजह है कि इस रैंकिंग में स्थान प्राप्त करना किसी भी विश्वविद्यालय की शोध क्षमता, शैक्षणिक व्यवस्था और नवाचार-उन्मुख दृष्टि का सशक्त सूचक माना जाता है।

इससे पहले कई रैंकिंग हासिल कीं

- सीएसजेएमयू को इससे पहले भी कई वैश्विक रैंकिंग हासिल हो चुकी है। इनमें राष्ट्रीय रैंकिंग में एनआईआरएफ रैंकिंग 2025 फार्मेसी श्रेणी में 101-125 रैंक रही है। इसी तरह विश्वविद्यालय रैंकिंग में क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग 2026 में विश्व स्तर पर 1251-1300 बैंड में रैंक, एशिया में 464वीं रैंक और भारत में 56वीं रैंक भी विश्वविद्याल को हासिल हो चुकी है। इसी तरह क्यूएस एशिया रैंकिंग्स रैंक बैंड में कुल 1529 में से 901-950 हासिल हो चुकी है। उधर दक्षिण एशिया रैंक में 297 शामिल रही है।

शोध को मिलेगा बढ़ावा

- इस उपलब्धि के हासिल होने के बाद माना जा रहा है कि सीएसजेएमयू में शोध कार्य को और अधिक बढ़ावा मिल सकेगा। विश्वविद्यालय की विकसित होती शोध पारिस्थितिकी, मजबूत शैक्षणिक ढांचे और बहु-विषयक सहयोग आधारित दृष्टिकोण को और गति प्रदान करेगी। इसके साथ ही इससे विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान सुदृढ़ होगी व अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों, उत्कृष्ट शोधार्थियों और उन्नत शोध वित्तपोषण के नए अवसर खुलेंगे।

- सीएसजेएमयू की सफलता, विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के दूरदर्शी मार्गदर्शन का परिणाम है। यह उपलब्धि बहु-विषयक शोध संस्कृति, वैश्विक मानकों के अनुरूप अनुसंधान प्रतिबद्धता और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली शैक्षणिक नीति का प्रमाण है।

– प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति

इंस्ट्राग्राम पर दोस्ती, प्रेमजाल में फंसा दुष्कर्म

कानपुर। इंस्ट्राग्राम पर दोस्ती हुई और युवती को प्रेमजाल में फंसाया। शादी का झांसा देकर युवती को होटल ले गया। जहां कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। युवती की अश्लील वीडियो और फोटो भी बना ली। बाद में वायरल करने की धमकी देकर युवती का शोषण करता रहा। पीड़िता ने जब शादी का दबाव बनाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू की है।

मामला हरवंश मोहाल थानाक्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार एक साल पहले युवती की दोस्ती इंस्ट्राग्राम के जरिए प्रशांत नामक युवक से हुई थी। दोस्ती बढ़ने पर युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया। फिर शादी का झांसा देकर उसे मिलने के लिए बुलाया। आरोप है कि बहाने से उसे एक होटल ले गया, जहां कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। मौका पाकर वहीं युवती की अश्लील फोटो व वीडियो बना ली। जिसे वायरल करने की धमकी देकर आरोपी युवती का शारीरिक शोषण करने लगा। पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया तो बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी।

बैठक को संबोधित करते सीएमओ।

डायरिया से बचाव के लिए सफाई रखें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने को लेकर जिले में एक कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरि दत्त नेमी ने की। कहा गया कि डायरिया से सुरक्षा के लिए सफाई का ख्याल रखा जाए।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि बच्चों को डायरिया के साथ ही अन्य बीमारियों से सुरक्षित बनाने के लिए जरूरी है कि जन्म के साथ ही साफ़-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाए। प्रसव इकाइयों के कर्मचारियों के साथ ही धात्री महिलाओं व देखभाल कर्ताओं को जागरूक किया जाए कि शीघ्र स्तनपान बच्चे को स्वस्थ रखने के लिए जितना जरूरी है। उतना ही स्तनपान कराने से पहले साफ़-सफाई भी जरूरी है। डायरिया में बच्चे को ओआरएस का घोल देने से पहले भी हाथ साफ़-सुथरा रखें। समुदाय में हाथों की सही स्वच्छता के बारे में भी जागरूक किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों पर डायरिया से जुड़े प्रमुख चित्रात्मक और आडियो, वीडियो संदेशों को प्रचारित-प्रसारित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया है। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कांशीराम जिला संयुक्त चिकित्सालय डॉ. नवीन चंद्रा, डॉ. महेश कुमार, डॉ. कैलाश चन्द्र, डॉ. राजेश कुमार आदि थे।

कथावाचक का सम्मान करते दीप नारायण दीक्षित। अमृत विचार

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

कानपुर। दबौली दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर के परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का समापन हुआ। साथ ही भव्य भण्डारे का सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पंडित उप्रेन्द शास्त्री जी ने कथा से लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम आयोजक श्याम जी अवस्थी किशोरी अवस्थी रेनू अवस्थी ने आये हुए सभी लोगों का स्वागत किया। पंडित ऋषभ देव जी महाराज ने सभी लोगों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विकास अवस्थी एडवोकेट, यश शुक्ला एडवोकेट, दीप नारायण दीक्षित, अभय शुक्ला, रजत दीक्षित आदि लोग मौजूद रहे।

प्रदेश से 2600 युवा नौकरी के लिए जाएंगे इजराइल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एनएससीसी व कन्सट्रक्शन स्किल डेवेलपमेन्ट काउन्सिल ऑफ इंडिया के सहयोग से शहर में चल रहे प्रीस्क्रीनिंग हुई। यदुपति सिंघानिया वोकेशनल एजूकेशन फाउण्डेशन कैम्पस, कमला नगर में हुई स्क्रीनिंग का अधिकारियों ने दौरा भी किया। इस दौरान अधिकारियों ने युवाओं से कहा कि इस बार पूरे प्रदेश से 2600 युवा नौकरी के लिए इजराइल जाएंगे। यह भी कहा कि जल्द ही प्रदेश के युवाओं को अन्य देशों के लिए अवसर हासिल हो सकेंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव श्रम व सेवायोजन डॉ एमकेएशन्मुगा सुन्दरम् मौजूद रहे। इस दौरान आयुक्त कानपुर नगर के विजयेन्द्र पांडियन व विशेष सचिव श्रम व सेवायोजन नीलेश कुमार व अपर श्रमायुक्त सौम्या पाण्डेय भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव डॉ एमकेएशन्मुगा सुन्दरम् ने कहा कि उत्तर प्रदेश से पिछले वर्ष लगभग 6 हजार अभ्यर्थी इजराइल गये थे। इस बार भी उम्मीद है कि 26 सौ अभ्यर्थी इजराइल जायेंगे जो भारत के लिए ब्रान्ड एम्बेसडर का कार्य करेंगे। उन्होने कहा कि रोजगार मिशन कार्यक्रम इस दिशा में व्यापक कार्य करेगा। कार्यक्रम में मंडलायुक्त के विजयेन्द्र पांडियन ने कहा कि भारत एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित रोजगार एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का लाभ उठाकर अपने भविष्य का निर्माण करें। एनएसडीसी के सीईओ आलोक कुमार ने कहा कि भारत सरकार अभ्यर्थियों का कौशल विकास कर विदेशों में कुशल श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रयत्नशील है। इसी के तहत विदेशों में खासकर ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, जापान आदि देशों में कुशल अभ्यर्थियों को सेवायोजित करने के लिए प्रयत्नशील है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक कानपुर मंडल उज्ज्वल कुमार सिंह, सहायक निदेशक कानपुर देहात शशि तिवारी, अरुण कुमार भारतीय, आशीष शुभम चौधरी सहित अन्य मौजूद रहे।

स्क्रीनिंग में मौजूद अधिकारी।

प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

- प्रमुख सचिव ने युवाओं से कहा कि जल्द ही अन्य देशों के लिए मिलेंगे अवसर
- अधिकारियों ने युवाओं के कौशल का निरीक्षण किया, बड़ा सोचने की दी सीख

खेल स्पर्धा में टीएसएच के जूडो खिलाड़ियों का जलवा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सांसद-विधायक खेल स्पर्धा में टीएसएच के जूडो खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अलग-अलग वर्गों में कई मेडल अपने नाम किए। सब-जूनियर बालक वर्ग में सौरभ कुमार, देवेश कुमार गौतम, सिद्धार्थ कुमार और सुधांशु यादव ने गोल्ड मेडल हासिल किए, जबकि रितिका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सब-जूनियर बालिका वर्ग में स्वर्ण जीता। जूनियर बालिका वर्ग में अनुष्का चंद्रा ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, वहीं हिमांशी ने भी बेहतर खेल दिखाते हुए पदक जीता। सीनियर बालक वर्ग में सुधांशु पांडे, प्रियांशु यादव, वीर कुमार और विराट सिंह ने अपने कौशल से स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया। बालिका सब-जूनियर वर्ग में गौरी, निहारिका, भवानी मिश्रा, सेवंतिका त्रिपाठी और नीति साहू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल हासिल किए। सब-जूनियर बालिका ब्रॉन्ज कैटेगरी में आस्था, अमायरा, अलशिफा और सारा खान ने पदक जीते, जबकि सिल्वर वर्ग में प्रियंका हजारिया ने शानदार प्रदर्शन किया। सब-जूनियर बालक ब्रॉन्ज वर्ग में प्रीत, प्रिंस और सम्राट कुमार ने पदक अपने नाम किए।

रस्सी खींचने में दम लगाते खिलाड़ी।

- सांसद-विधायक खेल स्पर्धा में मेडल अपने नाम किए

2000 से अधिक खिलाड़ी ले चुके हिस्सा स्पर्धा में

- कानपुर। सांसद खेल महोत्सव-2025 में किदवई नगर, गोविन्द नगर, सीसामऊ, कैंट एवं आर्यनगर में वार्ड तथा विधानसभा स्तर पर प्रतियोगिताएँ कराई जा रही हैं। किदवई नगर विधानसभा में 06 से 08 नवम्बर के मध्य डॉ. चिरंजी लाल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, स्व. रतनलाल शर्मा स्मारक खेल मैदान, शिवाजी इंटर कॉलेज तथा केके गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित विभिन्न खेल स्थलों पर प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिनमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंट विधानसभा में 12 से 14 नवम्बर तक केंद्रीय विद्यालय कैंट एवं ग्रीन पार्क में आयोजित प्रतियोगिताओं में लगभग 900 से 1050 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। आर्यनगर विधानसभा में 18 से 20 नवम्बर के दौरान ग्रीन पार्क मैदान पर लगभग 1100 से 1200 खिलाड़ियों की सहभागिता दर्ज की गई। अभी तक 2000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले चुके।

खेल स्पर्धा में विजयी बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए।

तकनीक — एनएसआई ने नेचुरल क्लैरिफिकेंट आधारित चीनी उत्पादन प्रक्रिया विकसित की

अब ऑर्गेनिक विधियों से दूर होंगी चीनी की अशुद्धियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय चीनी उद्योग परंपरागत रूप से दो प्रमुख प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, डबल सल्फिटेशन व रॉ-रिफाइन प्रक्रिया। जिनके माध्यम से गन्ने के रस को प्लांटेशन व्हाइट शुगर व रॉरिफाइंड शुगर में परिवर्तित किया जाता है। इनमें से डबल सल्फिटेशन विधि पर्यावरण की दृष्टि से कम अनुकूल मानी जाती है। इसी चुनौती के समाधान के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने नेचुरल क्लैरफिकेंट आधारित चीनी उत्पादन प्रक्रिया विकसित की है।

संस्थान की निदेशक प्रो. सीमा परोहा के नेतृत्व में सहायक आचार्य (शुगर टेक्नोलॉजी) महेंद्र कुमार यादव की टीम ने एक शोध परियोजना के तहत एक पर्यावरण-अनुकूल नेचुरल क्लैरिफिकेंट आधारित चीनी उत्पादन प्रक्रिया विकसित एवं सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह शोध कार्य मे.रायटन प्रालि के राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के साथ हुए एमओयू के तहत किया गया है। इस नई प्रक्रिया में सल्फर आधारित क्लैरीफिकेशन के स्थान पर टैनिन-आधारित प्राकृतिक कोएगुलेंट का उपयोग किया गया है। टैनिन-आधारित प्राकृतिक कोएगुलेंट क्वेब्राचो वृक्ष से प्राप्त होता है। जो अर्जेंटीना में पाया जाता है। जिसे मे. रायटन प्रालि ने शोध के लिए संस्थान को उपलब्ध करवाया है।

इस कोएगुलेंट को भारत में पाये जाने वाले विभिन्न वृक्षों, जैसे बबूल, जामुन, अर्जुन, बहेड़ा, आम की छाल, नीम की छाल, युकलिप्टुस, हरड़, खैर आदि से भी प्राप्त किया जा सकता है। शोध का प्रारंभिक संचालन एनएसआई अनुसंधान प्रयोगशाला में किया गया। इसके बाद में एक वाणिज्यिक चीनी मिल की प्रयोगशाला में इसका प्रमाणीकरण किया गया।

परीक्षण करते वैज्ञानिक।

यह हासिल हुए परिणाम

- शोध के प्राप्त परिणामों के आधार पर बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, यूनिट-रौजागांव, अयोध्या में एक वाणिज्यिक परीक्षण किया गया। जिसका उद्देश्य वनस्पति आधारित अर्कों को परंपरागत सल्फर-निर्भर क्लैरीफिकेशन के टिकाऊ विकल्प के रूप में अपनाने की व्यवहारिकता का मूल्यांकन करना था। जिससे सल्फिटेशन को समाप्त कर आर्गेनिक चीनी निर्माण को बढ़ावा दिया जा सके। यह वाणिज्यिक परीक्षण, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई), कानपुर की निदेशक, प्रो .सीमा परोहा की उपस्थिति में 16 नवंबर से 18 नवंबर तक बिना किसी परिचालन बाधा के सुचारू रूप से संचालित हुआ। परिणामों से साफ हुआ कि प्राकृतिक अर्क-आधारित प्रक्रिया ने चूने (मिल्क ऑफ लाइम) की खपत को उल्लेखनीय रूप से कम किया। फ्लोकुलेंट की आवश्यकता को समाप्त किया।

गुणवत्ता भी सुधरी

- शोध की सफलता के दौरान यह भी पाया गया कि उत्पादित चीनी का रंग लगभग 70 फीसदी तक सुधर गया। यह निष्कर्ष सभी डबल-सल्फिटेशन इकाइयों को इस पर्यावरण-उत्तरदायी प्रौद्योगिकी की ओर स्थानांतरित करने की संभावनाओं की दोबारा पुष्टि करते हैं, जो हरित औद्योगिक प्रथाओं की वैश्विक दिशा के अनुरूप है।

यह होंगे लाभ

- शुद्धता में 2-3 यूनिट की बढ़ोतरी
- टर्बिडिटी में भारी कमी
- चूना की खपत में कमी
- अंतिम चीनी के रंग में 70 फीसदी सुधार
- उच्च शुद्धता एवं बेहतर दक्षता
- 100 फीसदी पर्यावरण-अनुकूल
- कम स्लज (कीचड़) निर्माण
- सीओडी स्तर में कमी से अपशिष्ट जल उपचार की लागत घटेगी।

गंगा किनारे सफाई करते पदाधिकारी।

आईआईटी की टेककृति टीम ने की गंगा सफाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर व टीम टेककृति ने गंगा बैराज में स्वच्छता अभियान आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छ तथा हरित परिवेश के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था। इस अभियान के तहत टीम के सदस्यों ने गंगा बैराज से मूर्तियां और भारी मात्रा में कचरा हटाया। अभियान का मुख्य लक्ष्य नागरिकों को ज़िम्मेदार कचरा प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाना तथा गंगा नदी के संरक्षण की अत्यावश्यकता बतानाथा। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने स्थानीय निवासियों से नदी प्रदूषण, कचरा निपटान और दूषित जल स्रोतों से उत्पन्न जोखिमों के बारे में जागरूक किया।

न्यूज ब्रीफ

सिपाहियों को पीटने का वीडियो वायरल

उन्नाव, अमृत विचार : पड़ोसियों के बीच हुआ विवाद अधिवक्ता पीयूष पर कार्रवाई के बाद पुलिस बनाम अधिवक्ता हो गया। इसके बाद दही एसओ लाइन हाजिर किये गए। गुरुवार को ही तुर्कमान नगर में हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें सिपाहियों से कुछ लोग मारपीट करते दिख रहे हैं। रात होने से वीडियो फुटेज साफ नहीं है। हालांकि, वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

युवक पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

सफीपुर उन्नाव : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 नवंबर को वह बच्चों के साथ घर पर थी। तभी रात 10 बजे पड़ोसी गांव प्रभुता खेड़ा निवासी लवकुश राजपूत पुत्र राकेश घर में घुस आया और पति के बारे में जानकारी करने लगा। पति के बाहर होने की जानकारी होने पर वह उससे छेड़छाड़ कर कपड़े खींचने लगा। शोर मचाने पर वह जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया।

क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए पंजीयन शुरू

उन्नाव, अमृत विचार : राज्य स्तरीय अंडर-19 क्रिकेट स्पर्धा के लिए पंजीयन शुरू हो गए हैं। जिला क्रिकेट एसो. के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि जालौन में स्पर्धा आयोजित होगी। 25 नवंबर को राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज मैदान में खिलाड़ियों का चयन होगा। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए खिलाड़ी 24 नवंबर तक पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन कराने के लिए खिलाड़ी 9233589693 व 9335911599 मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

फावड़े से हमला कर पत्नी को मौत के घाट उतारा

किसी से फोन पर बात करने का पति को था शक, हुई थी कहासुनी

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: अचलगंज थाना क्षेत्र के गौरी त्रिभानपुर गांव में खेत में काम करते समय दंपति में विवाद हो गया। आक्रोशित पति ने पत्नी पर फावड़े से वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारा शव छोड़कर भाग गया और खुद पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी। पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है।

गौरी त्रिभानपुर निवासी होरीलाल खेती कर परिवार पालता था। उसे शक था कि पत्नी फोन पर किसी से बात करती थी। इसे लेकर दोनों में अक्सर कहासुनी होती थी। गुरुवार की शाम होरीलाल पत्नी शांति देवी (35) के साथ खेत पर काम कर रहा था। तभी दोनों में कहासुनी हो गयी। विवाद इतना बढ़ गया कि होरीलाल ने फावड़े से पत्नी पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिये जिससे वह लहूलुहान होकर खेत में गिर

घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ करती पुलिस। अमृत विचार

गई। कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। यह देख वह मौके से भाग निकला। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों की सूचना पर अन्य परिजन पहुंचे।

बताते हैं कि पति ने खुद पुलिस को फोन पर पत्नी की हत्या करने की सूचना दी। इस पर एसओ फोर्स के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर उच्च अधिकारियों को सूचना दी। शांति का शव पड़ा देख उसके पांच बच्चे बिलखते रहे। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं लोकेशन ट्रेस कर पति को हिरासत में लिया गया। जानकारी पर सदर कोतवाली क्षेत्र के करोवन गांव से पहुंचे मायके पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए और होरीलाल को लॉकअप से बाहर लाने व फांसी देने की मांग कर हंगामा करने लगे। जिन्हें पुलिस ने शांत कराया। एसओ राजेश पाठक ने बताया कि पति ने पत्नी की हत्या की है। जिसे पकड़कर पूछताछ की जा रही। शव मोर्चरी में रखवाया गया है।

पत्नी मायके से नहीं लौटी तो फंदे से लटककर दी जान

उन्नाव, अमृत विचार: हुलास खेड़ा निवासी प्रताप नारायण (31) खेती के साथ बंथर औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। गुरुवार को कमरे में टॉर्च को चार्जिंग पर लगाने गए बड़े भाई मनोहर ने उसे साड़ी के फंदे से लटका देख शोर मचाया। भाई विनोद ने बताया कि प्रताप की पत्नी कोमल अक्सर मायके जाती थी। वहां से वह अपने रिश्तेदार के यहां भी जाती थी। इसे लेकर दोनों में विवाद होता था। इस समय भी कोमल मायके में थी। बताया भांजे के तिलक में शामिल होने प्रताप पत्नी को लेने ससुराल गया था। लेकिन वह नहीं आई। इस पर वह बिना बताए वहां से घर आ गया। सुबह उसका शव फंदे से लटका मिला। आरोप है कि प्रताप करवाचौथ पर पत्नी से मिलने गया था तो उससे मारपीट भी की गई थी। पत्नी का कहना था कि जेठ उसके पति के हिस्से की जमीन हड़पने के लिए उस पर आरोप लगाकर घर से निकालने की साजिश कर रहे हैं। वह 10 माह की बेटी राधा को लेकर कहां जाएगी।

छेड़छाड़ के दोषी को 3 साल की कैद

उन्नाव, अमृत विचार: पुरवा कोतवाली पुलिस ने 26 फरवरी-2018 को क्षेत्र के कुहैहरी गांव निवासी सुधीर पुत्र रमेश पर किशोरी से छेड़छाड़ करने की रिपोर्ट दर्ज की थी। घटना के एक माह बाद 23 मार्च-2018 को पुलिस ने आरोपी को पकड़कर जेल भेजा था। आईओ अजय सिंह ने मामले की जांच कर साक्ष्य एकत्र कर 27 मार्च-2018 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-12 की कोर्ट में विचाराधीन था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश शैलेंद्र यादव ने शासकीय अधिवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव की दलील व पुलिस के एकत्र साक्ष्यों के आधार पर सुधीर को दोषी ठहराते हुए तीन साल की सजा सुनाई।

दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ करते सदर विधायक। अमृत विचार

खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

उन्नाव, अमृत विचार : बाईपास स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम में गुरुवार को खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता ने फीता काटकर किया। विधायक ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और खेल को जीवन का अभिन्न अंग बताया। 100 मीटर दौड़ में मिथुन अव्वल रहे। वहीं बालिका वर्ग में अलीशा खान ने बाजी मारी। 400 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में अजय प्रताप व बालिका वर्ग में काजल राजपूत सबसे तेज दौड़ीं। इसके अलावा वॉलीबॉल प्रतियोगिता में गौरव की टीम ने जीत हासिल की। वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में सुरेश पांडेय की टीम विजयी रही। बैडमिंटन प्रतियोगिता में बालक वर्ग में वत्सल व बालिका वर्ग में प्राची ने जीत हासिल की। इस दौरान जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल, कोच कुशमेश कुमार, विकास अवस्थी, चांदनी सोनी व अन्य मौजूद रहे।

डीजे पर डांस को लेकर हुई मारपीट

शुक्लागंज उन्नाव: गंगाघाट कोतवाली अंतर्गत पीपरखेड़ा गांव निवासी एक युवती का विवाह समारोह गेस्ट हाउस में आयोजित था। बारात पहुंचने पर पीपरखेड़ा के ही युवक डीजे पर डांस कर रहे थे। तभी किसी बात पर दो पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और दोनों पक्ष गेस्ट हाउस के बाहर आकर मारपीट करने लगे। तभी कुछ युवकों ने फायरिंग कर दी। हंगामे की सूचना किसी ने डायल 112 पर दे दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची लेकिन पुलिस को देखते ही आरोपी युवक वहां से भाग निकले। पुलिस ने आसपास पूछताछ कर जानकारी की लेकिन किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई थी।

एएसपी ने किया थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

शुक्लागंज, उन्नाव: गुरुवार को एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह ने गंगाघाट थाना का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, माल खाना, सीसीटीएनएस कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र/महिला हेल्पडेस्क, साइबर हेल्पडेस्क, भोजनालय व शस्त्रागार आदि का अवलोकन किया। एएसपी ने मालखाने में रखे सामान, शस्त्रागार में मौजूद हथियारों व थाने में उपलब्ध अन्य लॉजिस्टिक्स का सूची से मिलान कर जांच की। उन्होंने सीसीटीएनएस सिस्टम की कार्यप्रणाली व अभिलेखों के संधारण को भी परखा। इसके बाद एएसपी ने थाना प्रभारी अजय सिंह व संबंधित मातहतों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड अपडेट रखने, शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, महिला सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियों को और सशक्त करने तथा साइबर क्राइम मामलों में तत्परता बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही थाना परिसर की स्वच्छता, व्यवस्था व सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के भी निर्देश दिये।

गांधीनगर तिराहा पर चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण करते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

सदर विधायक ने देखा गांधी नगर तिराहे का सौंदर्यीकरण कार्य

उन्नाव, अमृत विचार : शहर के प्रवेश द्वार को भव्य रूप देने के लिए चल रहे गांधी नगर तिराहे के सौंदर्यीकरण व गदन खेड़ा चौराहे तक फुटपाथ व ग्रीनरी कार्य का सदर विधायक पंकज गुप्ता ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। विधायक ने अधिकारियों से बात कर गांधी नगर तिराहे को शहर के 'ग्रैंड गेटवे' (भव्य प्रवेश द्वार) के रूप में विकसित करने की योजना को समझा और इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सुझाव भी दिये। तिराहे पर कलम-तलवार का स्टैच्यू लगाया जाएगा। इलेक्ट्रिक बस स्टैंड, टेंपो अड्डा, ऑटो अड्डा व व्यवस्थित वेंडिंग जोन का निर्माण होगा। एक आकर्षक सेल्फ़ी प्वाइंट व रोटरी चौराहा भी विकसित होगा। गांधी नगर से गदनखेड़ा तक आधुनिक कॉरिडोर बनेगा। आवास विकास परिषद द्वारा गांधी नगर से गदनखेड़ा तक पूरे मार्ग को एक आधुनिक कॉरिडोर का रूप दिया जा रहा है। डिवाइडर का उच्चीकरण व मजबूत ग्रिल लगाने के साथ पूरे मार्ग पर हरियाली (ग्रीनरी) का विकास, फुटपाथ का सुंदरीकरण व सुरक्षा मानकों का भी ध्यान रखा जाएगा।

छात्रों को दी बिजली बनाने की जानकारी

संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: विकासखंड सफीपुर के कम्पोजिट स्कूल रनियामउ में एक दिवसीय कार्यशाला अयोजित हुई। जो तकनीक व प्रयोगात्मक गतिविधियों पर केंद्रित रही। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को बिजली, प्रकाश व मशीनों से जुड़े मूल सिद्धांत सरल भाषा में समझाये गए। शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि बिजली कैसे बनती है। बताया कि करंट, वोल्ट व प्रतिरोध का क्या अर्थ है और इनका दैनिक जीवन में क्या उपयोग होता है।

शिक्षक देवेन्द्र त्रिपाठी ने प्रकाश के व्यवहार, उसकी दिशा व ऊर्जा के बारे में जानकारी देते हुए मल्टीमीटर का प्रयोग कर विद्युत प्रवाह की जांच का तरीका बताया। शिक्षिका संतोषी देवी ने छोटे दीपक की संरचना, तार जोड़ने की विधि व घरेलू वायरिंग की प्रक्रिया के बारे में बताया। इस दौरान अनूप साहू, कृपा शंकर, सरोजनी देवी, हेमामालिनी,

कार्यशाला में जानकारी देते शिक्षक अमित तिवारी।

राधा देवी, मयंक राय, विजय कश्यप समेत कई लोग मौजूद रहे।

अनिवार्य टेट के विरोध में 24 को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे शिक्षक

उन्नाव, अमृत विचार: अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा की जिला शाखा की बैठक जिला संयोजक उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र की अध्यक्षता में हुई। इसमें विकासखंडों के ब्लॉक अध्यक्ष, महामंत्री व अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा में शामिल घटक संगठनों के जिलाध्यक्ष व महामंत्री ने प्रतिभाग किया। बैठक में अनिवार्य टेट के विरोध में 24 नवंबर को नई दिल्ली में होने वाले धरने को अंतिम रूप दिया गया। धरने में प्रतिभाग करने हेतु 23 नवंबर को जिले से सैकड़ो शिक्षक बसों, कारों व ट्रेनों से अपनी मांगों के समर्थन में दिल्ली जाएंगे। बैठक में राघवेंद्र सिंह, रामजन्म सिंह, अरुण कुमार, अमित सिंह, अनिल कुमार, सुरेंद्र प्रकाश, वीरेंद्र बहादुर,

प्रदर्शन की रणनीति बनाते पदाधिकारी।

उमेश चंद्र, अनिल शुक्ल, कमलेश कुमार, प्रदीप नारायण, उमेश मिश्र, अनूप कुमार, सुमंत, राजनी वर्मा, नैमिष कुमार, तौसीफ अली, अनस समीम, रामबाबू सिंह, जयदीप शुक्ल, अजय कुमार, राजीव कुमार, रमेश चंद्र चौधरी, सत्यमूर्ति, शिवशंकर मिश्र, अमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

जनसंवाद केंद्र में हेल्प डेस्क स्थापित

उन्नाव, अमृत विचार: विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण 2026 अभियान में निर्वाचकों को होने वाली कठिनाइयां दूर करने के लिए कलक्ट्रेट स्थित जन संवाद अभियान केंद्र में हेल्प डेस्क स्थापित हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र के निर्देश पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौरांग राठी ने बताया कि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के प्रचलित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के दृष्टिगत निर्वाचकों की पृच्छाओं के निवारण व उन्हें सहायता देने हेतु हेल्पडेस्क स्थापित की गई है।

बैठक को संबोधित करते एडीएम। अमृत विचार

पूर्व सैनिकों की समस्याओं का करें समाधान

उन्नाव, अमृत विचार : एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक पन्नालाल सभागार में हुई। इसमें पूर्व सैनिक राजेश मिश्रा की भूमि पर कब्जा व मारपीट करने, महेश कुमार के मुकदमे स्थानांतरण संबंधी प्रकरण, आदर्श शुक्ला, विमलेश चंद्र, देशराज, राजकुमार रावत व ओमशंकर तिवारी व पूर्व सैनिक मास्टर योगेंद्र सिंह की भूमि पर अवैध निर्माण व क्रय के मामले में संबंधित एसडीएम से बात कर मामलों का शीघ्र निस्तारण कर आख्या देने के लिये कहा। एडीएम ने कहा कि सैनिकों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें कोई भी प्रकरण लंबित न रखें। बैठक में जिला सैनिक कल्याण व पुनर्वास अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर मधु मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, अन्य अधिकारी व जिले भर से आए भूतपूर्व सैनिक मौजूद रहे।

ब्लॉक संसाधन केंद्र के बाहर मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

दिल्ली में होने वाली रैली को लेकर बनाई रणनीति

बांगरमऊ, उन्नाव : पुरानी पेंशन बहाली मंच अटेवा ने पुरानी पेंशन बहाल कराने व टीईटी की अनिवार्यता को रद करने के लिए देश व्यापी रैली के आयोजन की तैयारी के संबंध में ब्लॉक संसाधन केंद्र नसिरापुर में बैठक की। इसमें ब्लॉक संयोजक महेंद्र कुशवाहा ने शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से 25 नवंबर को दिल्ली में होने वाले आंदोलन में शिक्षक-कर्मचारी एकता को मजबूत करने व सोशल मीडिया पर पुरानी पेंशन मुद्दे को ज्वलंत करने पर जोर दिया। ब्लॉक महामंत्री संजय कुमार ने शिक्षकों से पुरानी पेंशन व टीईटी अनिवार्यता से मुक्त रखने जैसे मुद्दों को लेकर दिल्ली चलने की अपील की। बैठक में महेंद्र, संजय, जयमंगल कुशवाहा, गंगा प्रसाद, देवेन्द्र प्रताप सिंह, ठाकुर प्रसाद, सुधीर यादव, निजामुद्दीन, सुरेंद्र सिंह, सेविना दीक्षित, कुसमा देवी, कोमल यादव, रजनीश कटियार, विमलेंद्र सिंह, अजयपाल सिंह, रामशंकर, निर्मल कुमार, पूनम देवी, अनूप कुमार, लक्ष्मी देवी, खेमराज यादव आदि शामिल हुए।

पटरी दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने का दिया अल्टीमेटम

सफीपुर, उन्नाव : नगर के मुख्यमार्ग किनारे पटरी दुकानदारों को नगर पंचायत ने एक बार फिर फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी है। ईओ कहा कि चार दिन में फुटपाथ खाली न किया तो नगर पंचायत कार्यवाही करेगा। बता दें कि मुख्यमार्ग सहित परियर जाने वाले नाना राव पेशवा मार्ग किनारे पटरी दुकानदारों ने अतिक्रमण कर फुटपाथ कब्जे में कर लिया है। जिससे आएदिन जान लगता है। नगर पंचायत कई बार मुनादी करवाकर अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दे चुका है लेकिन, स्थिति जस की तस बनी हुई है। ईओ विनीत श्रीवास्तव के नेतृत्व में फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई। ईओ ने बताया कि अतिक्रमण न हटाया गया तो बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर फुटपाथ खाली कराया जाएगा।

मलकादिम सराय विद्यालय में छात्रों को शपथ दिलाते डॉ.अलीम अब्बास। अमृत विचार

आमजन को तंबाकू के सेवन से होने वाली घातक बीमारियों को लेकर किया गया जागरूक

हसनगंज, उन्नाव, अमृत विचार : राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को लेकर तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान अभियान के तहत हसनगंज में जागरूकता अभियान चला। गुरुवार को मलकादिम सराय उच्च प्राथमिक व प्राथमिक विद्यालय में हसनगंज सीएचसी की आरबीएसके टीम ने तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम का अभियान चलाया। इस दौरान छात्रों व लोगों को तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, गुटका व पान मसाला आदि का सेवन न करने व इनके सेवन से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया गया और छात्रों को इसके सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। इस मौके डॉ. अलीम अब्बास, डॉ. सुप्रिया सिंह, विपिन, सुनीता शुक्ला, मिताली साहू, इंचार्ज शिक्षक, हनुमान प्रसाद पांडेय, तनवीर फातिमा, संगीता, कुरील मुन्नीलाल व आनंद पंडित रहे।

शव लेकर जा रही एंबुलेंस पलटी, 3 की हालत गंभीर

बांगरमऊ, उन्नाव: पश्चिम बंगाल के जिला व नगर मालदा निवासी कुलदीप अली का पांच वर्षीय पुत्र कलाम अली कैंसर से पीड़ित था। उसका इलाज दिल्ली में चल रहा था। बीते बुधवार इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। बुधवार शाम कुलदीप अली उसकी पत्नी नसीमा खातून रिश्तेदार साजिद शाह निवासी दिल्ली, महबूब अली पुत्र मोहम्मद अली, आबिदा पत्नी शहजाद अली व लखन पुत्र रामकुमार निवासी पश्चिम विहार नार्थ-ईस्ट दिल्ली संग एंबुलेंस से शव लेकर घर मालदा पश्चिम बंगाल को निकले थे। गुरुवार को गहर पुरवा गांव के सामने एंबुलेंस चालक को झपकी आ गई जिससे वाहन डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में महबूब अली, आबिदा व लखन गंभीर घायल हो गए। तीनों घायल निजी वाहन से अपने घर दिल्ली चले गए। जबकि कुलदीप अली और उसकी पत्नी नसीमा खातून आदि एंबुलेंस से बच्चे का शव लेकर मालदा पश्चिम बंगाल रवाना हो गए। पुलिस ने क्षतिग्रस्त एंबुलेंस को लेन से हटाकर किसी तरह आवागमन बहाल कराया।

मुंबई से लापता हुए युवक का नहीं लगा सुराग

बांगरमऊ, उन्नाव: कोतवाली क्षेत्र निवासी युवक मुंबई से लापता हो गया। परिजनों ने मुंबई के संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। नगर के मोहल्ला कस्बा टोला निवासी संजय गुप्ता का रिश्तेदार आनंद गुप्ता परिवार सहित मुंबई के भिवंडी में कारोबार करता है। संजय के मुताबिक 11 नवंबर को आनंद मुंबई के कल्याण स्टेशन से ट्रेन से उसके घर आने के लिए निकला था। लेकिन यहां न पहुंचने पर संजय ने मुंबई में परिजनों को इसकी जानकारी दी। उसके मोबाइल पर संपर्क किया गया लेकिन वह स्विच ऑफ था। परिजनों ने मुम्बई के संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। इस पर सर्विलेंस टीम की जांच में पता चला कि वह कामाख्या कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन में दोपहर 2:10 बजे बैठा था। पुलिस को शक है कि वह मनमाड जंक्शन पर उतरा होगा। मनमाड रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में फुटेज में वह रात 8:37 बजे स्टेशन परिसर में नजर आया। इसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं लगा।

टेंपो स्टैंड से सेल्फी प्वाइंट तक चला अतिक्रमण अभियान

कार्रवाई

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार: नपा ने गुरुवार को फोर्स के साथ टेंपो स्टैंड से सेल्फी प्वाइंट तक अतिक्रमण अभियान चलाया। इस दौरान कब्जा किए एक दुकानदार से मौके पर ढाई हजार जुर्माना वसूला गया। जबकि दो काउंटरों को जब्त कर पालिका भेजा गया।

स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी अनूप शुक्ला ने बताया कि बालूघाट मोड़ पर बने टेंपो स्टैंड समेत पूरे मार्ग पर कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। यहां कई लोगों ने टट्टर, गुमटी व अन्य अस्थाई ढांचे खड़े किये थे। पालिका द्वारा पहले ही

स्टैंड में खड़ी टेंपो हटाती जेसीबी। अमृत विचार

सामान को ट्रैक्टर में लादकर ले जाते पालिका कर्मचारी। अमृत विचार

अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर अवैध निर्माण हटाने को कहा गया था। गुरुवार को गंगा घाट पुलिस व सफाई नायकों की टीम के साथ संयुक्त रूप से अभियान शुरू हुआ। इस दौरान जेसीबी से अस्थाई निर्माणों को ध्वस्त किया गया। साथ ही टेंपो स्टैंड पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को जब्त किए जाने की जानकारी पर वाहन मालिक तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने टेंपो व अन्य वाहन हटा ले गए। अधिकारियों ने कहा यातायात व्यवस्था बाधित होने व सफाई व्यवस्था प्रभावित होने के कारण कार्रवाई करना जरूरी हो गया था। स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी ने बताया कि कोतवाली में अधिकारियों के निरीक्षण के कारण अभियान आगे नहीं बढ़ाया जा सका। शुक्रवार को भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने अपील की कि लोग किसी भी प्रकार की क्षति से बचने के लिए खुद ही अतिक्रमण हटा लें। अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान पालिका के जेई घनश्याम मौर्य सहित संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

सफीपुर में निकाली गयी एकता यात्रा

सफीपुर, उन्नाव

अमृत विचार : सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार को 'रन फॉर यूनिटी' के तहत पैदल यात्रा निकाली गई। विधायक बंबालाल दिवाकर के संयोजन में महात्मा गांधी इंटर कॉलेज से यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा मुख्य मार्ग व कस्बे से होते हुए भाजपा कार्यालय पर समाप्त हुई।

भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा व जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी भी पैदल यात्रा में शामिल हुए। यात्रा उन्नाव-हरदोई रोड, गुलाब बिल्डिंग रोड, स्टेट बैंक रोड होते हुए भाजपा कार्यालय तक गई। भाजपा के प्रदेश मंत्री ने कहा सरदार पटेल ने देश की एकता व अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। यात्रा में एनसीसी कैडेट, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं व क्षेत्रीय लोग शामिल रहे। शिवप्रकाश द्विवेदी उर्फ छुनर व अशोक बाजपेई ने साथियों के साथ यात्रा का स्वागत किया। यात्रा में दिलीप कुमार, गुड्डू मिश्रा, नूतन सिंह, अनुज दीक्षित, राजेश जायसवाल, विक्रम सिंह ठाकुर, रमेश रावत, मलखान सिंह, कंचन गुप्ता, अतुल अग्निहोत्री, अमित कुशवाहा, आशीष कनौजिया, रामसजीवन विमल, अनूप सिंह चंदेल, राजू सिंह चौहान, विकास सिंह ठाकुर, हरिपाल सिंह, राकेश तिवारी लल्ला, रचना निगम रहीं।

सफीपुर में निकाली गई एकता यात्रा में शामिल भाजपाई। अमृत विचार

अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।

–महात्मा बुद्ध

सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

प्रसंगवश

गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

निवेदिता शर्मा
शिक्षिका

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

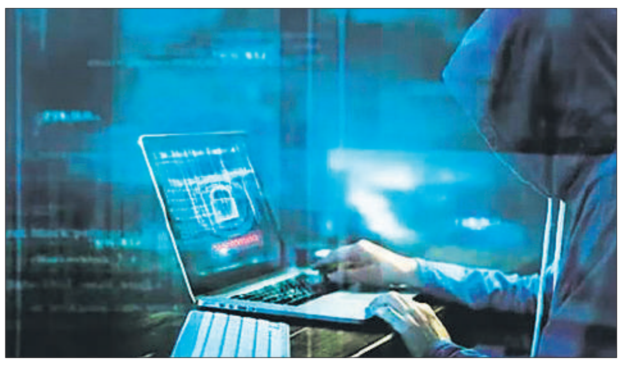

विवेक सक्सेना
अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

> पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

आमने सामने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–**अपर्णा यादव**, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

> कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

सोशल फोरम

एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय
ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। –**फेसबुक वाल से**

सामयिकी

मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अमृत विचार

यूरेका

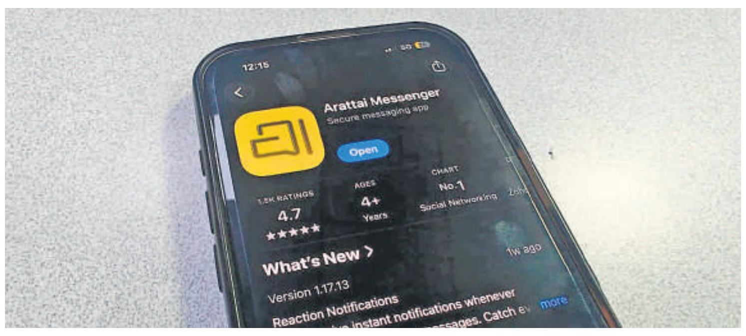

अरट्टई

डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

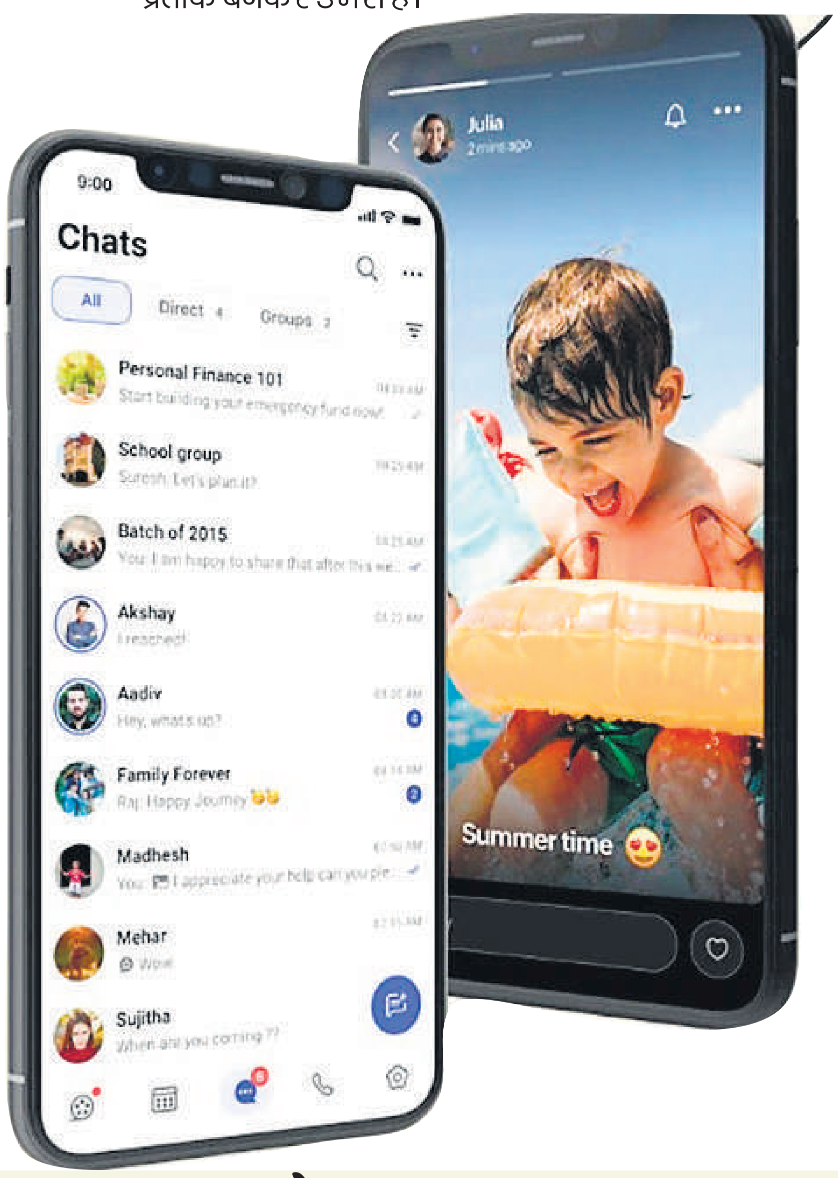

लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि

इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

जंगल की दुनिया

तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

वैज्ञानिक फैक्ट

तारों की बदलती स्थितियां

पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

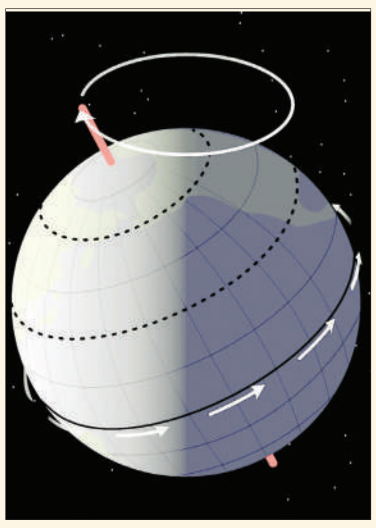

बबलू चंद्रा
नैनीताल

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	85,632.68	26,192.15
बढ़त	446.21	139.50
प्रतिशत में	0.52	0.54

सोना 1,26,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,58,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर हटाए

नई दिल्ली। विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वेच्छा से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। आईटीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि सीएसई ने 20 नवंबर 2025 से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से स्वैच्छिक रूप से हटाने की मंजूरी दे दी है। यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी के साधारण शेयर, एनएसई और बीएसई पर अब भी सूचीबद्ध हैं। आईटीसी के निदेशक मंडल ने 30 अक्टूबर को हुई बैठक में सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के विनियम 5 व 6 के तहत सीएसई से कंपनी के साधारण शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

आईपीओ से पैजसन एग्रो इंडिया जुटाएगा धन

नई दिल्ली। पैजसन एग्रो इंडिया ने एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिलने की गुरुवार को जानकारी दी। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ की शुद्ध आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

वैल्यू 360 को एसएमई आईपीओ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। एकीकृत संचार कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस लि. को एनएसई से अपने इक्विटी शेयरों को बाजार के एसएमई मंच...इमर्ज पर सूचीबद्ध कराने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। पब्लिक रिलेशन समेत संचार के अन्य कार्यों से जुड़ी कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह मंजूरी सभी नियामक आवश्यकताओं और जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने पर निर्भर है। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस ने जुलाई में कंपनी से जुड़ी जानकारी को लेकर विवरण पुस्तिका जमा की थी। यह सैद्धांतिक मंजूरी उसके बाद एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कुणाल किशोर इस मंजूरी की जानकारी दी है।

केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

• मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमश: 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं।

अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

• वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

रिफाइनरी उत्पादों तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि तथा बिजली और कोयला उत्पादन में गिरावट के मिश्रित प्रभाव से अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन इस साल अक्टूबर में सालाना आधार पर स्थिर रहा।

अगस्त 2024 के बाद पहली बार आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन शून्य या उससे कम रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर 2024 की तुलना में इस साल रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा है जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी है। रिफाइनरी का उत्पादन 4.6%, इस्पात का 6.7, सीमेंट का 5.3 और उर्वरकों का 7.4% बढ़ा है। वहीं, बिजली उत्पादन में 7.6 और कोयला उत्पादन में 8.5% की गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन 5 और कच्चे तेल का 1.2% घट गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में 8 प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 3.3 और पिछले साल अक्टूबर में 3.8% की गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के लिए सालाना उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हुई। इस्पात उत्पादन 10.3 प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 7.3, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 0.4 और उर्वरक उत्पादन 0.7% बढ़ा है। वहीं, कोयला उत्पादन में 2, कच्चा तेल में 1.1, प्राकृतिक गैस 3.1 और बिजली में 0.1% की गिरावट रही।

कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

• केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

बुद्धिजीवी आतंकवादी बन रहे जो अधिक खतरनाक होते हैं

पुलिस ने टिप्पणी करते हुए आरोपियों की जमानत का किया विरोध

दिल्ली दंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु में एक वर्ष का अंतर होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष होगी।

राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की बढ़ी अवधि

सेना पर की टिप्पणी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता के सपने का सच होना : चिराग

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा कि मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से पूरी तरह अवगत हूं।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब अपने विजन को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू करेगी। चिराग ने कहा कि आज से ही विकसित बिहार बनाने, बिहार को प्रथम और बिहारी को प्रथम बनाने की दिशा में हम तुरंत कार्य शुरू करेंगे। राजग सरकार में भाजपा के 89, जदयू के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के चार विधायक शामिल हैं।

नीतीश मंत्रिपरिषद में हुई जातीय संतुलन साधने की कोशिश

पटना। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और नई मंत्रिपरिषद में जातीय आधार पर संतुलन साधने की पूरी कोशिश की गई है। मंत्रिपरिषद में भाजपा से जहां 14 मंत्री हैं, वहीं जदयू को आठ मंत्री पद मिले हैं। लोजपा (रामविलास) को दो तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को एक-एक मंत्री पद मिला है। मंत्रिपरिषद में ब्राह्मण समुदाय की हिस्सेदारी में काफी कमी देखने को मिली है। पिछली मंत्रिपरिषद में भाजपा ने मंगल पांडे और नीतीश मिश्रा को शामिल किया था, लेकिन इस बार भाजपा और जदयू ने ब्राह्मण प्रतिनिधित्व को आधे से भी कम कर दिया है। भाजपा की ओर से केवल मंगल पांडे को जगह मिली है। राजपूत समुदाय को इस बार सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने संजय सिंह टाइगर, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और संजय सिंह जैसे चार नेताओं को शामिल कर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। भूमिहार समुदाय के दो प्रमुख चेहरों में विजय कुमार सिन्हा और विजय चौधरी के माध्यम से गठबंधन ने संतुलन बरकरार रखा है। इससे यह संदेश गया है कि यह समुदाय अब भी सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण है। कायस्थ समुदाय का प्रतिनिधित्व शहरी राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नितिन नवीन को मंत्री बनाकर राजधानी पटना तथा शिक्षित मध्यमवर्गीय मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है।

बिहार की नई सरकार विकसित भारत में देगी योगदान: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भरोसा है कि राज्य में नई राजग सरकार राज्य की तरक्की को तेज़ करेगी और देश को विकसित भारत बनाने में मदद करेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर पुन: शपथ लेने पर दिल से बधाई। उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और आज पद संभालने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि नयी राजग सरकार बिहार की तरक्की को तेज़ करेगी और विकसित भारत की हमारी यात्रा में योगदान देगी।

नई सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतररक वादों को करे पूरा : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्स पर नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। राजद नेता ने कहा, नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।

हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे नक्सली : मुर्मू

अंबिकापुर, एजेंसी

• छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। मुर्मू ने कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की। मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई। उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी। जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है।

दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सातवें दिन भी बेहद खराब रही। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक़्यूआई) 398 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 में से 21 केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। डीटीयू, बुराड़ी, चांदनी चौक, आनंद विहार, मुंडका, ओखला, बवाना और वजीरपुर उन केंद्रों में थे जहां एक़्यूआई 400 से ऊपर रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री रहा, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप ने किए एपस्टीन की फाइलें जारी करने के विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जो उनके प्रशासन को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइल सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करता है। ट्रंप ने लंबे समय तक इसका विरोध किया था लेकिन अंततः अपनी ही पार्टी के राजनीतिक दबाव के आगे झुक गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए लिखा, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हमारी अद्भुत सफलताओं से ध्यान भटकाया जा सके। अब इस विधेयक के तहत न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइल, संचार और 2019 में एक संघीय जेल में उसकी मौत की जांच से संबंधित जानकारी 30 दिन के भीतर जारी करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान की नौसेना के जहाज कोलंबो बंदरगाह पहुंचे

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुकन्या 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' के लिए कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी जहाज को अभियानगत कार्यों को पूरा करने के बाद फिर तैयार किया जाता है, ताकि वह आगे की यात्रा या मिशन के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सके। आईएनएस सुकन्या मंगलवार को कोलंबो पहुंचा, जहां श्रीलंका की नौसेना ने परंपराओं के मुताबिक उसका स्वागत किया। आईएनएस सुकन्या कमांडर संतोष कुमार वर्मा की कमान में कोलंबो पहुंचा। इस जहाज की लंबाई 101 मीटर है। इस बीच, उसी दिन ईंधन भरवाने के लिए श्रीलंका पहुंचा पाकिस्तानी नौसेना का जहाज सैफ बुधवार को रवाना हो गया।

दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रहा जहाज समुद्र में फंसा

सोल। दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रहा एक यात्री जहाज फंस गया। समाचार एजेंसी योनहास के मुताबिक स्थानीय समयानुसार कल रात 8:17 बजे (1117 जीएमटी) तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा जहाज राजधानी सोल से लगभग 310 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गया है। यह जहाज दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रहा था।

प्रतिबंध लागू होने से पहले अपना डेटा सुरक्षित कर लें सभी किशोर

मेलबर्न। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई

- ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर से शुरू होगा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे।कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' मेटा ने यह भी कहा कि इस अवधि में किशोर उपयोगकर्ता अपनी संपर्क जानकारी अपडेट कर सकते हैं ताकि 16 वर्ष के होने पर वे अपना खाता पुनः सक्रिय करा सकें।

सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

दुनिया की प्रमुख चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित एक ताजा रिसर्च में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया गया है। दुनिया के जाने-माने चिकित्सा विशेषज्ञों की रिसर्च पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते उपयोग की वजह से दुनिया भर में मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। युवावस्था में हृदय की बीमारियां और हार्ट अटैक के पीछे भी अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रमुख भूमिका है। लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के लगातार बढ़ते खतरों पर सरकारों की गैरजिम्मेदारी का भी प्रमुखता से उल्लेख है जो खतरों की जानकारी होने के बावजूद निहित स्वार्थों की वजह से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर कोई भी पाबंदी लगाने या नीति बनाने में गंभीरता नहीं दिखातीं।

भारत में कितना बड़ा खतरा

- मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद जैसी तमाम गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। समय से पहले मृत्यु का भी जोखिम काफी बढ़ा है।
- पुरुषों में मोटापे का प्रतिशत 12% से 23% और महिलाओं में 15% से 24% तक बढ़ा है। मोटापे की वजह से भी बीमारियां शिकार बना रही हैं।
- शरीर में सूजन को बढ़ाते हैं, जिससे कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- दुनिया में भारत जैसे देश इन उत्पादों के लिए बड़े बाजार बन गए हैं, और ये देश वैश्विक व्यापार समझौते भी प्रतिबंधों को मुश्किल बनाते हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों के सरकार को सुझाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन को कम करने और लोगों की पारंपरिक, कम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की ओर वापसी को बढ़ावा देने के लिए सरकारों को कड़े स्वास्थ्य नीतिगत कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में स्वास्थ्य और पोषण नीति निर्धारकों को हालात बेकाबू होने की भी चेतावनी दी गई है।

बच्चों के लिए ज्यादा गंभीर

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में एक्स्ट्रा नमक, चीनी, खराब तेल, आर्टिफिशियल रंग, फ्लेवर, प्रिजर्वेटिव्स तथा एडिटिव्स शामिल होते हैं।
- लैंसेट की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि ये घटक बच्चों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं।
- लगातार सेवन से कुपोषण, माइक्रोन्यूट्रिएंट की कमी, मोटापा, आंतों के असंतुलन, नींद की समस्या, डिप्रेशन जैसे जोखिम बढ़ते है।

सरकारें क्यों बेपरवाह

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनियां बड़ा आर्थिक योगदान करती हैं जिसकी वजह से सरकारें प्रतिबंध लगाने से हिचकिचाती हैं।
- बड़ी खाद्य कंपनियां अपनी पहुंच और आर्थिक शक्ति का उपयोग लॉबिंग के लिए करती हैं, जिससे सरकारी नीतियां प्रभावित होती हैं।

बढ़ता कारोबार

- भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की सेल 2006 से 2019 तक लगभग 40 गुना बढ़ गई है और इन वर्षों में 0.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 38 बिलियन डॉलर हो गई है।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में बहुत अधिक स्वाद और कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, जो बच्चों को खासतौर पर लुभाते हैं।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड उत्पाद सुविधाजनक हैं, क्योंकि इन्हें बनाना नहीं पड़ता और ये आसानी से हर जगह उपलब्ध होते हैं।
- भारत जैसे देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड ताजे और स्वस्थ भोजन की तुलना में सस्ते होते हैं। लोग इस कारण भी इन्हें खरीदते हैं।
- आकर्षक और रंगीन पैकेजिंग के साथ भ्रामक दावों के साथ उत्पादों की मार्केटिंग की जाती है। लोग इनके पीछे छिपे स्वास्थ्य खतरों को नहीं समझ पाते।

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

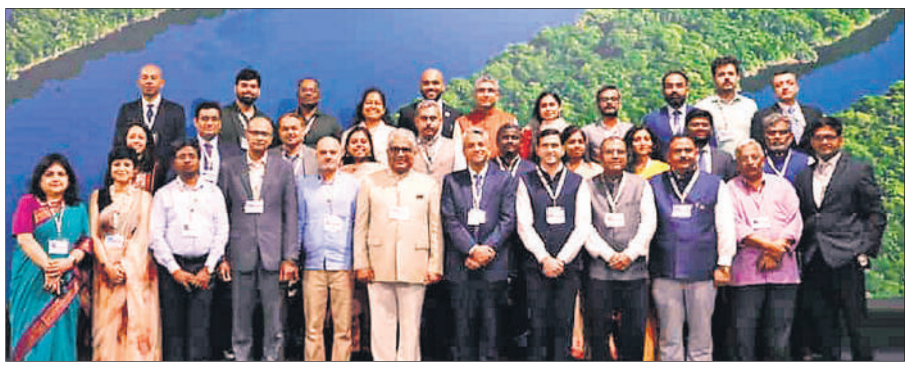

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

बेलेम। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है।

ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

नेपालः जेन जी फिर आक्रामक बारा जिले में दोबारा लगा कर्फ्यू

काठमांडू, एजेंसी

- ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प में 10 घायल, आगजनी और गोलीबारी भी हुई

नेपाल के एक जिले में बृहस्पतिवार को उस समय नए सिरे से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जी के युवाओं की अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के साथ झड़प में 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

'काठमांडू पोस्ट' की अखबार के अनुसार, बारा जिले के सिमारा चौक पर उस समय तनाव बढ़ गया जब युवक ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के एक दिन बाद सड़कों पर लौट आए। उन्होंने पुलिस पर बुधवार की झड़पों को लेकर अपनी शिकायत में नामित व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी पूर्वाह्न 11 बजे से सिमारा चौक पर एकत्र हुए। बारा में प्रशासन ने जान-माल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। समाचार पोर्टल 'खबरहब' के अनुसार, हालांकि, निषेधाज्ञा लागू नहीं हो पाई और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और पुलिस से भिड़ गए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन किए जाने और आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने आंसू गैस के छह गोले दागे और हवा में दो चक्र गोलियां चलाईं।कहा गया, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि जेन जी के चार प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पोर्टल के अनुसार, एक अलग घटना में, जेन जी के प्रदर्शनकारियों ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने यूएमएल कार्यालय का सामान भी हटा दिया और उसे आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पहले हुई झड़पों में शामिल यूएमएल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में आनाकानी करने का आरोप लगाया।

350% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो मोदी-शरीफ ने मुझे किया फोन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर उनके बीच जारी हमलों को रुकवाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था कि 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप अब तक 60 से अधिक बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है।

ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं। मैंने पिछले कुछ साल में, यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हू।. भारत, पाकिस्तान परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे। ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा हूं। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों से कहा था, मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिये कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन करके कहा, हम युद्ध नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने मोदी को धन्यवाद दिया।

- ट्रंप ने एक बार फिर किया भारत पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा

अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त कराएंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अब सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के शासक के साथ हुई विस्तृत बातचीत में सूडान के गृहयुद्ध पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने पद की शक्ति व प्रभाव का उपयोग कर युद्ध को समाप्त करने में मदद करें। सूडान पर नियंत्रण के लिए जारी संघर्ष में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन गया है।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार प्रणाली की शुरूआत 1996 में हुई थी और उसके बाद दो सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशों की निगरानी में हुए दो चुनावों में 90 दिनों के भीतर विजेता को सत्ता हस्तांतरित कर दी गई।

फैसले के अनुसार, मुहम्मद युनुस की मौजूदा अंतरिम सरकार फरवरी में प्रस्तावित चुनाव की देखरेख करेगी, जबकि उसके बाद का चुनाव बहाल की गई कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत होगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

- ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 14.47 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

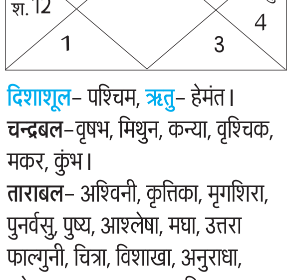

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 13.56 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। म्युचुअल फंड आदि में किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध होगा।

वृष — आज सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। थोड़ी मेहनत से आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है।

मिथुन — आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

कर्क — आज व्यवसाय में नए अनुबंध करने को लेकर सावधानी रखें। प्रेमी जन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। बच्चे अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

सिंह — आज अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। गूढ़ आध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। होटल कारोबारियों के व्यापार में कमी होने की आशंका है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

कन्या — आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्यों के शुरू होने से आपकी उन्नति होगी। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी। बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे।

तुला — आज उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी की चिंता हो सकती है। कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें।

वृश्चिक — आज का दिन कला जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहने वाली है।

धनु — आज स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें। कमर से निचले भाग में दर्द की शिकायत हो सकती है। विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। पर्यटन के लिए यात्रा करने से बचें।

मकर — आज रुके हुए कार्य तेजी से पूर्ण कर लेंगे। नौकरी को लेकर इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लोग आपकी विचारधारा से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं।

कुंभ — आज आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं।

मीन — आज महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेना उत्तम होगा। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा।

सुडोकू -167

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				1				
						3		
	7							
		9						
					3		2	
		8						
				7				
						9		

सुडोकू - 166 का हल

1	6	5	2	9	8	7	3	4
4	9	8	5	3	7	1	6	2
7	2	3	4	6	1	9	8	5
3	1	2	7	8	4	5	9	6
5	7	6	3	2	9	4	1	8
8	4	9	6	1	5	2	7	3
9	8	4	1	5	3	6	2	7
2	3	7	9	4	6	8	5	1
6	5	1	8	7	2	3	4	9

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

हाईलाइट

गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा। चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था। इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा। जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी। तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया।

प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

मुंबई: प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

इटली डेविस कप सेमीफाइनल में

बोलोगना (इटली) : दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 .0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा। इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6 .1, 6 .3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता। इससे पहल मात्तेओ बेरेतिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6 .3, 7 .6 से मात दी थी। इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है। आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था। अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी।

रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंजूरी मिल गई है। पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था। विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं। एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंजूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए।

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स।

ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज श्रृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी। आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था। अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज श्रृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं। क्या उम्रदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी। क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी। ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे। कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं। स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है।

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर।

गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था। उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा। शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं।

दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों का संतुलन बनाने में होगी परेशानी

गुवाहाटी : गिल के रिप्लेसमेंट के बारे में सोचते समय भारत के लिए एक चिंता यह है कि उनकी टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है। कोलकाता में उनकी ग्यारह में छह खिलाड़ी थे – टॉप आठ में पांच – और साई सुदर्शन और पडिक्कल, जो लाइन-अप में आने की कोशिश कर रहे थे, वे भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। भारत की लाइन-अप में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा होने से कोलकाता में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को काफी फायदा हुआ। कोटक ने कहा कि ऑफ स्पिनर बनाम बाएं हाथ के बल्लेबाज के मैच पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया गया, और बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज को भी खिलाया, जिससे भारत की लाइन-अप को फायदा होना चाहिए था। आप मुझे एक बात बताइए, उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था। अगर हमारे पास सात दाएं हाथ के बैट्समैन होते, तो? उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था, और एक ऑफ स्पिनर भी। मेरा मानना है कि आपको अच्छा खेलना होगा। ऑफ स्पिनर का बाएं हाथ के बल्लेबाज को बॉलिंग करने का मतलब यह नहीं है कि बाएं हाथ का बल्लेबाज आउट हो जाए। हमारे पास (कोलकाता में) दो बाएं हाथ के स्पिनर थे, उनके पास नौ दाएं हाथ के बल्लेबाज थे; क्या वे आउट हुए? तो शायद वह बात थोड़ी ओवररेटेड है। ओवररेटेड हो या न हो, इंडिया शायद मैच-अप पर सोचेगा, भले ही वे गुवाहाटी के ट्रैक के लिए तैयारी कर रहे हों, जो कोलकाता के मुकाबले बैटर्स के लिए ज्यादा आसान होने वाला है। मैच से दो दिन पहले इंडिया के ज़रूरी प्रैक्टिस सेशन से कुछ इशारा मिला कि गिल की जगह कौन आ सकता है। नेट्स में बैटिंग करने आए पहले चार बैटर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल थे।

भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

गुवाहाटी : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं। कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है। भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है। अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं। कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं। मुझे अपनी भूमिका पता है।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी।

अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे। दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

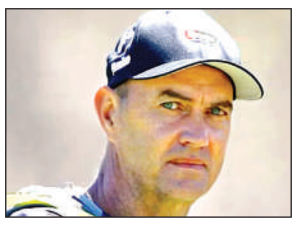

घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था। बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा। रात में काफी गर्मी होती है लेकिन जाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए। बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी। चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है। उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है। इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है। भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी, एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सात्विक-चिराग। फाइल फोटो

से मुकाबला करेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे। इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया। भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा।

विश्व मुक्केबाजी कप

सभी 20 वजन वर्ग में मेजबान मुक्केबाजों ने दिखाई धमक, नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किए

भारतीय महिला मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन की अगुआई में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में सात स्वर्ण पदक जीते जबकि पुरुष मुक्केबाजों में हितेश गुलिया और सचिन सिवाच ने भी खिताब जीता। मेजबान देश के मुक्केबाजों ने सभी 20 वजन वर्ग में पदक जीता जिसमें नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य शामिल रहे।

बृहस्पतिवार को भारत के 15 मुक्केबाज रिंग में उतरे जिसमें से महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा), विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (60 किग्रा), पूर्व युवा

निकहत जरीन

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति।

विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नुपुर श्योराण (80 किग्रा से अधिक) ने भी स्वर्ण पदक जीते। जादुमणि सिंह (50 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), अंकुश फंगल (80 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने रजत पदक हासिल किए। इससे पहले नीरज फोगाट (65 किग्रा), स्वीटी (75 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा) और नवीन (90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट से कई शीर्ष मुक्केबाज नदारद थे।

कजाखस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे मजबूत देशों ने तीसरे दर्जे की टीम भेजीं लेकिन डब्ल्यूबीसी फाइनल्स परवीन, प्रीति और अरुंधति जैसे वापसी कर रहे भारतीय मुक्केबाजों के लिए बहुमूल्य साबित हुए जिन्होंने लय और आत्मविश्वास हासिल करने के लिए इसका उपयोग किया। जैस्मीन ने प्रतियोगिता में भारत की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की। उन्होंने पेरिस ओलंपिक्स की पदक विजेता वू शिह यी को रोमांचक फाइनल में 4-1 से हराया। प्रीति ने इटली की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता सिरीन चर्राबी के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

निकहत ने शुआन को हराया

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत (50 किग्रा) ने चीनी ताइपे की गुओ यी शुआन पर सर्वसम्मति से 5-0 से जीत दर्ज की। परवीन ने जापान की अयाका तागुची पर 3-2 से जीत दर्ज की जबकि अरुंधति ने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया। मीनाक्षी हुड्डा ने मौजूदा एशियाई चैंपियन फरजोना फोजिलोवा पर 5-0 से जीत हासिल की। पुरुषों के वर्ग में सचिन ने किर्गिस्तान के मुनारबेक उलु सेइतबेक को 5-0 से हराया जबकि हितेश ने धीमी शुरुआत के बाद कजाखस्तान के नूरबेक मुर्सल को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के दौरान भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की आम बैठक के दौरान टकराव के संकेत मिले।